सुप्रभात
रांची, बुधवार
26.06.2024
* * नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net आषाढ़, कृष्ण पक्ष, पंचमी, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 342

12

पेपर लीक करने पर उम्रकैद, एक करोड़ जुर्माना

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

RESIST!
REDUCING SUBSTANCE INGESTION AND STOPPING TRAFFICKING

मादक पदार्थों पर रोक के लिए पूर्णत: संकल्पित झारखण्ड सरकार...

श्री चम्पाई सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

नशे को ना

टोल फ्री न॰
112
(24x7)
पर कॉल करें

जिंदगी को हाँ

- शिक्षण संस्थानों से **100 मीटर** की परिधि में तम्बाकू निषेध।
- नशीले पदार्थ का **उत्पादन, भंडारण, बिक्री, परिवहन** या **उपयोग** के सहभागी नहीं बनें।
- **18 वर्ष से कम आयु** को मादक/नशीले पदार्थ की बिक्री नहीं करें।
- मादक पदार्थ/अफीम की खेती की सूचना **टोल फ्री नम्बर 112** पर दीजिये।
- मादक/नशीले पदार्थों की **खरीद-बिक्री** नहीं करनी चाहिए।
- ड्रग्स के कारोबार को रोकने के लिए **प्रशासन का साथ** दीजिये।
- नशीले पदार्थ की **खेती नहीं करें**।
- आपके द्वारा दी गयी जानकारी पर **त्वरित कार्रवाई** होगी। आपकी **पहचान गुप्त** रखी जायेगी।
- कानून में **सजा और जुर्माना** का प्रावधान।

नशा से छुटकारे के लिए तुरंत संपर्क करें

रिनपास, राँची	केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान, राँची	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर	जिला अस्पताल के आईसीटीसी/एआरटीसी परामर्श केंद्र

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PRNO 327689 (IPRD) 24-25

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा की, कहा

आयुष्मान कार्ड से वंचित सभी लोगों के इलाज की नयी योजना होगी शुरू

सरकारी नर्सिंग स्कूल और कॉलेज में पढ़ रहे विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिले, प्लेसमेंट की भी बेहतर व्यवस्था हो

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम चम्पई सोरेन ने कहा है कि राज्य का कोई भी गरीब व्यक्ति इलाज से वंचित ना रहे, इसके लिए सरकार एक नई योजना शुरू करने जा रही है। श्री सोरेन मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत आयुष्मान कार्ड से वंचित वैसे सभी व्यक्ति, जिनका राशन कार्ड होगा, उन्हें 15 लाख रुपए तक की इलाज की सुविधा मिलेगी। ऐसे में इस योजना को जल्द से जल्द शुरू करने की सभी प्रक्रियायें जल्द पूरी करने का निर्देश दिया।

स्वास्थ्य उप केंद्रों को सुविधायुक्त बनायें : उन्होंने कहा कि राज्य के सभी स्वास्थ्य उप केंद्रों को बेहतर बनाया जाये। ताकि ग्रामीणों को यहां प्राइमरी इलाज की सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि यहां स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति होनी चाहिये। इसके साथ स्वास्थ्य उप केंद्र के बाहर नोटिस बोर्ड लगाया जाये। इसमें संबंधित स्वास्थ्य कर्मी का नाम और मोबाइल नंबर अंकित हो, ताकि जरूरत पड़ने पर कोई भी ग्रामीण उससे संपर्क कर सके।

नर्सिंग स्कूलों और कॉलेज की कैपेसिटी बढ़ाई जाये : उन्होंने कहा कि राज्य के सभी सरकारी नर्सिंग स्कूल और कॉलेज में विद्यार्थियों की जो वर्तमान क्षमता हैए उसे बढ़ाया जाये। इसके साथ इन नर्सिंग स्कूल और कॉलेजों में जो विद्यार्थी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिलना चाहिये ।

इसके साथ इन विद्यार्थियों के बेहतर प्लेसमेंट की भी व्यवस्था सुनिश्ति करें। उन्होंने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर और मजबूत बनाने के लिये मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है । इस दिशा में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज खोलने के लिये निवेशकों को आमंत्रित करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग कदम उठाये। उन्होंने विभागीय पदाधिकारियों को कई अहम सुझाव भी दिये।

बैठक में मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्र^ र डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कॉरपोरेशन के एमडी श्री अबू इमरान, एनएचएम के अभियान निदेशक आलोक त्रिवेदी, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक प्रमुख डॉ सीके साही और निदेशक औषधि ऋतु सहाय समेत स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी उपस्थित थे।

रसोई गैस सब्सिडी योजना के लाभुकों के चयन का मानक यथाशीघ्र तय हो : सीएम

मुख्यमंत्री ने खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग की उच्च स्तरीय बैठक की

दाल भात केंद्रों को सुदृढ़ करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों को मात्र पांच रुपये में एक वक़्त का भोजन उपलब्ध कराने के लिये शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में कई दाल भात केंद्र संचालित हैं। उन्होंने इन दाल भात केंद्रों को सुदृढ़ बनाने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि इसे साफ स्वच्छ और सुंदर रखने के लिये समुचित कदम उठाये जायें। राज्य सरकार का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा गरीब लोग इन केंद्रों में भोजन कर सकें।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने राज्य सरकार की रसोई गैस सब्सिडी योजना के लाभुकों के चयन का मानक यथाशीघ्र तय करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। श्री सोरेन मंगलवार को खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की आज उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना का दायरा बढ़ाने की पहल करें। इसके तहत हरा राशन कार्ड जारी करने का जो निर्धारित लक्ष्य है, उसमें बढ़ोतरी की जाये। नये लाभुकों को इस योजना से जोड़ने की दिशा में शीघ्रता से कदम उठायें।

मुख्यमंत्री सपोर्ट योजना के स्वरूप में हो बदलाव : मुख्यमंत्री ने कहा कि दो पहिया वाहनों के लिए पेट्रोल क्रय पर अनुदान हेतु मुख्यमंत्री सपोर्ट योजना योजना की शुरूआत हुई थी। लेकिन, इस योजना का बेहतर परिणाम देखने को नहीं मिला है। ऐसे में इस योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभुक लाभ लेने के लिये आगे आयें। इसके गाइडलाइन और स्वरूप में बदलाव लाने की जरूरत है। अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने इस योजना के गाइडलाइन को सरल बनाने का निर्देश दिया।

धोती, लूंगी और साड़ी को पैकेट बनाकर लाभुकों को दें : मुख्यमंत्री ने कहा कि सोना सोबरन धोती, साड़ी वितरण योजना के तहत दिये जाने वाले धोती, लूंगी और साड़ी की क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे लाभुकों को धोती, लूंगी और साड़ी को पैकेट में उपलब्ध करायें। बैठक में मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, खाद्य सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव अमिताभ कौशल, ओएसडी सतीश चंद्र चौधरी, संयुक्त सचिव दीपक कुमार, जेएसएफसी के प्रबंध निदेशक सत्येंद्र कुमार, निदेशक खाद्य उपभोक्ता मामले दिलीप तिर्की और नियंत्रक विधिक माप तौल विज्ञान श्री कृष्ण चंद्र चौधरी मौजूद थे।

पोटा एक्ट के तहत दोषी को आठ साल कैद की सजा

रांची। न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने मंगलवार को पोटा एक्ट 2002 के तहत ट्रायल फेस कर रहा अभियुक्त तिलकमान साहू को दोषी करार कर आठ साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर उसे अतिरिक्त आठ महीने जेल काटनी होगी। अभियुक्त पर माओवादी संगठन से जुड़कर माओवादियों के लिये लेवी वसुलने का कार्य करने का आरोप था। इस मामले में पालकोट थाना में कांड संख्या 5/2002 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार पालकोट थाने के पुलिस ने गुप्त सूचना पर माओवादी संगठन;एमसीसी का सक्रिय सदस्य गुमला के पालकोट बाजार में लेवी की मांग कर रहा है। इसी सूचना पर वहां की पुलिस ने तिलकमान साहू को धर दबोचा। साथ ही, उसकी तलाशी ली गई। जिसमें उसके पास से लेवी की रकम बरामद की गई और तिलकमान साहू के बताये अनुसार मुरूमकेला गांव से एक अन्य माओवादी सदस्य शंकर लोहरा को गिरफ्तार किया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT BUILDING DIVISION, HAZARIBAG

e-Procurement Cell

Very Short e-Procurement Notice

Tender Reference No:- BCD/EE/ HAZARIBAG/ 01 /2024-25

Date:-25-06-2042

1.	Name of the work	:- Construction of HSC Achaljamo, Block- Bishnugrah, District :-Hazaribagh
2.	Estimated Cost (Rs.)	5549825/-
3.	Time of Completion	6 Month
4.	Date of Publication of Tender on website	27-06-2024
5	Last date/Time for receipt of bids	05-07-2024 03.00 PM
6.	Name & address of office Inviting tender	Office of the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division,Hazaribag
7.	Contact no. of Procurement officer	9348952485
8.	Helpline number of e-Procurement cell	06546-225723

Further details and subsequent amendments can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Hazaribag

PR 327662 Building(24-25).D

Deputy Commissioner-cum-District Magistrate, Ranchi

(DISTRICT PLANNING OFFICE, RANCHI)

(E-mail id : ranchi.dpo@gmail.com)

1st Floor,Vikas Bhawan, Ranchi– 834001

Very Short Expression of Interest (EOI)

SUB – Invitation of Short Term Expression of Interest for Selection of Agency for the Requirement for the projects "Upgradation of education facilities with ICT labs, library, and Recreation Cum Learning Centres" in Government School of RanchiDistrict of Jharkhand.

District Administration, Ranchi invites Special EOIs from reputed firm's/manufacturing agencies/NGOs for the Requirement for the projects 'Upgradation of education facilities with ICT labs, library, and Recreation Cum Learning Centres' in Government Schools of Ranchi District of Jharkhand.

NO	INFORMATION/SUBJECT	DETAIL
1	2	3
01	NAME OF WORK	Invitation of Short Term Expression of Interest for Selection of Agency for the Requirement for the projects 'Recreation Centres' in Government School of Ranchi District of Jharkhand under the limitation of Rs. 8.33 Lakh per school
02	DATE OF PUBLICATION OF BID	26thJune 2024 (11:00 AM)
03	EARNEST MONEY TO BE DEPOSITED	RS 100,000.00 (One Lakh Only) in Favour of DC Ranchi, Payable at Ranchi.
04	LAST DATE & TIME FOR BID SUBMISSION	04th July 2024 (.05:00 PM)
05	BID SUBMMISSON PLACE	DPO Office, 1st Floor, Vikas Bhawan Ranchi
06	DATE AND TIME FOR BID OPENING	05th July 2024 (11:00 AM)
07	BID OPENING PLACE	Conference Hall, Vikas Bhawan, Ranchi
08	NAME AND OFFICE FOR INVINTING EOI	District Planning Office, Vikas Bhawan, Ranchi
09	HELPLINE NO. AND EMAIL ADDRESS	7979927699/9431931312

Complete EOI Document and the approved proposal of the project from the NITI Aayog is available on official website of Ranchi District

District Administration, Ranchi reserves the right to have negotiation with any or all, accept or reject any or all the EOI Proposal and annual this process at any time without assigning any reason whatsoever be.

Sd/-
Deputy Commissioner
-Cum- District Magistrate, Ranchi

PR 327629 Ranchi(24-25)D

इडी ने विष्णु अग्रवाल को पुगरु स्थित 9.5 एकड़ जमीन खाली करने का भेजा नोटिस

रांची। जमीन फर्जीवाड़े की जांच कर रहे इडी ने विष्णु अग्रवाल को नोटिस भेजा है। नोटिस के माध्यम से नामकुम के पुगरु स्थित 9.5 एकड़ जमीन को दस दिनों में खाली करने को कहा है। पूर्व में इस जमीन को इडी ने कुर्क कर लिया है और निर्णायक प्राधिकारी ने कुर्की की पुष्टि कर दी है, अब इडी इस जमीन पर कब्जा करेगा। गौरतलब हो कि नामकुम के पुगरु मौजा में 9.5 एकड़ खासमहल जमीन की रजिस्ट्री विष्णु अग्रवाल और आदर्श हाइट्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर की गई थी। जांच में तत्कालीन डीसी छवि रंजन ने रजिस्ट्री को गलत पाया। लेकिन टाइटल सूट का मामला मानते हुए जमीन की अवैध रजिस्ट्री को रद्द नहीं किया। इडी ने इस मामले में आशीष कुमार गांगुली समेत डेढ़ दर्जन लोगों से पूछताछ की थी। आशीष ने 9 अगस्त 2019 को विष्णु अग्रवाल को यह जमीन बेची थी, जबकि आशीष कुमार गांगुली ने 2013 में उसी जमीन के लीज रिन्युअल के लिए तत्कालीन डीसी को आवेदन दिया था। इससे पूर्व इस जमीन की लीज 31 मार्च 2014 तक रामचंद्र मुखर्जी के नाम पर स्वीकृत है। गांगुली को यह पता था कि यह जमीन खासमहल की है, बावजूद उसने इस जमीन को विष्णु अग्रवाल को बेची। भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं के पक्ष में फर्जी तरीके से इन भू-खंडों का म्यूटेशन किया गया है।

चंपई सरकार में महिलाएं असुरक्षित : कमलेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बीते दिनों एक मासूम लड़की के साथ हुए दुष्कर्म की घटना ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। 12 वर्षीय बच्ची को दरिंदों ने विकास चौक से कार में बैठाकर घंटे तक दुष्कर्म किया और फिर अधमरे स्थिति में ओरमांझी क्षेत्र में सड़क किनारे फेंक दिया। पीड़िता अभी भी रिम्स में जिंदगी और मौत से जूझ रही है। मंगलवार को इस घटना के विरोध में कांके विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता कमलेश राम के नेतृत्व में मेसरा चौक पर आक्रोश मार्च निकालकर सीएम का पुतला दहन किया गया। मौके पर इस घटना का कड़ा विरोध करते हुए कमलेश ने कहा कि यह मन को झकझोर देने वाली घटना हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आग्रह है किया है कि दुष्कर्म के आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर फांसी की सजा दिलायें और पीड़ित परिवार मुआवजा दिया जाये। अन्यथा स्थानीय लोग उग्र आंदोलन के लिए बाध्य हो जायेंगे। झारखंड में महिलाएं के साथ -साथ नाबालिक बच्चियां भी सुरक्षित नहीं हैं और सरकार और प्रशासन मूकदर्शक बनी हुई है। भाजयुमो मंडल अध्यक्ष शिवलाल महतो ने कहा राज्य में अराजकता का माहौल बन गया है। भाजपा रांची ग्रामीण के महामंत्री नरेंद्र कुमार ने कहा कि यह बेहद ही चिंतनीय विषय यह है कि मुख्यमंत्री हो या राज्य के मंत्री कोई भी ऐसी वीभत्स घटना पर एक शब्द कहने को तैयार नहीं है। इसी से अपराधियों का मन और मनोबल बढ़ा हुआ है। आक्रोश मार्च में राजा महतो, संदीप कुमार, संजय महतो, श्रवन कुमार, सागर महतो, अर्जुन मंडल, श्रृष्टि महतो, किरन देवी के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

26 से 6 जुलाई तक आजसू पार्टी का राज्यभर में हल्ला बोल कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी राज्य के सभी 260 प्रखंडों और 51 नगर इकाइयों में हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन करेगी। हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन 26 जून से 6 जुलाई तक होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, बिजली आपूर्ति में अनियमितता, मनरेगा मजदूरों को मजदूरी न मिलना, पलायन, मानव तस्करी, प्रशासनिक उदासीनता समेत जनमानस को आ रही अन्य समस्याओं के खिलाफ नगर आयुक्त और विकास प्रखंड पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने मंगलवार को केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते बताया कि हल्ला बोल कार्यक्रम के माध्यम से आजसू पार्टी राज्यवासियों की आवाज बनेगी। आज सरकारी कार्यलयों में जरूरमंद लोगों का काम नहीं हो रहा है। काम सिर्फ उनका हो रहा है जिनके पास पैसे हैं। गरीबों को अपने छोटे से काम के लिए कई दिनों तक कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं और वहीं दूसरी ओर जिनके पास पैसे हैं, उनका हर काम आसानी से हो जाता है। अबुआ आवास को इन लोगों ने बबुआ आवास बना दिया है। इस अराजक व्यवस्था के खिलाफ हम हल्ला बोल करेंगे।

30 जून को पूरे राज्य में हूल दिवस मनाएगी पार्टी : अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक हूल दिवस पर सभी जिला एवं प्रखंड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो व अन्य क्रांतिकारी सपूतों को पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा संताल विद्रोह के महानायकों की संघर्ष गाथा पर प्रकाश डालेंगे। प्रेसवार्ता में केंद्रीय महासचिव विजय साहू भी उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

जमीन कारोबारी कमलेश को इडी ने भेजा समन, 28 जून को हाजिर होने का निर्देश

रांची। जमीन कारोबारी कमलेश कुमार को ईडी ने दोबारा समन भेजा है। ईडी ने समन भेजकर 28 जून को उपस्थित होने को कहा है। इससे पहले बीते 21 जून को ईडी ने कमलेश के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान उसके ठिकानों से एक करोड़ कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे। जिसके बाद ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा ने पूरे मामले में झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह को पत्र लिखा और कार्रवाई की मांग की थी। रांची के कांके में थाना में कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था।

शेखर कुशवाहा के बयान पर हुई कार्रवाई : फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने वाले सिंडिकेट से जुड़े शेखर कुशवाहा ने बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कांके इलाके में कई जगहों पर कमलेश कुमार द्वारा जमीन के फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन हड़पने की जानकारी दी थी। मामला सामने आने के बाद ईडी ने समन कर कमलेश कुमार को रांची जोनल आफिस में पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन ईडी के समन पर उपस्थित ना होकर कमलेश फरार हो गया। जिसके बाद शुक्रवार की दोपहर 12 बजे ईडी की टीम कांके रोड के चांदनी चौक स्थित एस्ट्रो ग्रीन स्थित फ्लैट पहुंची। लेकिन ईडी के पहुंचने से ठीक पहले कमलेश वहां से निकल गया था।

एनआईए से जुड़े मामले में प्रभु प्रसाद साहू को हाई कोर्ट से मिली जमानत

रांची। एनआईए से जुड़े एक मामले में आरोपी प्रभु प्रसाद साहू को मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। प्रभु प्रसाद साहू पर उग्रवादी संगठन सीपीआई माओवादी के सदस्यो के आने-जाने, रुकने आदि का बंदोबस्त करने का आरोप है। इसके अलावा व्यवसाईयों एवं माओवादियों के बीच मध्यस्थता कायम रखने में भूमिका निभाने का भी उसपर आरोप है। मामले को लेकर चुटिया थाना में कांड संख्या 180 /2017 दर्ज की गई थी। 30 अक्टूबर 2017 को इस मामले को एनआईए ने अपने हाथों में लिया था। वर्ष 2017 से प्रभु प्रसाद साहू जेल में है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिंह एवं अधिवक्ता ऋषभ कुमार ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान प्रतीक की ओर से कोर्ट को बताया गया की इसी से संबंधित मामले में एक आरोपी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

औद्योगिक नीतियों में जीएसटी प्रतिपूर्ति भुगतान प्रणाली लागू

रांची। राज्य सरकार की विभिन्न औद्योगिक नीतियों में जीएसटी इंसेंटिव के प्रावधानों को विलोपित कर दिया गया। इसके स्थान पर अब जीएसटी रीइंबर्समेंट के प्रावधानों को लागू कर दिया गया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गयी है। जीएसटी रीइंबर्समेंट के प्रावधानों को लागू किये जाने से अब विभिन्न औद्योगिक इकाई को वर्ष 2017-18 से वर्ष 2022-23 की अवधि के लिए विस्तारित योजना के लिए अनुमान्य एसजीएसटी रीइंबर्समेंट तीन माह के अंदर मिलने का रास्ता साफ हो गया। इस संबंध में गिरिडीह के अतिवीर इंडस्ट्री और झारखंड सरकार के बीच हाइकोर्ट में वाद भी चल रहा था। कोर्ट से पारित आदेश के आलोक में यह बदलाव किया गया है। बताते चलें कि यह संशोधन उद्योग विभाग झारखंड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति 2021, झारखंड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति 2016, झारखंड औद्योगिक नीति 2012, झारखंड टेक्सटाइल एपरेल एवं फुटवेयर नीति 2016 एवं झारखंड ऑटो मोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट पॉलिसी 2016 का अंश भी होगी। मालूम हो कि नेट वैट नीति की वजह से औद्योगिक इकाईयों का प्रतिपूर्ति भुगतान नहीं हो पा रहा था। अब जीएसटी प्रतिपूर्ति भुगतान प्रणाली लागू होने से इकाईयों को लाभ होगा।

झारेरा की वेबसाइट पर अपने प्रोजेक्ट को अपलोड नहीं कराने वालों पर होगी कार्रवाई

रांची। झारखंड भू- संपदा नियामक प्राधिकार (झारेरा) की वैसे प्रोजेक्ट पर विशेष नजर है, जिसका अपडेटेड डॉक्यूमेंट उसकी वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया गया है। यही कारण है कि झारेरा ने इसे लेकर एक सूचना जारी की है। झारेरा के अध्यक्ष बीरेन्द्र भूषण ने सभी बिल्डर्स, डेवलपर्स, प्रमोटर को चेतावनी देते हुए कहा है कि जिनका प्रोजेक्ट ऑफलाइन मोड में निबंधित है तथा प्रोजेक्ट से संबंधित सभी कागजात अद्यतन झारेरा की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किए हैं, वे इस सूचना के प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर अपलोड कर दें। ऐसा नहीं करने पर भू-संपदा (विनियमन एवं विकास) एक्ट 2016 के तहत कार्रवाई की जाएगी। वैसे बिल्डर्स, डेवलपर्स जिनका वर्तमान पता, ई मेल, मोबाइल नंबर आदि किसी कारण से बदल गया हो, वे 7 दिनों के अंदर कार्यालय को उसके मेल आईडी रेरा डॉट झारखंड एट जीमेल डॉटकॉम पर भेज दें।

हाई कोर्ट ने भाजपा की निलंबित नेत्री सीमा पात्रा की क्रिमिनल रिवीजन को किया अमान्य

रांची। अपनी नौकरानी सुनीता खाखा के साथ क्रूरता मामले में निचली अदालत द्वारा डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने को चुनौती देने वाली भाजपा की निलंबित नेत्री सीमा पात्रा की क्रिमिनल रिवीजन की मेंटीबिलिटी (याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं) पर झारखंड हाई कोर्ट ने मंगलवार को अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस मामले में दायर क्रिमिनल रिवीजन को अमान्य कर दिया। साथ ही मामले को अपील में तब्दील करते हुए सुनवाई की अगली तिथि निर्धारित की है। कोर्ट ने कहा कि एसटी /एससी अधिनियम की धारा 14 ए के तहत इस मामले में अपील दाखिल की जानी चाहिए थी। दरअसल, बीते सोमवार को मामले में मेंटीबिलिटी (याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं) के बिंदु पर सुनवाई पूरी हो गई थी, जिस पर मंगलवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। बीते सोमवार को सुनवाई के दौरान इस बात पर बहस की गई थी कि यह मामला क्रिमिनल रिविजन का है या अपील का। सूचक विवेक बास्की की ओर से अधिवक्ता शुभाशीष रसिक सोरेन एवं अधिवक्ता शोभा लकड़ा ने पैरवी की। बता दें कि मामले को लेकर सीमा पात्रा के खिलाफ अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। रांची की निचली अदालत ने सीमा पात्रा की डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी। बता दें की प्राथमिकी में नौकरानी सुनीता ने बताया था कि सीमा पात्रा ने उन्हें कई दिनों तक भूखे-प्यासे कमरे में बंद रखा था। लोहे की रॉड से मार कर उसके दांत तक तोड़ दिये थे। इतने से भी उनका जी नहीं भरा तो उन्होंने गर्म तवे से शरीर के कई हिस्सों में दागा, जिसके निशान अभी भी हैं। इसके अलावा पेशाब को भी मुंह से साफ कराती थी। सुनीता पर हो रहे जुल्म की जानकारी किसी तरह कार्मिक विभाग के अफसर विवेक बास्की को मिली थी।

लोकसभा चुनाव में देश की जनता ने भाजपा को सिखाया सबक : वृंदा करात

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी की पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात ने कहा कि लोकसभा चुनाव में देश की जनता ने नरेंद्र मोदी सरकार को सबक सिखा दिया है। चुनाव नतीजों के बाद भी भाजपा कोई सबक नहीं ले रही है। अब भी वह बुलडोजर लेकर पार्लियामेंट चलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई, जमीन घोटाला, कोयला घोटाला, बेरोजगारी से जनता त्रस्त है। किसानों को भी धोखा दिया है, यूज एंड थ्रो की राजनीति करते हैं, मोदीजी, बांग्ला भाषी मुसलमानों को टारगेट कर रहे हैं, यह गलत है, वे 40 से 50 साल से रह रहे हैं। इसका विरोध जारी रहेगा। वृंदा करात मंगलवार को पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात कर रही थी। इस मौके पर सीपीएम नेता रामचंद्र डोम, प्रकाश विप्लव समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

वृंदा करात ने झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारियों शिवराज सिंह चौहान और हिमंत बिश्व सरमा पर कहा कि हिमंता और शिवराज झारखंड के बारे में कुछ जानकारी नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा कि हिमंत बिश्व सरमा घूम घूम कर सांप्रदायिकता फैलाते हैं। अगर वह यहां सांप्रदायिक नीतियों पर काम करेंगे, तो उसका भी हम विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में

बांग्लादेशियों की घुसपैठ के मामले में भाजपा जनता को भ्रमित करती है। बांग्लाभाषी मुस्लिमों को जान बूझ कर परेशान किया जा रहा है। भाजपा को ऐसे बयान देने से पहले ये भी बताना चाहिए कि वर्तमान सरकार के पहले झारखंड में जो सरकारें थीं, बांग्लादेश से होनेवाली घुसपैठ को रोकने के लिए उन्होंने क्या किया। केंद्र सरकार ने अब तक क्या कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा चुन चुन कर बांग्लाभाषी मुस्लिमों को परेशान कर रही है।

वृंदा करात ने कहा कि संसद की परंपरा के मुताबिक, कौन स्पीकर बनेगा और कौन डिप्टी स्पीकर, इस पर पहले बातचीत होनी चाहिए। बातचीत के बाद इसकी घोषणा होनी चाहिए। सरकार चाहे, तो स्पीकर कौन बनेगा, यह तय कर ले। लेकिन, डिप्टी स्पीकर के पद पर विपक्ष का ही नेता होना चाहिए। यह हमारी परंपरा रही है। वर्ष 2019 के चुनाव के बाद सदन में कोई डिप्टी स्पीकर नहीं रहा।

16 से 21 अगस्त तक होगी विरोध कार्रवाई

वृंदा करात ने कहा कि पार्टी द्वारा जन मुद्दों को भी चिन्हित किया गया है, पानी की विकराल समस्या से शहर समेत ग्रामीण क्षेत्र जूझ रहे हैं। जमीन के नक्शे को डिजिटल करने से किसान परेशान हैं, हरा राशन कार्डधारियों को कोई राशन नहीं मिल रहा है। मिनिमम वेज बढ़ा है, तो इसे बढ़ने दें, रोक लगेगी तो इस पर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। 16 अगस्त से 21 अगस्त तक विरोध कार्रवाई का आयोजन जिला, प्रखंड, पंचायत स्तर पर किया जायेगा।

सीएम चंपई सोरेन से औपचारिक मुलाकात

पूर्व सांसद वृंदा करात के नेतृत्व में सीपीएम का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से झारखंड मंत्रालय में औपचारिक मुलाकात की। उन्होंने मिल कर जमीन के नक्शे को डिजिटल करने से किसानों की परेशानी समेत अन्य मुद्दों को रखा। मौके पर पार्टी के राज्य सचिव संजय पासवान, स्टेट कमेटी मेंबर सुरेश मुंडा, अशोक साह, सुभाष हेम्ब्रम और सुधांशु रंजन शामिल थे।

सुप्रभात
रांची, बुधवार
26.06.2024
नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net आषाढ़, कृष्ण पक्ष, पंचमी, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 342

12 दो अगस्त को रिलीज होगी फिल्म 'उलझ'

न्यूज डायरी

एके को नहीं मिली राहत इडी की याचिका स्वीकार

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी सीएम अरविंद केजरीवाल को मंगलवार को फिर बड़ा झटका लगा। दिल्ली की विशेष अदालत से मिली 20 जून को मिली जमानत निलंबित करने की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका मंगलवार को स्वीकार कर ली।

रातू का एसआइ 35 हजार घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

रांची। राजधानी में रातू थाना के सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह को घूस लेते एसीबी की टीम ने मंगलवार को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि कि सत्येंद्र सिंह ने केस डायरी मैनेज करने के नाम पर घूस की मांग की थी। वादी घूस ने इसकी शिकायत एसीबी से की। एसीबी ने पूरे मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन में एसीबी ने घूस मांगे जाने की बात सही पायी। इसके बाद एसीबी ने कार्रवाई करते हुए सब इंस्पेक्टर को रंगेहाथ घूस लेते गिरफ्तार कर लिया।

शपथ के दौरान ओवैसी के नारे पर सदन में हंगामा

नयी दिल्ली। संसद सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को भी निर्वाचित सांसदों को शपथ दिलायी गयी। एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ के दौरान 'जय फिलिस्तीन' और अल्लाह-ओ-अकबर के नारे लगाये। इस पर विवाद हो गया। भाजपा सांसदों ने ओवैसी के जय फिलिस्तीन कहने पर आपत्ति जतायी। प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि ओवैसी के शपथ भाषण में अगर कोई आपत्तिजनक बात पायी गयी तो उसे कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटाया जायेगा।

तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

हजारीबाग। इटाक थाना क्षेत्र में मंगलवार को दो सगे भाइयों की तालाब में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गयी। दोनों बच्चों की मौत से गांव में शोक है। ये हादसा डाढा गांव में रामसागर तालाब में नहाने के दौरान हुआ। मृतकों में राजकुमार (9 वर्ष) एवं उसका छोटा भाई एस राज (7 वर्ष) शामिल हैं।

दनुआ घाटी में पांच वाहन आपस में भिड़े 3 की मौत

हजारीबाग। दनुआं घाटी में फिर बड़ी दुर्घटना में तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में पांच गाड़ियां आपस में टकरा गगयीं। जिसमें तीन ट्रेलर और दो कंटेनर शामिल है। इस दौरान दो कंटेनर खाई में गिर गयी। साथ ही दो गाड़ियों के परखच्चे उड़ गये। वहीं, इस घटना के समय एक बाइक कंटेनर की चपेट में आ गई, जिसमें दो बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। घटना की जानकारी पाकर चौपारण पुलिस मौके पर पहुंची. जहां एक शव गाड़ी के नीचे दबे होने की बात कही जा रही है। हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना मिली थी।

सत्तापक्ष और विपक्ष में नहीं बनी सहमति, आज स्पीकर पद का चुनाव

इतिहास में पहली बार चुनाव, ओम बिरला और के. सुरेश मैदान में, व्हिप जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष पद को सत्तापक्ष और विपक्ष में सहमति नहीं बन सकी है। ऐसे में ऐसा लोकसभा के इतिहास में पहली बार होगा जब स्पीकर पद के लिए चुनाव होगा। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही ओर से लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया गया है। एनडीए की ओर से ओम बिरला का नाम फाइनल हुआ है। वो पिछले सत्र में भी लोकसभा अध्यक्ष पद का जिम्मा संभाल चुके हैं। इस बार भी उन्होंने स्पीकर पद के लिए नामांकन कर दिया है। उधर इंडिया अलायंस की ओर से के सुरेश का नाम सामने आया। के सुरेश ने भी स्पीकर पोस्ट के लिए विपक्ष की ओर से नामांकन कर दिया। अब बुधवार सुबह 11 बजे लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए वोटिंग होगी। इसी के बाद फैसला होगा कि अगला लोकसभा अध्यक्ष कौन बनेगा। इस बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने स्पीकर के चुनाव को लेकर व्हिप कर दिया है। अपने-अपने सभी सांसदों को को सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। एनडीए ओम बिड़ला को 293 सांसदों का समर्थन है। इनके अलावा कुछ निर्दलीय और अन्य छोटे दलों के सांसदों का भी उन्हें समर्थन मिल सकता है। दूसरी ओर विपक्ष के उम्मीदवार के. सुरेश के समर्थन में करीब 234 सांसद हैं।

व्हिप जारी : स्पीकर का चुनाव बुधवार को होना है। इसके लिए कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। चीफ व्हिप के सुरेश ने ये निर्देश दिए जोकि स्पीकर पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार भी हैं।

(शेष पेज 11 पर)

सहमति नहीं बनने का कारण

पहले ऐसी खबरें थीं कि दोनों के बीच बात बन गयी है। जल्द ही इस पर विपक्ष ने स्टैंड क्लीयर कर दिया। विवाद इसलिए गहराया क्योंकि विपक्ष की मांग थी कि स्पीकर सत्ता पक्ष का हो और विपक्षी पार्टी को लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मिले। हालांकि, सत्ताधारी खेमे ने इस पर स्वीकृति नहीं दी। इसी के बाद चुनाव के लिए विपक्ष ने फैसला लिया। कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल ने कहा कि अगर विपक्ष का डिप्टी स्पीकर नहीं होगा तो हम स्पीकर पद के लिए समर्थन करने की जगह अपना उम्मीदवार खड़ा करेंगे।

सुरेश के नाम पर विपक्षी गठबंधन में दरार

विपक्षी गठबंधन के फैसले के बाद विपक्ष के अंदरखाने कुछ सही नहीं चल रहा। इंडिया गठबंधन की सहयोगी पार्टी टीएमसी का कहना है कि स्पीकर पद के लिए के. सुरेश के नाम पर पार्टी के किसी भी नेता के साथ चर्चा नहीं की गयी। जिस समय के.सुरेश ने नामांकन भरा, उस समय टीएमसी का कोई भी नेता वहां हस्ताक्षर करने के लिए मौजूद नहीं था। जब टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी से इस मुद्दे पर उनकी पार्टी के रुख को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अभी तक संपर्क नहीं हो पाया है। बनर्जी ने आगे कहा कि दुर्भाग्य से यह एक तरफा लिया गया फैसला है। टीएमसी सांसद के अनुसार किसी ने भी इस बारे में टीएमसी से राय नहीं ली और इस बारे में पार्टी की प्रमुख ममता बनर्जी ही कोई फैसला लेंगी।

आपातकाल लाने वाले संविधान से प्रेम का दावा नहीं कर सकते

कांग्रेसी संविधान के प्रति अपनी घृणा, दिखावे में छिपाते हैं : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंडिया समूह के भाजपा के खिलाफ देश के संविधान के लिये सबसे बड़ा खतरा होने का नारा लगाये जाने के एक दिन बाद पीएम मोदी ने मंगलवार को पलटवार करते हुये कहा कि आपातकाल लगाने वालों को संविधान के प्रति प्रेम का दावा करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा, आपातकाल लागू करने वालों को हमारे संविधान के प्रति अपने प्रेम का दावा करने का कोई अधिकार नहीं है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने अनगिनत मौकों पर अनुच्छेद 356 लगाने के साथ ही प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म करने वाला विधेयक पारित किया तथा संघवाद को नष्ट किया। संविधान के हर पहलू का उल्लंघन किया। उन्होंने दोहराया कि जिस मानसिकता के कारण आपातकाल लगाया गया, वह अभी भी उसी पार्टी में जीवित है। उन्होंने कहा, वे अपने दिखावे के जरिये संविधान के प्रति अपनी घृणा को छिपाते हैं, लेकिन देश के लोगों ने उनकी हरकतों को समझ लिया है और इसीलिये उन्होंने उन्हें बार-बार नकार दिया है।

संविधान को रौंद दिया था

उन्होंने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट में कांग्रेस पर 1975 में तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी द्वारा करीब 21 महीने तक लगाये गये आपातकाल के लिए हमला बोला। आपातकाल को काले दिन के रूप में याद करते हुये उन्होंने कहा , यह दिन हमें याद दिलायेगा कि कैसे कांग्रेस ने बुनियादी स्वतंत्रताओं को नष्ट किया और भारत के संविधान को रौंद दिया, जिसका हर भारतीय बहुत सम्मान करता है। पीएम मोदी ने कहा, जिस मानसिकता के कारण आपातकाल लगाया गया था, वह अभी भी उसी पार्टी में जीवित है। उन्होंने कहा सिर्फ सत्ता पर काबिज रहने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हर लोकतांत्रिक सिद्धांत की अवहेलना की और देश को जेल बना दिया। कांग्रेस से असहमत होने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रताड़ित और परेशान किया जाता था। सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाने के लिये सामाजिक रूप से प्रतिगामी नीतियां लागू की गयी थी। आज का दिन उन सभी महान पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है , जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया। पीएम की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है, जब देश 25 जून को आपातकाल लागू होने की 49 साल पूरे हो रहे हैं।

सेना में अलग से गठित हो आदिवासी रेजीमेंट : सीएम

भेंट करने आये सैन्य अधिकारी को सीएम ने अपनी भावना बतायी

देश भर के आदिवासियों को मिलेगी नयी पहचान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से मंगलवार को भारतीय सेना के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ ईस्टर्न कमांडर और लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जाट रेजीमेंट, बिहार रेजीमेंट, पंजाब रेजीमेंट, सिख रेजीमेंट और मद्रास रेजीमेंट आदि की तर्ज पर आदिवासी रेजीमेंट बनाने की अपनी भावना से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आदिवासी रेजीमेंट के गठन से देशभर के आदिवासियों को सेना में अलग पहचान भी मिलेगी।

फौज में आदिवासियों को अधिक अवसर मिले : मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना में झारखंड के आदिवासी युवा अपनी सेवा देते आ रहे हैं। फौज बहाली में यहां के आदिवासियों को और ज्यादा से ज्यादा अवसर प्राप्त हो। इसमें सेना आदिवासियों को आगे लाने की दिशा में पहल करने का लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया। साथ ही कहा कि इस दिशा में सेना की स्थानीय जीओसी के माध्यम से आदिवासियों को सेना बहाली के योग्य तैयार करने के लिए प्रशिक्षण समेत अन्य सभी सहयोग किया जायेगा।

(शेष पेज 11 पर)

सीएम समीक्षा बैठक

रसोई गैस सब्सिडी योजना के लाभुकों के चयन का मानक यथाशीघ्र तय हो। झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना का दायरा बढ़ाने की पहल हो। हरा राशन कार्ड के लक्ष्य में बढ़ोतरी की जाये। नये लाभुकों को इस योजना से जोड़ने की दिशा में शीघ्रता से कदम उठायें। दाल भात केंद्रों को सुदृढ़ करें। धोती, लूंगी और साड़ी को पैकेट बनाकर लाभुकों को दें। आयुष्मान कार्ड से वंचित सभी लोगों के इलाज की नयी योजना शुरू होगी। राज्य का कोई भी गरीब व्यक्ति इलाज से वंचित ना रहे, इसके लिए नयी योजना शुरू होगी। नर्सिंग स्कूलों और कॉलेज की कैपेसिटी बढ़ाई जाये।

(खबर पेज 2 पर)

सीएम आज धनबाद को देंगे 400 करोड़ की सौगात

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन बुधवार को धनबाद में 400 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का ऑनलाइन शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। साथ ही लाभुकों के बीच करोड़ों रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण करेंगे। कुछ लोगों के बीच नियुक्ति पत्र भी बांटेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पहली बार चंपई सोरेन धनबाद में किसी सरकारी समारोह में शामिल होंगे। उनके दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है।

इन योजनाओं के लाभुकों को बांटेंगे परिसंपत्तियां : कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री अबुआ आवास, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि, व्हील चेयर वितरण, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत एक मनिहारी दुकान, एक राशन दुकान व एक स्कोर्पियो वाहन का वितरण करेंगे।

इसके साथ ही पशुधन योजना, साइकल वितरण, वेद व्यास आवास निर्माण, रंगीन मछली पालन, मिनी ट्रैक्टर व कृषि उपकरण, प्रधानमंत्री आवास (शहरी) योजना, स्वयं सहायता समूह को बैंक लिंकेज के माध्यम से ऋण, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना व हिट एंड रन के दो मामले में लाभुकों को दो-दो लाख का वितरण करेंगे।

नक्सली के शक में पकड़ा, टार्चर किया, अब देना होगा मुआवजा

दोषी अधिकारी से वसूली जायेगी पांच लाख की राशि

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लातेहार में ग्रामीण अनिल कुमार सिंह को नक्सली के संदेह में गारू थाना के तत्कालीन प्रभारी रंजीत कुमार यादव द्वारा घर से उठाकर उसे थाना में टॉर्चर करने मामले की सीआइडी जांच को लेकर दाखिल क्रिमिनल रिट पर झारखंड हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट में ग्रामीण अनिल कुमार सिंह को 5 लाख का मुआवजा देने का निर्देश राज्य सरकार को दिया है। मुआवजा की राशि दोषी अधिकारी से वसूलने का निर्देश दिया है। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने राज्य के डीजीपी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने उनसे पूछा था कि इस मामले में दोषी के खिलाफ क्यों नहीं उचित कार्रवाई की गयी।

वहीं प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शैलेश कुमार पोद्दार ने कोर्ट को बताया था अनिल कुमार सिंह को गारू थाना की तत्कालीन थाना प्रभारी रंजीत कुमार यादव ने उसके घर से उठाकर 2 दिनों तक उसे थाने में रखा था। उसे काफी टॉर्चर किया था। मारपीट करने के साथ-साथ उसके पिछले प्राइवेट पार्ट में पेट्रोल भी डाला गया था। इस संबंध में अनिल कुमार द्वारा थाने में प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया गया था, बाद में 7 माह बाद रंजीत कुमार यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी, लेकिन अब तक तत्कालीन थाना प्रभारी पर किसी तरह का कार्रवाई नहीं हुई है।

(शेष पेज 11 पर)

दिल्ली से आकर जेल में हेमंत से मिले कांग्रेस प्रभारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड के कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर मंगलवार को अचानक दिल्ली से रांची पहुंचे और एयरपोर्ट से ही सीधे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात करने बिरसा मुंडा जेल पहुंचे। उनके साथ कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं। इस मुलाकात को बिल्कुल सिक्रेट रखा गया था, क्योंकि मुकालात के बाद गुलाम अहमद मीर अगली फ्लाइट से सीधे वापस दिल्ली लौट गये। पार्टी नेतृत्व का कोई संदेश ले कर वह विशेष रूप से सिर्फ हेमंत सोरेन से मिलने आये थे। दोनों की हेमंत सोरेन से क्या बातचीत हुई, इसका पता नहीं चल पाया है। चर्चा है कि मंत्री पद एवं चुनाव के मुद्दे पर चर्चा हुई होगी।

खास मुलाकात कर दिल्ली गये मीर : कई वजहों से इस मुलाकात को बेहद खास बताया जा रहा है। दरअसल, झारखंड कांग्रेस के अध्यक्ष समेत तमाम बड़े पदाधिकारी दिल्ली में हैं। वहां राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक भी हुई थी। इसी बीच कांग्रेस प्रभारी का रांची आकर हेमंत से मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद से खाली 11वें मंत्री पद को भरने के लिए भी चर्चा हुई है। नाम भी तय हो चुका है। हालांकि दिल्ली लौटते वक्त गुलाम अहमद मीर ने सिर्फ इतना कहा कि बहुत जल्द मंत्री के नाम की घोषणा होगी। इस मुलाकात के दौरान सीट शेयरिंग को लेकर भी चर्चा हुई है।

चुनाव पर भी चर्चा : सूत्रों के मुताबिक इस बात पर भी चर्चा हुई कि आगामी विस चुनाव में इंडिया गठबंधन किन मुद्दों को लेकर मैदान में उतरेगा। 2019 के चुनाव के वक्त महागठबंधन में झामुमो, कांग्रेस और राजद शामिल थे।

(शेष पेज 11 पर)

कल्पना सोरेन भी थीं साथ, कई मुद्दों पर चर्चा की संभावना

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	67400 रु./10 ग्राम
चांदी	:	95000 रु./प्रति किलो

नीट परीक्षा मामला : हाईलेवल कमेटी की पहली बैठक में मजबूत प्रणाली पर चर्चा

सीबीआइ ने सौंपी एफआइआर, मुखिया देता था गारंटी

एजेंसी

पटना, नयी दिल्ली। नीट-यूजी 2024 के प्रश्नपत्र लीक मामले में सीबीआइ ने अपनी दर्ज प्राथमिकी मंगलवार को पटना स्थित ब्यूरो की विशेष अदालत को सौंप दी। सीबीआइ ने यह प्राथमिकी पटना के शास्त्री नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर दर्ज की है, जिसमें दर्ज अभियुक्तों के अलावा अन्य को भी अभियुक्त बनाया है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति की पहली बैठक में मजबूत परीक्षा प्रणाली विकसित करने पर चर्चा हुई। वहीं जांच के दौरान इस मामले के मास्टर माइंड संजीव मुखिया के राज परत-दर-परत खुलने लगे हैं। वह पैसे लेने के बाद स्टांप पेपर पर लिख कर परीक्षा में सफलता की गरंटी देते था। (शेष पेज 11 पर)

स्टांप पेपर पर पास कराने की गारंटी

पेपर लीक मामले में अभी झारखंड के देवघर से पकड़े गये छह में से पांच अभुयक्त नालंदा जिले के ही हैं, जो संजीव मुखिया के लिए काम कर रहे थे। संजीव मुखिया का बेटा शिवकुमार बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले में जेल में बंद है। मास्टर माइंड संजीव मुखिया के राज परत-दर-परत खुलने लगे हैं। नीट पेपर लीक के मुख्य सूत्रधार संजीव मुखिया कोई मुख्य परीक्षा का पेपर लीक करने में महारथ हासिल थी। संजीव मुखिया जिस भी अभ्यर्थी या अभिभावक से डील करता उससे एक हजार रुपये के स्टांप पेपर पर टर्म एवं कंडीशन के साथ उनका हस्ताक्षर करा लेता था। साथ में किसी भी बैंक का पीडीसी चेक भी ले लेता था। खर्च के नाम पर कुछ रुपये एडवांस के रूप में भी लिये जाते थे। स्टांप पेपर पर लिखा होता था कि नौकरी लगने या परीक्षा पास करने की गारंटी देता था और ऐसा होने पर अभ्यर्थी या अभिभावक संजीव मुखिया गिरोह को देगा।

स्पीड न्यूज

डीएसपीएमयू में आजसू के हेल्प डेस्क की शुरूआत

रांची। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) की ओर से छात्र छात्राओं के लिए उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर बुधवार को हेल्प डेस्क (सहायता केंद्र) की शुरूआत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) से की गयी। यह अभियान राज्य भर के सभी कॉलेजों एवं विश्वविद्यालय में शुरू की जायेगी।

श्रमायुक्त से मिलीं विधायक, श्रमिक मित्रों के स्थायीकरण और मानदेय भुगतान का आग्रह

रांची। श्रमायुक्त संजीव कुमार बेसरा से मंगलवार को स्थानीय श्रम भवन में विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह मिलीं। इस दौरान विधायक ने श्रमायुक्त से श्रमिक मित्रों के स्थायीकरण तथा मानदेय भुगतान सहित विभिन्न मांगों पर जल्द हल निकालने का आग्रह किया। साथ ही झारखंड भवन एवं संनिर्माण कल्याण बोर्ड का पिछले वर्ष से निबंधित निर्माण मजदूरों के लिए संचालित सभी प्रकार की सहायता योजनाओं को पुनः चालू करवाने की भी मांग की। विधायक ने झरिया अंचल क्षेत्र में बीते 18 जून से 9 जुलाई तक आयोजित शिविरों में निबंधन प्रक्रिया सर्वर स्लो होने की वजह से प्रभावित होने की शिकायत भी की। सभी बिंदुओं को सुनने के बाद श्रमायुक्त ने विधायक को जल्द से जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

छात्र चिकित्सकों के लिए अब राज हॉस्पिटल में शुरू हुआ सीसीटी ईएम कोर्स

रांची। राज हॉस्पिटल में सीसीटी ईएम कोर्स की शुरूआत की गयी है। पहले यह मास्टर्स इन इमरजेंसी मेडिसिन प्रोग्राम के नाम से जाना जाता था। बताते चलें कि राज हॉस्पिटल शहर में पिछले 32 वर्षों से श्रेष्ठ और उन्नत चिकित्सीय सुविधाएं प्रदान कर रहा है। अस्पताल को चिकित्सीय आपातकालीन स्थिति और गंभीर बीमारियों के इलाज का व्यापक अनुभव है।

बेहतर व्यवस्था को लेकर डीसी राहुल सिन्हा ने किया विचार-विमर्श

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को जून जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला के सफल आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में अनुमण्डल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, जिला नजार उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार, आवासीय दंडाधिकारी हटिया, स्मृति कुमारी, जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के प्रभारी अध्यक्ष, रणेन्द्र कुमार, सचिव मिथलेश कुमार सहित अन्य संबंधित सम्बंधित पदाधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में राहुल कुमार सिन्हा द्वारा जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला 2024 में व्यवस्था से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर मंदिर न्यास समिति के सदस्यों से विचार-विमर्श करते हुए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति को मेला से संबंधित निविदा को फाइनल करने का भी निर्देश दिया गया।

कोल इंडिया सहित 5 कंपनियों ने सरकार को 75,400 करोड़ का लाभांश दिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। वित्तीय वर्ष 2023- 24 में पांच उपक्रमों से भारत सरकार को 75,416.4 करोड़ रुपए का लाभांश मिला। यह वित्तीय वर्ष 23- 24 में सरकार को मिले कुल लाभांश का 80 फीसदी था। वेदांता समूह के मालिकाना हक वाली कंपनी हिन्दुस्तान जिंक ने सर्वाधिक 31898.7 करोड़ रुपए का लाभांश केन्द्र सरकार को दिया। हिन्दुस्तान जिंक में सरकार की 29.54 फीसदी हिस्सेदारी है। जबकि वेदांता की हिस्सेदारी 64.92 फीसदी है। इसके बाद कोल इंडिया लिमिटेड ने 14944.6 करोड़ रुपए का लाभांश सरकार को दिया है।

देखें लाभांश देने वाली टॉप 5 कपंनियां : हिन्दुस्तान जिंक- 31898.7 करोड़, कोल इंडिया- 14944.6 करोड़, ओएनजीसी - 14152.8 करोड़, पॉवरग्रिड- 10288.8 करोड़, इंडियन ऑयल - 4131.5 करोड़ रुपया का लभंश दिया है।

श्रमिक मित्रों के स्थायीकरण और मानदेय भुगतान के लिए पूर्णिमा नीरज सिंह ने श्रमायुक्त से मिली

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह मंगलवार को श्रम भवन, रांची में श्रमायुक्त संजीव कुमार बेसरा से भेंट की। इस दौरान श्रमिक मित्रों के स्थायीकरण तथा मानदेय भुगतान सहित विभिन्न मांगों पर जल्द हल निकालने की अपील की। झारखंड भवन एवं संनिर्माण कल्याण बोर्ड का पिछले वर्ष से निर्बंधित निर्माण मजदूरों के लिए संचालित सभी प्रकार की सहायता योजनाओं को पुनः चालू करवाने को कहा। झरिया अंचल क्षेत्र में 18 जून से 9 जुलाई तक आयोजित शिविरों में निबंधन प्रक्रिया सर्वर स्लो होने की वजह से प्रभावित होने की शिकायत भी की। सारे बिंदुओं को सुनने के बाद श्रमायुक्त ने विधायक को जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

कांग्रेस पार्टी के डीएनए में भ्रष्टाचार और तानाशाही : बाबूलाल मरांडी

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा कभी भी दुबारा कांग्रेस की तानाशाही नही लौटने देगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा ने आपातकाल दिवस के स्मरण में मंगलवार को काला दिवस मनाया। भाजपा के नेता, कार्यकर्ताओं ने काला बिला लगाकर इसे मनाया। प्रदेश के सभी 27 सांगठनिक जिलों में गोष्ठी आयोजित कर वक्ताओं ने आपातकाल की चर्चा की तथा देश की नई पीढ़ी को इसे जानने और समझने का आहवान किया। रांची महानगर में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुये भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आपातकाल पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के डीएनए में तानाशाही और भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर लोकतांत्रिक इतिहास में एक काला अध्याय जोड़ा है।

उन्होंने कहा कि आज लोकतंत्र बचाने, संविधान बचाने का ढोंग, नाटक करने वालों ने भारत से लोकतंत्र को ही समाप्त करने की

कोशिश की। ये वही कांग्रेस है जिसने अपने हित में बार बार संविधान में संशोधन किये। तानाशाही रवैया ऐसा कि केवल आपातकाल ही नही लगाया। बल्कि अपने शासन का दुरुपयोग करते हुये 100से ज्यादा बार चुनी हुई सरकारों को गिराकर राष्ट्रपति शासन लगाये। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी संविधान की बात करते हैं। उन्हें अपनी मनमोहन सरकार के कैबिनेट के निर्णय को चौराहे पर फाड़ने की बात याद रखनी चाहिये। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के द्वारा इंदिरा गांधी ने जनता के साथ क्रूरता की पराकाष्ठा की।

प्रेस तक की आजादी छीन ली। कांग्रेस के कुकृत्य के खिलाफ बोलने वालों को जेल में डाल दिया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर छटपटा रही है। अब सदन में प्रोटेम स्पीकर पर भी हंगामा कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता इनके इस चरित्र को समझ चुकी है। इसलिए राहुल गांधी सत्ता में कभी नहीं आ सकते। ये चोर चोर चिल्लाकर अपनी चोरी को छुपाना चाहते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि जिस प्रकार से कांग्रेस पार्टी और इंडी एलायंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दुष्प्रचार किया। हम सभी संगठित होकर कांग्रेस के झूठ फरेब को उजागर करें।

विचार गोष्ठी में आपातकाल के दौरान मीसा कानून के तहत जेल जाने वाले विधायक सीपी सिंह, पूर्व विधायक राम चंद्र नायक, भगवान प्रसाद, उमासंकर केडिया, प्रेम मित्तल, राजकुमार गुप्ता, प्रमोद मिश्रा, शिव गोविंद पांडेय, राधेश्याम अग्रवाल, यतींद्र लाल दास, जगन्नाथ महतो एवं भोला नाथ मिश्रा शामिल थे। आपातकाल में आंदोलन कर जेल जाने वाले आंदोलनकारियों को बाबूलाल मरांडी ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सीपी सिंह ने आपातकाल के दिनों की आपबीती बताई एवं कांग्रेस की बर्बरता को बखान किया। उन्होंने कहा की जो लोग कभी संविधान को खतरे में डाल दिया था, आज वही लोग संविधान लेकर आज घूम रहें है। उन्होंने ऐसे लोगों एवं पार्टियों से सावधान रहने की जरूरत बताई। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र वर्मा ने किया।

खबर एक नजर में

8 दिनों में जेनरिक मामले का समाधान नहीं होने पर बेमियादी तालाबंदी : जेसीएम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड छात्र मोर्चा रांची विश्वविद्यालय का एक प्रतिनिधि मंडल बुधवार को अमन कुमार तिवारी के नेतृत्व में सत्र 2017-20 तथा 2018-21 के छात्र-छात्राओं के जेनेरिक पेपर 2 के मामले को लेकर पुनः विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। झारखंड छात्र मोर्चा ने 7 जून को ही जेनेरिक पेपर 2 के मामले को लेकर परीक्षा आयोजन अथवा पुनः मूल्यांकन करने को ज्ञापन सौंपा था। इस पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति ने 7 दोनों का समय मांगा था, ताकि विश्वविद्यालय के वरीय पदाधिकारियों से बात कर उचित निर्णय लिया जाए। परंतु 15 दिन बीत जाने के बाद जब इस विषय पर कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया, तब झारखंड छात्र मोर्चा ने पुनः अपनी मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने को विश्वविद्यालय पहुंचा। ज्ञापन में 8 दिनों के भीतर इस विषय पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिए जाने की स्थिति में अनिश्चित तालाबंदी करने की छात्र हित में चेतावनी दी है। इसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा भुक्तभोगी छात्रों का डिटेल मांगी गई है।

गवर्नर से मिले इस्टर्न कमांड के लेफ्टिनेंट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से बुधवार को ले० जनरल राम चन्द्र तिवारी इस्टर्न कमांड ने राज भवन में भेंट की। उक्त अवसर पर ले० जनरल राजीव पूरी कॉर्प्स कमांडर, मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर वीएसएम और मेजर जनरल एम०पी० सिंह वाईएसएम भी उपस्थित थे।

राज्यपाल से मिले विवि के वीसी और कॉलेजों के प्राचार्य

रांची। राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा एवं नागेन्द्र नाथ मिश्रा, वरिष्ठ निदेशक (आई०टी०), एन०आई०सी० को राज भवन बुलाकर रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत अल्पसंख्यक महाविद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा उल्लेख किए गए समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की तथा आवश्यक समाधान का निर्देश दिया।

बीएमएस ने केंद्रीय कोयला मंत्री से की मुलाकात, इन मुद्दों पर की चर्चा

रांची। अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ (बीएमएस) का प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी से मंगलवार को कोयला मंत्रालय, दिल्ली में भेट की। इसका नेतृत्व संघ के प्रभारी के लक्ष्मा रेड्डी ने किया। केंद्रीय कोयला मंत्री का अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।
मौके पर कोल उद्योग की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। उसके निराकरण पर चर्चा की। संघ के मुताबिक कोयला मंत्री ने सभी विषयों को गंभीरता से लेकर जल्द ही उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन आज

रांची। दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का उद्घाटन समारोह आज सुबह 8:00 बजे नवीन पुलिस केंद्र रांची में किया जाएगा। तीन दिनों तक चलनेवाले इस खेलकूद प्रतियोगिता का समापन 29 जून को होगा। मुख्य अतिथि पुलिस उप-महानिरीक्षक, दछो क्षेत्र अनूप बिरथरे उपस्थित रहेंगें। विशिष्ट अतिथि के रूप में एसएसपी, रूरल एसपी, ट्रैफिक एसपी, सिटी एसपी, सभी डीएसपी, थाना प्रभारी एवं पांचों जिले के एसपी उपस्थित रहेंगें।

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ने पूर्व पीएम बीपी सिंह को याद किया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री बीपी सिंह की 93वीं जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि वे पिछड़ों के सबसे बड़े महानायक थे। अगड़ी जाति में पैदा होने के बाद भी जिन्होंने ओबीसी का अधिकार दिया। उन्होंने सामाजिक न्याय का काम किया है। ओबीसी को 27% आरक्षण दे कर करोड़ो ओबीसी समुदाय के जीवन में उजाला लाया है। उन्हें ओबीसी समुदाय हमेशा श्रद्धापूर्वक याद करता रहेगा।

कौन है बिहार का रामबालक यादव ! रांची के व्यवसायियो का दो करोड़ गबन कर है फरार

कुबेर सिंह

झारखंड सरकार में पदस्थापित पूर्व आइएएस का रिश्तेदार बता कर लिया झांसे में
झारखंड के बड़े व्यवसायी और बीजेपी के महिला नेत्री के पेट्रोल पंप को लगाया है चूना

रांची। रांची में खुद को झारखंड सरकार में पदस्थापित पूर्व आइएएस का रिश्तेदार बता कर रांची के छह से सात व्यवसायियों का लगभग दो करोड़ रूपये लेकर बिहार का एक नटवर लाल फरार हो गया है। उस नटवर लाल का नाम रामबालक यादव बताया जा रहा है। वह बिहार में रहता है। उसने रांची के पेट्रोल व्यवसायियों में पहले दस लाख और पांच लाख दिये, फिर 25 से 30 लाख का पेट्रोल डीजल भराकर फरार हो गया। अब पेट्रोल पंप के मालिक उसकी तलाश कर रहे हैं। पेट्रोल पंप के मालिकों ने पैसे वसूली के लिये अपने लोगों को उसके बिहार स्थित घर भी भेजा, लेकिन उसके परिवार उसे पहचानने से इनकार कर देते हैं। ऐसे में पीड़ित पेट्रोल पंप के मालिक अब राज्य पुलिस से शिकायत कर पैसे वापस करने की गुहार लगाने की योजना बना रहे हैं।

कैसे लगाया चूना : रांची के एक पेट्रोल पंप के मालिक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि रामबालक यादव जब उसके पेट्रोल पंप पर आया तो उसने खुद को झारखंड सरकार में पदस्थापित एक आइएएस का रिश्तेदार बताया। रिश्तेदार बता कर उसने पेट्रोल पंप के मालिकों को खुद को ईमानदार बताते हुए समय- समय पर पहले ही भुगतान कर दिया। फिर धीरे-धीरे उसने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया। पेट्रोल पंप के मालिकों से वह उधार में भी पेट्रोल- डीजल भरवाने लगा। इस तरह से उसने बूटी मोड़ रोड स्थित एक पेट्रोल पंप से 20 से 25 लाख का तेल भरवाया। इसके बाद वह लापता हो गया। जब उसकी तलाश की जाने लगी तो पता चला कि इडी घोटाले में फंसे एक व्यवसायी के पेट्रोल पंप से भी उसने लाखों रूपये का तेल भरवाया। वहां भी उसने एक ही मॉडस ऑपरेंडी अपनाया। इसके बाद भाजपा की एक महिला नेत्री के पेट्रोल पंप पर भी धावा बोला और वहां भी लाखों की उधारी तेल भरवा कर लापता हो गया।

झारखंड सचिवालय के रिक्त पदों पर तत्काल नियुक्ति करे सरकार : अजय सिंह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीपीआई राज्य कार्यकारणी सदस्य सह जिला मंत्री अजय सिंह ने बयान जारी कर कहा है कि सरकार झारखंड सचिवालय में रिक्त पड़े सभी पदों पर तत्काल नियुक्ति करे,आउटसोर्सिंग एवम संविदा पर सचिवालय जैसे जगहों पर नियुक्ति नहीं होनी चाहिए,क्योंकि झारखंड सरकार के सभी गोपनीय फाइल और राज्य केंद्र की गतिविधियां यही से संचालित होता है। संविदा कर्मी और आउटसोर्सिंग के द्वारा नियुक्त कर्मचारी सरकार के प्रति संवेदनशील नहीं रहते है। सचिवालय और मंत्रालय में कर्मियों के कमी रहने के कारण विकास का कार्य प्रभावित होता है।

झामुमो ने भाजपा पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

अयोध्या के राम मंदिर में पानी रिसाव पर झारखंड में सियासत गर्म

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में पानी रिसने के बाद इस पर सियासत तेज हो गयी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इसे भ्रष्टाचार से जोड़ते हुए भाजपा पर जुबानी हमला बोला है। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भप्ताचार्य ने कहा कि ये है भारतीय जनता पार्टी का भ्रष्टाचार को लेकर नायाब उदाहरण, जिन्होंने ईश्वर को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कहा कि पहली बारिश में ही न केवल

अयोध्या राम मंदिर गर्भगृह में पानी का रिसाव हुआ है, बल्कि रामपथ भी ढह गया है और स्टेशन की चहारदीवारी गिर गई है। सुप्रियो ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरह से राम मंदिर निर्माण के लिए जमीन खरीद के नाम पर लूट हुई और उसके बाद लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया वह जगजाहिर है। भाजपा के लिए भ्रष्टाचार भगवान से भी उपर है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आक्रामक हुई झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा को उनके शासनकाल को याद दिलाते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से जनता से माफी मांगने की अपील की है। जेएमएम कार्यालय में उन्होंने कहा कि बाबूलाल जी के शासनकाल में उनके गृह प्रखंड का पुल उदघाटन से पूर्व किस तरह से ढह गया था।

डीपीएस में पैन-इंडिया आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

रांची। झारखंड स्टेट लीगल सर्विसेस अथॉरिटी (झालसा) ने विद्यार्थियों के बीच कानूनी साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक व्यापक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के 50 स्कूलों के कक्षा आठवीं से बारहवीं के 200 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में छात्रों को संलग्न करने और भारत की न्यायिक और राजनीतिक प्रणालियों की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों की एक विविध श्रृंखला प्रदर्शित की गई।

मंत्री मांडवीया को संजय सेठ ने खेल महोत्सव का दिया न्योता

रांची में 20 सितंबर से तीन दिन चलेगा सांसद खेल महोत्सव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को दिल्ली में भारत सरकार के केंद्रीय श्रम एवं रोजगार एवं युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडवीया से मुलाकात कर आगामी 20, 21, 22 सितंबर को रांची में आयोजित होने वाले सांसद खेल महोत्सव के उदघाटन सत्र में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया। मालूम हो की 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा से रांची में भव्य सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया था। इसमें रांची लोकसभा के अंतर्गत 6 विधानसभा के लगभग 10 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया था। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की एक सोच गांव में

छिपी प्रतिभा जिसे अवसर नहीं मिल पाता है, जो पैसे के अभाव में या फिर खेल सुविधा नहीं होने के कारण अपनी प्रतिभा को सामने नहीं रख पाते हैं, वैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर प्रदान करना है। सांसद खेल महोत्सव का आयोजन झारखंड ओलंपिक संघ के देखरेख में आयोजित की जाती है।

राउंडटेबल इंडिया एवं लेडीज सर्कल ने बच्चों के सपनो को दी उड़ान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राउंडटेबल इंडिया एवं लेडीस सर्कल की समारीटंस शाखा ने पारसनाथ पब्लिक स्कूल के बारह बच्चों को पहली बार मंगलवार को हवाई जहाज से सफर कराया। यह सफर राँची से भुवनेश्वर तक करवाया गया। जिसके बाद उन्हें पूरी एवं भुवनेश्वर भ्रमण करवाया गया। एसडीएम उत्कर्ष कुमार ने कार्यक्रम को फ़्लैग ऑफ किया। उन्होंने कहा कि यह एक अनोखा प्रोजेक्ट है। इस कार्यक्रम में राउंडटेबल एवं लेडीस सर्कल के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे राहुल सिंघानिया, अनिरुध सरावगी एवं अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजधानी में अब घर बैठक आवश्यक सेवाएं होंगी उपलब्ध

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शहरी क्षेत्र के नागरिकों (ग्राहकों/उपभोक्ताओं) के लिए खुशखबरी है। अब घर बैठे लोग आवश्यक सेवाओं की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। कॉलिबेट डॉट कॉम कंपनी की ओर से लोगों को घर बैठे सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस संबंध में कॉलिबेट डॉट कॉम के निदेशक शंकर प्रेम झारखंड हेड संचालक/व्यवस्थापक एम एम आलम, ई अहमद ने मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए बताया कि प्लंबर, कारपेंटर, इलेक्ट्रीशियन, फैब्रिकेटर, गेट ग्रिल, वैल्डिंग मिस्त्री, राज मिस्त्री की सेवाएं घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आयुष्मान कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पैन कार्ड, वोटर कार्ड, बर्थ सर्टिफिकेट, मृत्यु सर्टिफिकेट, वृद्धा सर्टिफिकेट, प्रज्ञा केंद्र द्वारा दी जा रही सारी सुविधाएं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन के 9 वर्ष पूरे

9वें वर्षगांठ के अवसर पर सभी लाभुकों एवं हितधारकों को बधाइ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन के 25 जून को 9 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं । इन नौ वर्षों में राज्य के नगर निकायों के लाखों शहरी बेघरों के पक्के आवास का सपना पूर्ण हुआ है। गरीब लाभुकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव हुए हैं। विदित हो कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के चतुर्थ घटक लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निमार्ण के क्रियान्वयन में झारखण्ड राज्य अग्रणी राज्यों में से एक है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत भारत सरकार द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के तहत 2,10,002 आवासों के निर्माण की स्वीकृति दी गयी है। इसके तहत वर्तमान में 1,22,744 आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चूका है। शेष आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मार्च माह में केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत 1008 आवासों का उद्घाटन किया गया है। राज्य में विभिन्न अवसरों लाभुकों के नवनिर्मित आवासों का गृह प्रवेश कराया गया है। इसके लिए आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बिभिन्न अवसरों पर राज्य की प्रशंसा की गयी है। आवासों पर दिखेगा झारखंड की स्थानीय संस्कृति वहीं, घटक-4 बीएलसी के लाभुकों के आवासों पर झारखंड की स्थानीय संस्कृति को चित्रकला के माध्यम से दशार्या गया है। इससे स्थानीय कलाकारों एवं स्थानीय कला का प्रचार प्रसार हुआ है। साथ ही पुरे देश में झारखण्ड राज्य के इस प्रयास को सराहा गया और कई राज्यों द्वारा इसका अनुसरण भी किया गया है।

झारखण्ड को राष्ट्रीय स्तर पर मिले तीन पुरस्कार : भारत सरकार के निदेशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 9वें वर्षगांठ के अवसर पर राज्य के नगर निकायों में विभिन्न कार्यक्रम/गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इनमें लाभार्थी सम्मेलन, लाभुकों के जीवन में आए बदलाव की स्टोरी, फोटोग्राफ्स एवं विडियों का प्रचार-प्रसार, महिला लाभुकों का सम्मान, निर्मित आवासों में लाभुकों का गृह प्रवेश इत्यादि शामिल है। मालूम हो कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के विभिन्न घटकों के तहत राज्य को महिला सशक्तिकरण पहल के अंतर्गत योजना के तहत हजारों महिलाओं को घर का स्वामित्व, रानी मिस्त्री एवं निर्माण क्षेत्र में महिलाओं को कार्य का अवसर, समुदाय उन्मुख परियोजना के तहत कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों के लिए बेहतर आवासीय परियोजना उपलब्ध कराने एवं उक्त योजना का प्रभावी व व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार व जनजागरूकता के लिए झारखण्ड राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर तीन पुरस्कार दिया गया ।

नशा से होता है जन, जीवन और समाज प्रभावित : राजेश कुमार

रांची। संत जेवियर स्कूल डोरण्डा में नशा उन्मुलन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने मानव औषधियां और मनःप्रभावी पदार्थ-1985 के अधीन अफीम, गांजा, हिरोईन, ब्राउन शुगर का व्यापार करना तथा अफीम की खेती करने से संबंधित अपराध के बारे में जानकारी दी।

झारखंड में शुरू हुई कोयला गैसीकरण की देश की पहली पायलट परियोजना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोयला मंत्रालय के रणनीतिक निर्देशन के अतर्गत ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने झारखंड के जामताड़ा जिले के कास्ता कोयला ब्लॉक में भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) के लिए एक अभिनव पायलट परियोजना का शुभारंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य कोयला उद्योग में क्रांति लाना है। इसके लिए मूल स्थान पर कोयला गैसीकरण का उपयोग करके इसे मीथेन, हाइड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड जैसे गैसों में परिवर्तित करना है। इन गैसों का उपयोग सिंथेटिक प्राकृतिक गैस, ईंधन, उर्वरक, विस्फोटक और अन्य औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए रासायनिक फीडस्टॉक्स के उत्पादन के लिए किया जा सकता है। कोयला मंत्रालय कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। साथ ही, यह कोयले को विभिन्न उच्च मूल्य वाले

रासायनिक उत्पादों में परिवर्तित करते हुए इसकी क्षमता को पूर्ण रूप से उपयोग में लाता है। यह पायलट परियोजना कोल इंडिया और इसकी सहायक कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भारत को उन्नत कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकियों को अपनाने में अग्रणी के रूप में स्थापित करती है। दिसंबर, 2015 में कोयला मंत्रालय ने कोयला और लिग्नाइट युक्त क्षेत्रों में यूसीजी के लिए एक व्यापक नीतिगत प्रारूप को स्वीकृति दी थी। इस नीति के अनुरूप, कोल इंडिया ने भारतीय भू-खनन स्थितियों के अनुरूप यूसीजी प्रौद्योगिकी को लागू करने के लिए कस्ता कोयला ब्लॉक का चयन किया। ईसीएल द्वारा सीएमपीडीआई और कनाडा की एर्गो एक्सर्जी टेक्नोलॉजीज इंक (ईईटीआई) के सहयोग से यह परियोजना दो वर्ष तक संचालित की जाएगी। इसमें दो चरण शामिल हैं। 22 जून, 2024 को प्रारंभ हुए प्रथम चरण में बोरहोल ड्रिलिंग और कोर टेस्टिंग के माध्यम से तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करना शामिल है। दूसरे चरण में कोयला गैसीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सीआईएल आरएंडडी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित यह महत्वाकांक्षी आरएंडडी परियोजना, उप-कार्यान्वयन एजेंसियों के रूप में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड और एर्गो एक्सर्जी के बीच सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह प्रोजेक्ट कोयला संसाधन उपयोग में नए मानक स्थापित करने के उद्देश्य के साथ जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा इससे भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। कोयला मंत्रालय इस क्षेत्र में नवाचार और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, इससे राष्ट्र के लिए एक सुगम और पर्यावरणीय रूप से स्थायी ऊर्जा भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है।

स्पीड न्यूज

सालखन मुर्मू समेत अन्य पर आरोप गठित

रांची। एमपी,एमएलए कोर्ट के न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत ने सोमवार को सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोपी पूर्व सांसद सालखन मुर्मू समेत पांच आरोपियों पर आरोप तय किया गया। आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई के दौरान सालखन मुर्मू, थियोडर किरो, रितेश किरो, नील जस्टिन बेक एवं प्रदीप टोप्पो कोर्ट में मौजूद थे। सभी ने अपने आप को निर्दोष बताया। कहा आगे ट्रायल फेस करने को तैयार है। इसके बाद अदालत ने आरोपियों पर आरोप गठित किया।

हाईकोर्ट के वकीलों के लिए स्पेशल बस सेवा शुरू

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के वकीलों के लिए मंगलवार से स्पेशल बस सेवा शुरू की गयी है। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस ने हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के आग्रह पर रांची नगर निगम को वकीलों के लिए बस सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया था, ताकि दूर दराज से आकर हाईकोर्ट में प्रेक्टिस करने वाले वकीलों को यातायात की सुविधा मिल सके। उसके बाद रांची नगर निगम ने पुराने हाईकोर्ट से नये हाईकोर्ट के लिए तीन बसों की शुरूआत की है। पुराना हाईकोर्ट से रोजाना सुबह 9:00 बजे, 9:15 और 9:30 बजे से नया हाईकोर्ट के लिए खुलेगी। वहीं नये हाईकोर्ट से वापस आने के लिए शाम के 5:00 बजे, 5:15 बजे और 5:30 बजे बसें संचालित होंगी।

आज परिवर्तित मार्ग से चलेगी टाटानगर एक्सप्रेस

रांची। दक्षिण-पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल अंतर्गत विकास कार्य चलेगा। इस कारण रोलिंग ब्लॉक लिया जाएगा। इस कारण 26 और 30 जून को टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग चांडिल-पुरुलिया-कोटशिला-मुरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चांडिल-गुंडा बिहार-मुरी होकर चलेगी।

बालाजी मंदिर में कल्याणोत्सव की समीक्षा बैठक हुई

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर के 17 वें अद्वितीय वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव के समापन के बाद समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने की। भगवान के नगर भ्रमण से लेकर कल्याणोत्सव और इसके भंडारे तक के सारे कार्यक्रमों पर व्यापक चर्चा की गई। श्रीस्वामी जी ने कहा कि अगले वार्षिकोत्सव के बारे में अभी से सोचना शुरू कर दें। भगवान वेंकटेश सभी देवता के देव हैं इनके प्रसन्न होने से सभी देवता प्रसन्न हो जाते हैं ।

तीन दिन तक भारी बारिश की चेतावनी मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सूबे के लोग भीषण गर्मी झेल रहे हैं। भूगर्भ जल नीचे चला गया। चापाकल सूख गये। हर तरफ पानी को लेकर हाहाकार मचा है। गर्मी में लोग पसीने से लतफत हैं। लगातार बिजली की आंखमिचौली जारी है। ऐसे में बारिश की आस लगाये बैठे लोग एकबार फिर मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर भरोसा करते हुए खुश हैं कि अगले 24 घंटे के दौरान राज्य के कुछ जिलों में बारिश होगी और दो तीन दिनों के भीतर झारखंड के सभी जिलों में झमाझम बारिश होगी।

मौसम विभाग ने झारखंड में अगले 3 दिन भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। रांची स्थित मौसम केंद्र की ओर से इस संबंध में येलो अलर्ट जारी कर दिया गया है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी

करते हुए कहा है कि 26 जून, 28 जून और 29 जून तक झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में बारिश होगी। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि बुधवार यानी 26 जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है।

संताल परगना के 6 जिलों समेत 10 जिलों में होगी भारी बारिश : झारखंड के उत्तर-पूर्वी हिस्से में संताल परगना के 6 जिले (देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज) के साथ-साथ गिरिडीह और धनबाद जिले आते हैं। वहीं, दक्षिण-पूर्वी हिस्से में पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले आते हैं। इन सभी 10 जिलों में 26 जून को कहीं-कहीं भारी वर्षा की चेतावनी दी है।

29 को भी कई जिलों में होगी भारी वर्षा

भारी बारिश का यह दौर 29 जून को भी जारी रहेगा। इस दिन झारखंड के कम से कम 6 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कहा गया है कि झारखंड के उत्तर-पूर्वी तथा उससे सटे मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, राजधानी रांची के साथ-साथ कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग और धनबाद जिले में कुछ जगहों पर भारी वर्षा होगी।

8 से 12 किलोमीटर की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय स्थित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा की बुलेटिन के मुताबिक, 26 से 29 जून तक झारखंड में बादल छाए रहेंगे। 26 जून को 15 मिलीमीटर, 27 जून को 9 मिलीमीटर, 28 जून को 20 मिलीमीटर और 29 जून को 25 मिलीमीटर वर्षा हो सकती है। आज से 5 दिनों तक 8 से 12 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी।

28 जून को पलामू, गढ़वा समेत 6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी : मौसम विभाग ने कहा है कि 28 जून को झारखंड के उत्तर-पश्चिमी और मध्य भागों में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दिन पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, लोहरदगा और गुमला जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश होगी, ऐसा मौसम विभाग के पूर्वानुमान पदाधिकारी ने कहा है।

राजनेता या राजनीतिक पार्टियां यह तय नहीं कर सकता कि झारखंड के आदिवासियों का प्रतीक चिन्ह क्या होगा : पाहन संघ

रांची। झारखण्ड पाहन महासंघ ने छत्तीसगढ़ के राजनेता गणेश राम भगत के द्वारा एक कार्यक्रम के दौरान आदिवासियों के सफेद और लाल रंग के झंडे और उसकी पहचान को लेकर दिए गए विवादास्पद बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पाहन संघ परिवार ने इस बात पर आपत्ति जाहिर करते हुए कहा है कि कोई भी भगत राजनेता या राजनीतिक पार्टियां यह तय नहीं कर सकता कि झारखण्ड के आदिवासियों का प्रतीक चिन्ह क्या होगा और उसकी पहचान क्या होगी। ये छोटा नागपुर है और जिसके इतिहास को जानना अभी भी बाकी है। जहां 121 ई पूर्व के प्रारंभ से ही पाहन बैगा नाइके दिवरी मुंडा मानकी परंपरागत व्यवस्था चली आ रही है जो आज भी कायम है। इस राज्य में कुछ भी तय करने का अधिकार पाहनों को है। जिन्होंने इस परंपरा का निर्माण किया है और यहां के कर्मकांड पाहन बैगा नाइके दिवरी के अनुसरण में होता है। कोई भी आईरा गैरा यहां के धर्म संस्कृति सभ्यता और परंपरा पर हस्तक्षेप ना करें। गणेशाराम भगत अपनी राजनीति करें इससे हमें कोई आपत्ति नहीं है, मगर कोई अपनी राजनीति हित साधने के लिए हमारी पहचान और हमारी परंपरा पर सवाल या विवाद कर हमला करे ये पाहन महासंघ कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। गणेश राम भगत अपने इस प्रकार के ओछी राजनीति से बाज आए अन्यथा झारखण्ड पाहन महासंघ पूरे आदिवासी समाज के साथ इसके खिलाफ खड़ा उतरेगा। जिसका खामियाजा उन्हें और उनकी पार्टी को भुगतना पड़ेगा।

RESPECTFUL HOMAGE
On Twenty Sixth Death Anniversary
To
The Man of Courage and Conviction
Determination and Social Disposition

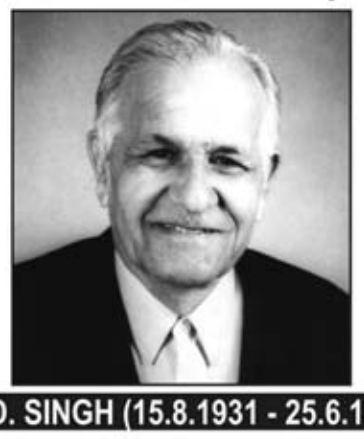

S. D. SINGH (15.8.1931 - 25.6.1998)
A BLOOD DONATION CAMP is organised on Tuesday, 25.6.2024 from 9.00 am to 4.00 pm at SDSM SCHOOL FOR EXCELLENCE, Sidhgora

15 जून से रांची में अतिरिक्त 600 होमगार्ड जवान ट्रैफिक व्यवस्था में लगाए जाने थे, जो कहीं दिख नहीं रहे : हाईकोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में लाचर ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार पर कई टिप्पणी की। कोर्ट ने मौखिक कहा कि सरकार की ओर से शपथ पत्र में कहा गया था कि 15 जून से रांची शहर में अतिरिक्त 600 होमगार्ड जवान ट्रैफिक व्यवस्था में लगाए जाएंगे। सरकार की ओर से आज कहा जा रहा है कि कुछ जगहों पर होमगार्ड के जवान ट्रैफिक व्यवस्था में लगा दिए गए हैं। कोर्ट ने इस बात पर आ>र्य जताया और कहा कि रांची शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में 600 ट्रैफिक पुलिस कर्मी लगे कहीं दिखाई नहीं पड़ रहे हैं, प्रतीत होता है कि वे अदृश्य हो गए हैं।

कोर्ट ने इस बात पर भी कड़ी नाराजगी जताई की मात्र 900 ई-रिक्शा को परमिट मिला है और शहर में साढ़े चार हजार से ज्यादा ई रिक्शा चल रहे हैं। कोर्ट ने मौखिक कहा कि रांची शहर में ट्रैफिक लाइट कई जगहों पर खराब है, ट्रैफिक जाम की अभी भी वही स्थिति है, ट्रैफिक पुलिस कर्मी कड़ी धूप में खड़े रहते हैं उनके लिए ट्रैफिक पोस्ट की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर रहने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर कोर्ट जब भी आदेश देता है तो आनन-फानन में दो-तीन दिनों तक ट्रैफिक कंट्रोल की पहल होती है लेकिन फिर एक सप्ताह के बाद स्थिति पुरानी जैसी हो जाती है।

कोर्ट ने कहा कि अब शपथ पत्र से काम नहीं चलेगा, शपथ पत्र में लिखी गई बातों को जमीन पर नहीं उतारा जाता है। शपथ पत्र में ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए कहीं बाते बेईमानी हो चुकी है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई गुरुवार को निर्धारित की है। बता दें कि पूर्व की सुनवाई में सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था की 15 जून के बाद रांची शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए 600 होमगार्ड लगाए जाएंगे। यह होमगार्ड के जवान पूर्व में ट्रैफिक व्यवस्था में लगे पुलिस कर्मियों के अतिरिक्त है।

जमीन घोटालेबाज शेखर कुशवाहा गया जेल

रांची। जमीन घोटाला के आरोप में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े मामले में गिरफ्तार गाड़ीगांव निवासी जमीन कारोबारी शेखर महतो उर्फ शेखर कुशवाहा को मंगलवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार भेज दिया गया। इससे पूर्व 10 दिनों की ईडी रिमांड पूरी होने के बाद ईडी ने आरोपी शेखर कुशवाहा को पीएमएलए कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में लेते हुए जेल भेज दिया गया। मामले में अब हेमंत सोरेन के साथ अगली पेशी 27 जून को अदालत में होगी। ईडी जमीन घोटाले को लेकर तीन बार में दस दिनों तक उससे पूछताछ की है। हालांकि ईडी के सामने वह पूरी तरह से मुंह नहीं खोला है। ईडी ने 12 जून को उक्त आरोप में गिरफ्तार किया था। 13 को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में लेते हुए बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार भेज दिया गया था। 16 जून को ईडी जेल से पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है।

इटकी से 1500 बोतल नशीला कफ सिरप के साथ तीन गिरफ्तार

रांची। नशीला कफ सिरप का अवैध धंधा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इटकी थाना क्षेत्र में निमार्णाधीन सरकारी अस्पताल भवन के लेबर शेड में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस की टीम ने 1500 बोतल नशे के रूप में उपयोग में आने वाले कफ सिरप बरामद किया है। वहीं पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल एसएसपी को सूचना मिली थी कि इटकी थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में एक गिरोह नशीला कफ सिरप का कारोबार कर रहा है और आसपास के युवकों को इसे बेच रहा है। पुलिस ने गिरोह पर नजर जमा कर रखा था। जिसके बाद पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की।

जिला दण्डाधिकारी-सह उपायुक्त का कार्यालय,गुमला
(जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग)

सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में गुमला जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) के अन्तर्गत केन्द्र प्रायोजित एवं राज्य संचालित योजनाओं यथा इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (IGNOAPS) इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (IGNWPS) इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना (IGNDPS) मुख्यमंत्री आदिम जन–जाति पेंशन योजना (MMAJJPY) मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना (MMRVSPY) मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना (MMSOAPS) स्वामी विवेकानन्द निःशक्त स्वावलम्बन प्रोत्साहन योजना (SVNSPY) का भौतिक सत्यापन दिनांक 19.06.2024 से 10.07.2024 तक किया जा रहा है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे सभी लाभुकों से अनुरोध है कि उक्त तिथि को ग्राम/पंचायत भवन में आधार एवं बैंक पासबूक की छायाप्रति के साथ उपस्थित होकर भौतिक सत्यापन अवश्य करावें, ताकि प्रतिमाह नियमित रूप से पेंशन राशि का भुगतान किया जा सके।

सहायक निदेशक,
सामाजिक सुरक्षा कोषांग,गुमला

PR 327613 Social Welfare,Women and Child Development(24-25).D

1000 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नशा कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 1000 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। जिन तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, उसमें शिशुपाल लोहरा, आरती देवी और करमी देवी शामिल है। इन सभी की गिरफ्तारी अरगोड़ा और विधानसभा इलाके से हुई है। इन लोगों के घर की तलाशी लेने पर ब्राउन शुगर की 1000 पुड़िया बरामद की गई। एसएसपी मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी।

गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई

एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा को सूचना मिली थी कि विधानसभा थाना क्षेत्र के नयासराय कल्लु मैदान के पास शिशुपाल लोहरा और उसके परिवार के लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते हैं। जिसके बाद छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने नया सराय स्थित शिशुपाल लोहरा के घर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देख दो महिलाएं और एक पुरुष भागने लगे. उन्हें पुलिस ने खदेड़कर पकड़ लिया।

सेल के निदेशक ने एमटीआई अकादमिक डैशबोर्ड का किया उद्घाटन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सेल ज्ञान उत्सव 2024 के दूसरे दिन एचआर- शिक्षण एवं विकास कॉन्क्लेव की शुरूआत मंगलवार को एलएंडडी में भविष्य के फोकस पर पैनल चर्चा के साथ हुई। इसमें ग्राहक बिक्री निदेशक (सॉफ्ट स्किल्स) सुमित रुद्र और मुख्य कार्यकारी, सिमुलानिस रमन तलवार ने शिक्षण और विकास में एआई, मेटावर्स आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर प्रस्तुतियां दीं। उद्योग विशेषज्ञों द्वारा स्टेट ऑफ द क्राफ्ट-एलएंडडी में सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक पैनल

चर्चा भी आयोजित की गई। भानु शर्मा (अध्यक्ष और वैश्विक प्रमुख, एचआर और आईटी, टेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड) और रवींद्र के सिंह (प्रमुख प्रशिक्षण (आरएम), एलएंडडी, एचआरएम, टाटा स्टील लिमिटेड) ने एलएंडडी में उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया। सेल के निदेशक (कार्मिक) केके सिंह ने एमटीआई अकादमिक डैशबोर्ड का उद्घाटन किया। नए सिरे से तैयार किए गए यूट्यूब चैनल लर्निंग@सेल को फिर से समर्पित किया।

एमटीआई की आंतरिक पत्रिका ग्रोथ के स्थापना दिवस विशेष संस्करण का अनावरण किया। सेल के निदेशक (कार्मिक) के साथ एलएंडडी को अगले स्तर पर ले जाने के तरीके पर एक ओपन हाउस बातचीत भी आयोजित की गई, जहां निदेशक ने एलएंडडी को और अधिक प्रभावशाली बनाने पर बहुमूल्य जानकारी साझा की। अंत में निदेशक (कार्मिक) ने एमटीआई के प्रमुख संजय धर की उपस्थिति में सभी पैनलिस्ट और वक्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मेलन का समापन एमटीआई के महाप्रबंधक प्रभारी (अकादमिक) अतनु मुखर्जी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। एमटीआई द्वारा अपने स्थापना दिवस समारोह में सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया। इसमें कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों, अनुबंध कर्मचारियों ने संगीत, नाटक, स्किट आदि में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

JHARKHAND STATE SPORTS PROMOTION SOCIETY
(A CCL- State Govt. of Jharkhand Joint Initiative)
C/o Mega Sports Complex, Khelgaon, Hotwar, Ranchi- 835217
Registration under Society Act No.519
Registration under GST No. 20AACAJ6436C1Z9
OUR MISSION- OLYMPIC GOLD, Contact no.: 0651 2543320

No:- CEO/LMC/JSSPS/24-25/255 Date:- 20/06/2024

निविदासूचना
Notice Inviting Tender
NIT 02 OF 2024-25

1. Tenders are invited on-line under two part system on the website https://jharkhandtenders.gov.in from the eligible bidders having Digital Signature Certificate (DSC) issued from any agency authorized by Controller of Certifying Authority (CCA), Govt. of India and which can be traced up to the chain of trust to the Root Certificate of CCA, for the following work:

Description of work	Location	Estimated Cost of Work (Including GST) (In Rs.)	Earnest Money (In Rs.)	Period of Completion (In Days)
AMC for Horticulture works at Mega Sports Complex, Hotwar, Ranchi for two years under JSSPS.	Mega Sports Complex,JSSPS, Khelgaon, Ranchi	3,98,15,489.78	4,97,700.00	730 days

The bid documents will be available on the website(s) https://jharkhandtenders.gov.in and www.centralcoalfields.in and can be downloaded by the bidder up to the bid download end date. There is no Application Fee.
(i). For Site visit of location of work, the prospective bidder(s) may contact Sri Vikas Kumar, Sr. Overseer(Civil), JSSPS, Mobile No.:-7004838366

Tender inviting authority	Contact Person(s)/Tender Dealing Officer(s)	
Member (Civil) LMC, JSSPS 8092466706	Sr. Overseer (Civil) LMC, JSSPS 7004838366	

2.Time Schedule of Tender:

Sl. No	Particulars	Date	Time
a.	Tender e-Publication date	28.06.2024	18.00 Hours
b.	Document download start date	29.06.2024	10.00 Hours
c.	Document download end date	15.07.2024	17.00 Hours
d.	Bid Submission start date	29.06.2024	10.00 Hours
e.	Bid submission end date	15.07.2024	17.00 Hours
f.	Start date for seeking Clarification on-line	29.06.2024	10.00 Hours
g.	Last date for seeking Clarification on-line	08.07.2024	17.00 Hours
h.	Date of Pre-bid meeting (if any)	NA	NA
i.	Technical Bid (Cover I) opening date	16.07.2024	17.00 Hours
j.	Price Bid (Cover II) opening date	To be notified later	----------

Sd/-
Member (Civil), LMC, JSSPS

PR 327578 Art Culture Sports and Youth Affairs(24-25).D

खबर मन्त्र

रांची.बुधवार . 26 जून 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

टूटते पुल टूटता विश्वास

एक सप्ताह के भीतर बिहार के मोतिहारी में रविवार को एक पुल गिरने की तीसरी घटना हुई। इससे पहले अररिया और सिवान में भ्रष्टाचार के पुल गिरे थे। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में डेढ़ करोड़ की लागत से बनने वाला जो पुल गिरा, उसकी एक दिन पहले ही ढलाई हुई थी। रात में पुल भरभरा कर गिर गया। यदि यह पुल यातायात खुलने के बाद गिरता तो न जाने कितनी जानें चली जातीं। आरोप है कि घटिया सामग्री के कारण पुल बनने से पहले गिर गया। शनिवार को सिवान में गंडक नहर पर बना तीस फीट लंबा पुल गिर गया, जो चार दशक पहले बना था। इसी तरह मंगलवार को अररिया में बारह करोड़ की लागत से बना पुल गिर गया था। पुल के तीन पाये ध्वस्त हो गए थे। बिहार में निर्माण कार्यों में धांधलियों का आलम यह है कि पिछले पांच सालों के दौरान दस पुल निर्माण के दौरान या निर्माण कार्य पूरा होते ही ध्वस्त हो गए। उल्लेखनीय है कि बीते साल जून में भागलपुर में गंगा नदी पर करीब पौने दो हजार करोड़ की लागत से बन रहे पुल के गिरने पर भारी शोर मचा था। लेकिन उसके बाद भी हालात नहीं बदले। पुलों के गिरने का सिलसिला यूं ही जारी है। जो बताता है कि नियम-कानून ताक पर रखकर बेखौफ घटिया सामग्री वाले सार्वजनिक निर्माण कार्य जारी हैं। जाहिर है ऊपर से नीचे तक की कमीशनखोरी और जनता की कीमत पर मोटा मुनाफा कमाने वाले ठेकेदारों की मनमानी जारी है। तभी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग बेखौफ किया जा रहा है। यदि शासन-प्रशासन का भय होता तो पुल यूं धड़ाधड़ न गिर रहे होते।आजादी के सात दशक बाद भी हम देश की विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता की निगरानी करने वाला तंत्र क्यों विकसित नहीं कर पाए?

नालंदा का पुनरुत्थान

नालंदा विवि भारत की ज्ञान परम्परा का एक बड़ा संस्थान रहा था। दूसरा तक्षशिला विश्वविद्यालय भी था जो अब पाकिस्तान (रावलपिंडी) के हिस्से में चला गया है। बहरहाल, इतिहास बताता है कि साल 1199 में इसे कुतुबुद्दीन ऐबक के सेनापति मोहम्मद बिन बख्तियार खिलजी ने आग लगवा दी थी। अब मोदी सरकार इसका पुनरुत्थान करने जा रही है। बिहार की राजधानी पटना से करीब 88 किलोमीटर दूर नालंदा जिले के राजगीर में स्थित इस विश्वविद्यालय में 24 कक्ष हैं जिनका पुनर्निर्माण किया गया है। देश की हर ऐसी विरासत का लौटना खुशी व गर्व का विषय है। इसलिये यह एक स्वागत योग्य कदम है। वैसे यह तो सच है कि नालंदा विवि के जलने से भारत की विशाल ज्ञान सम्पदा को बड़ा नुकसान हुआ था; और जैसा कि कहा जाता कि उनमें इतनी पुस्तकें थीं कि उसकी लाइब्रेरी कई माह तक जलती रही। दूसरी तरफ यह भी सच है कि इस सम्पदा के नुकसान को भारत ने जल्दी ही वापस पा लिया था। कालांतर में जो मुसलमान शासक आये, उन्होंने अरबी, फारसी के साथ उर्दू, रेख़्ता और हिन्दी साहित्य को बढ़ावा ही दिया। संस्कृत के साथ अनेक भाषाएं फलती-फूलती रहीं। अवधी, ब्रज जैसी कई लोकभाषाओं में कई रचनाएं लिखी गयीं और उनके जरिये भी ज्ञान गंगा सतत प्रवाहित होती रही। अमीर खुसरो से प्रारम्भ खड़ी बोली के बाद अंग्रेज जब आये तो वे अंग्रेजी के साथ पाश्चात्य देशों का ज्ञान लेते आये। उनके जरिये औद्योगिक, तकनीकी व व्यवसायिक विकास हुआ। उन्हीं के खोले गये स्कूलों व कॉलेजों-विश्वविद्यालयों में आधुनिक शिक्षा दी जाने लगी। आज नालंदा के पुर्नअभ्युदय से देश का नाम फिर से शिक्षा के जगत में पुर्नस्थापित होगा और देश का नाम होगा।

दुख का कारण

विचार-प्रवाह

अमीश

सत्य है समुदाय। दुख का कारण जुड़ा है इससे। ललक, लगाव और इच्छाओं का घेरा रहता है हमारे चारों ओर। यह एक अचेतन भावनात्मक और मानसिक अवस्था है। तीसरा सच है निरोध। यानी दुख समाप्त होने की संभावना। और चौथा सच है मार्ग यानी दुख से छुटकारा पाने की राह। दुख इस राह की ओर ले जाता है।

कोविड महामारी चीन के वुहान से शुरू हुई और अब इसने पूरी दुनिया के दिलोदिमाग को झकझोर दिया है। मौत, तबाही और आर्थिक अफरातफरी का आलम है। कंपनियां पस्तहाल हैं। 15 लाख से ज्यादा लोग जा चुके हैं इस दुनिया से। इससे कहीं ज्यादा लोगों को तकलीफ सहनी पड़ी है और तमाम लोग अब भी बीमार हैं। यह भयानक और दिल तोड़ने वाला मंजर है। इसका खात्मा भी हाल-फिलहाल होता नहीं दिख रहा। अधिकतर विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि महामारी का खात्मा हो जाने पर भी आने वाले कई सालों तक बने रहेंगे माली और दिमागी तौर पर लगे जख्मों के निशान।

तो ऐसे में क्या धर्म के सिद्धांतों और दुख की भूमिका का सहारा लेकर हम इस महामारी के असर से उभर सकते हैं? क्या इनके जरिए हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत और समझदार बन सकते हैं? या कहीं ऐसा तो नहीं है कि हममें से कई लोगों, खासतौर से अमीर तबके को ज्यादा दुश्वारियां नहीं झेलनी पड़ी हैं? लेकिन ये तो हुआ ही है कि हमें अपने घरों में सिमटे रहना पड़ा है। खाना-पानी के साथ एक तरह का कैदखाना। फेस मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग है तो बिजली, वाई-फाई, नेटफ्लिक्स और एमेजॉन प्राइम भी हैं।

कार्टून वर्ल्ड

लेटर टू एडिटर

राजनीतिक अपरिपक्वता

हाल ही के दिनों में देश के चुनावी अभियानों में राजनेताओं की अमर्यादित भाषा बेचैन करने वाली है। किसी भी सभ्य समाज में हर जिम्मेदार नागरिक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी वाणी और व्यवहार पर अंकुश रखेगा। नेताओं के शब्दों की अमर्यादा और अशालीनता आजादी के सात दशक बाद भी लोकतंत्र की अपरिपक्वता को ही दशार्ता है। **-पूनम जमशेदपुर**

सहयोग जरूरी

सामाजिक दृष्टि से जरूरी छोटी बचतों को संरक्षण लेख कोरोना कॉल में महत्वपूर्ण और सारगर्भित था। कोरोना संक्रमण की दूसरी पारी पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों और आमजन के सहयोग से ही विजय पायी जा सकती है। इस महामारी को मानवीय असावधानी का परिणाम भी कहा जा सकता है। अब मई मध्य तक लाखों पीड़ित होंगे, सभी सावधान रहें यह जरूरी है। **-अनिल कौशिक, रांची**

शिक्षा को ध्यान देने की जरूरत है

- गिरिश्वर मिश्र

शिक्षा के जमीनी हालात चिंताजनक हो रहे हैं और कोई उसका पुरसाहाल लेने वाला नहीं है। कागज-पत्र की कार्रवाई बेशक खास हो रही है। नैक है, एनआईआरएफ है, यूजीसी है और और भी बहुत कुछ है पर शिक्षा जगत में संसाधनों का घोर अकाल पड़ा है। उस स्थिति में ह्यआनलाइनह्ल एक बड़ा सहारा बन कर अवतरित हुआ है। अब प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और अनुसंधान सब काम इसकी बदौलत चल पड़ा है।

चुनावी घमासान में सबने एक स्वर से देश को आगे ले जाने की कसमें खाईं थीं किंतु शिक्षा की प्रासंगिकता तथा रोजगार के लिए शिक्षा के महत्व को लेकर लगभग सभी मौन ही धारण किए रहे। वे इसकी स्थिति से से संतुष्ट थे या फिर थक हार कर यह मान चुके हैं कि इस सिलसिले में कुछ भी मुमकिन नहीं है। मंहगाई, बेरोजगारी, आरक्षण की सख़्त जरूरत, पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते और भारतीय संविधान की सुरक्षा जैसे भारी भरकम मुद्दों के बीच शिक्षा और संस्कृति से जुड़े सवाल लगभग नदारद थे। घोषणा-पत्र, संकल्प-सूची और गारंटियों की काकली के बीच शिक्षा द्वारा मनुष्य के निर्माण और उसके संवर्धन और संरक्षण से जुड़े प्रश्न की कोई जगह नहीं थी। सभी नेता मौखिक रूप से देश को बचाने, बनाने, समता लाने तथा सबको सुखी बनाने के लिए तैयार थे। सभी नेता बढ़-चढ़ कर गरीबों को अनाज देने, मुफ़्त रुपये बाँटने और सभी तरह की भौतिक सुविधाएँ जुटाने की घोषणा करने और खटाखट खैरात बाँटने को तैयार थे, यह जान कर भी कि सरकार के पास कोई जादुई तिजोरी नहीं है कि फटाफट सब कुछ सब को मुहैया कर दिया जाये । वे यह भी नहीं सोच रहे थे कि सार्वजनिक मुफ़्तखोरी की लत का नुकसान सबको भुगतना पड़ेगा। आखिर अकर्मण्य बनाने में किसका भला होगा ? मनुष्य बनने लिए संस्कार की आवश्यकता पड़ती है। यही समझ कर शिक्षा की संस्थाएँ बनी। भारत इस तरह के प्रयास में अग्रगण्य था। यहाँ के नालंदा और तक्षशिला के बहु अनुशासनात्मक और समावेशी विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय संसार में कहीं न थे।

यह एक दुखद सत्य है कि स्वतंत्र भारत में चचाएँ होती रहीं, आयोग बनते रहे, शोध रपटें आती रहीं, योजनाओं का खाका भी बनता रहा, कुछ आधे-अधूरे कदम भी उठाए गए परंतु कभी भी शिक्षा की ओर समग्रता से तथा व्यावहारिक स्तर पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा सका था। इसके लिए ढुलमिल और टालू नजरिया ही अपनाया जाता रहा। मोदी सरकार के पहले दौर से ही वर्ष 2015 में शिक्षा में सुधार का वादा ही नहीं किया गया बल्कि बल्कि नई शिक्षा नीति का बनाने की कवायद भी शुरू की। सांकेतिक पहल के रूप में ह्यमानव संसाधन मंत्रालयह्ल का नाम ह्यशिक्षा मंत्रालयह्ल कर दिया गया था। दूसरे कार्यकाल में अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए सरकार ने 2020 में अंतरिक्ष विज्ञानी डा कस्तूरीरंगन की अगुआई में लम्बे सलाह-मशविरे के बाद नई शिक्षा नीति आई। सबको आशा बंधी कि शिक्षा में एक नया सबेरा आने वाला है । उसकी कुछ झलक भी मिली थी पर अभी भी लम्बी दूरी तय करना शेष है। अब 2024 में मोदी सरकार की 71 मंत्रियों की फौज के साथ तीसरी पारी सौदिनी एजेंडे के साथ शुरू हो चुकी है। शिक्षा के लिए उसमें क्या जगह है यह तो स्पष्ट रूप से पता नहीं पर पुराने शिक्षा मंत्री ही फिर से दायित्व सँभाल रहे हैं और विभाग का काम-धाम रूटीन में पहले जैसा ही चलता रहेगा ।

याद रहे कि शिक्षा नीति-2020 कक्षा तीन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की शिक्षा में ह्यआमूल-चूल परिवर्तनह्ल लाने की विशाल महत्वाकांक्षा के साथ आगे बढ़ी थी। इस नीति को लागू करने की योजना पर खंड-खंड में कुछ काम भी शुरू हुआ। कुछ समितियाँ बनीं, कुछ गोष्ठियाँ भी हुईं और साथ में अनेक स्तरों पर और विभिन्न समूहों के साथ विचार-विमर्श भी चलता रहा। नीति की आत्मा को समझ कर नियमों और व्यवस्थाओं में फेर-बदल भी हुए थे। कई परिवर्तन कुछ जगहों पर लागू हो चुके हैं। पर प्रगति देखते हुए यही लगता है कि रस्म अदायगी ही हो रही है। आधे-अधूरे ढंग से धीमी गति से इस पर काम चल रहा है। शिक्षा के संचालन में विकल्पों की व्यवस्था, रुख में लचीलापन, व्यवस्था की सहजता, स्थानीयता पर बल, पारिस्थितिकी की चिंता, संस्कृति के साथ जुड़ाव, कुशलता-निर्माण को महत्व, रोजगार की उन्मुखता और शिक्षा देने में मातृभाषा के अधिकाधिक उपयोग की बात लिखित और मौखिक रूप में बार-बार सरकारी तंत्र द्वारा दुहराई जाती रही है। ये संकल्प जितने आकर्षक हैं उनको लागू करना उतना ही कठिन है। परिणाम है कि पहले की तुलना में परिसरों में दुर्व्यवस्था बढ़ती जा रही है और अध्ययन, अध्यापन तथा शोध की गुणवत्ता में गीयवत दर्ज हो रही है। आज शिक्षा के ज्यादातर परिसर सिर्फ.प्रवेश लेकर परीक्षा करा रहे हैं और डिग्री देने में व्यस्त हैं। साल में दो बार प्रवेश की ताजी योजना शिक्षा संस्थाओं को और व्यस्त करने वाला होगा। शिक्षा का सम्पादन दिनों-दिन कमजोर होता जा रहा है। खास तौर पर स्कूली शिक्षा की स्थिति पूरे देश में खस्ता हाल हो रही है। नीति-हीनता की विपत्ति यह है कि शिक्षक-प्रशिक्षण की व्यवस्था क्या हो? उसका पाठ्यक्रम कैसा हो ? और कितने समय में उसे कैसे किया जाये? आदि प्रश्नों को लेकर कोई स्पष्ट और दृढ़ व्यवस्था नहीं हो पाई है और कि स्म-कि स्म के संशय बरकरार हैं।

शिक्षा के जमीनी हालात चिंताजनक हो रहे हैं और कोई उसका पुरसाहाल लेने वाला नहीं है। कागज-पत्र की कार्रवाई बेशक खास हो रही है। नैक है, एनआईआरएफ है, यूजीसी है और और भी बहुत कुछ है पर शिक्षा जगत में संसाधनों का घोर अकाल पड़ा है। उस स्थिति में ह्यआनलाइनह्ल एक बड़ा सहारा बन कर अवतरित हुआ है। अब प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और अनुसंधान सब काम इसकी बदौलत चल पड़ा है। गुरु-शिष्य संबंध और शिक्षा के साक्षात सजीव अनुभव अब इतिहास की बात होती जा रही है। नीट आदि हर तरह की परीक्षा में पेपर लीक होना, परीक्षा परिणाम में धांधली और मानकों को धता बताना आम बात हो रही है। प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक लगभग सभी संस्थाओं में अध्यापकों की कमी बनी हुई है। जहां नियुक्ति हो रही है वहाँ किस तरह की धांधली होती है यह बंगाल के उदाहरण से बखूबी से समझी जा सकती है जो पकड़ में आकर सार्वजनिक हो चुका है। प्राचार्य और कुलपति आदि उच्च पदों को लेकर भी नाना प्रकार के संशय की गहरी छाया बनी हुई है। आर्थिक अपराध, चारित्रिक विचलन, नियमों की अवहेलना और साहित्यिक चोरी जैसी दुर्घटनाएँ शैक्षिक परिसरों में तेजी बढ़ रही हैं। बहुत से कुलगुरुओं को पद से हटाना पड़ा और बहुत से आरोपित हैं।

खास बात

ग्रीन एनर्जी पर ध्यान

श्रेया जय

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने हरित ऊर्जा क्षेत्र में दस्तक देने का ऐलान किया। कंपनी की योजना अपनी 'नई ऊर्जा और नया मटिरियल्स' इकाई के तहत सौर ऊर्जा उत्पादन और विनिर्माण, हाइड्रोजन उत्पादन, ई-ईंधन तथा ऊर्जा भंडारण की है। इसके अलावा कंपनी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए एक प्लेटफॉर्म विकसित करेगी और इन क्षेत्रों में निवेश के लिए दीर्घावधि वैश्विक पूंजी जुटाएगी।

आरआईएल के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कंपनी की सालाना आम बैठक में कहा कि त्रिआयामी योजना के तहत अगले तीन साल में इन क्षेत्रों पर 75,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसके लिए जामनगर में 5,000 एकड़ में करीब 60,000 करोड़ रुपये की लागत धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स स्थापित किया जाएगा जबकि 15,000 करोड़ रुपये मूल्य शृंखला, साझेदारी और भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर निवेश किया जाएगा।

अंबानी ने कहा, 'इस तरह रिलायंस पूर्णतः एकीकृत एंड-टू-एंड अक्षय ऊर्जा पारिस्थितिकी विकसित करेगी।' कंपनी एकीकृत सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल के लिए 4 गीगा फैक्टरी, उन्नत ऊर्जा भंडारण, हरित हाइड्रोजन के लिए इलेक्ट्रोलाइजर फैक्टरी और हाइड्रोजन को ईंधन में बदलने के लिए ईंधन सेल फैक्टरी लगाएगी।

सौर विनिर्माण के लिए आरआईएल एकीकृत विनिर्माण इकाई लगाएगी, जिसमें कच्चा सिलिका और पॉलिज सिलिकन को ईंधन में, वेफर को तैयार उत्पाद सेल और मॉड्यूल में तब्दील करेगी।

यह भारत के सौर विनिर्माण योजना को व्यापक तौर पर बढ़ाएगा। हालांकि इसकी क्षमता कितनी होगी, उसका खुलासा कंपनी ने नहीं किया है। भारत अपनी जरूरत को 90 फीसदी सोलर सेल और मॉड्यूल का आयात करता है। इनमें से 80 फीसदी आयात चीन से किया जाता है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार देश में 3,100 मेगावॉट सेल विनिर्माण और 9,000 मेगावॉट के मॉड्यूल विनिर्माण की क्षमता है।

भारत में इमरजेंसी थोपकर, लोकतंत्र को बंधक बनाया। देश के नागरिकों के अधिकार छीन लिए। असंख्य नागरिकों को जेलों में भर दिया गया, उनके साथ बर्बरता की गई। देश 25 जून 1975 का वह काला दिन कभी भूल नहीं पाएगा। लोकतंत्र को बंधक बनाने वालों को देश कभी माफ नहीं करेगा।

- संजय सेठ, केन्द्रीय राज मंत्री

आपके ट्वीट

उच्च शिक्षा में अब परिवार की आर्थिक स्थिति बाधा नहीं बनेगी। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड द्वारा आसानी से 15 लाख तक शिक्षा ऋण मिलेगा।

-चंपईसोरेन, सीएम

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर, मैं उन सभी लोगों की सराहना करता हूं जो हमारे समाज से ड्रग्स के खतरे को खत्म करने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं।

- नरेन्द्र मोदी

मोदी अपने पूर्ववर्ती कार्ययोजना पर अडिग रहेंगे

सामयिक

18वीं लोकसभा के विशेष सत्र की शुरूआत होने के पहले मीडिया के समक्ष उद्बोधन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कुछ कहा, उससे साफ है कि वे अपने पूर्ववर्ती रवैये को बरकरार रखेंगे। विपक्ष को कोसने तथा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने जैसे सब्जबाग दिखाना वे बन्द नहीं करेंगे।

मोदी ने जो बातें राष्ट्र के सामने रखीं उनसे सर्वप्रथम तो उनका पराजय भाव ही नजर आया क्योंकि उनका 370 व 400 पार का नारा विफल रहा। अपने चुनावी प्रचार के दौरान मोदी व भाजपा के सारे स्टार प्रचारक अकेली भाजपा के बूते 370 तथा एनडीए की सम्मिलित शक्ति 400 सदस्यों से अधिक होने की बात कर रहे थे। ऐसा तो नहीं हुआ, भाजपा 240 पर सिमट गई और उसे तेलुगु देशम पार्टी व जनता दल यूनाइटेड के सहारे सरकार बनानी पड़ी है। इस निराशा के चलते मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत 25 जून, 1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल से की। भारतीय इतिहास की कटु व विषादपूर्ण घटनाओं को अपने राजनीतिक फायदे के लिये उछालने वाले मोदी इस कला के इसीलिये निष्णात माने जाते हैं कि वे उन्हें तोड़-मरोड़कर और सन्दर्भों से काटकर जनता के समक्ष परोसते हैं। इस सत्र की शुरूआत उन्हें सकारात्मक नोट से करनी चाहिये थी, लेकिन अपनी प्रवृत्ति के अनुरूप उन्होंने वही राह पकड़ी जिस पर वे पिछले दस वर्षों से चलते आये हैं।

मोदी की वाराणसी से तीसरी बार जीत में पहले दो के मुकाबले अंतर काफी घटा है। यहां तक कि मतदान के प्रथम दो-तीन चक्रों में वे पिछड़ भी चुके थे। अपने पिछले दो कार्यकालों में जिन मोदी ने बेहद निरंकुश तरीके से सरकार चलाई, उनका यह दावा था कि 'अब कभी भी कोई सरकार तानाशाही लागू करने की नहीं सोचेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि 'सांसदों से देश को बहुत अपेक्षाएं हैं अतः उन्हें जनहित व लोकसेवा के लिये इस अवसर का उपयोग करना चाहिये।' एक जिम्मेदार विपक्ष की जरूरत बतलाते हुए मोदी ने कहा कि 'लोग नारे नहीं सार्थकता चाहते हैं, व्यवधान नहीं बल्कि चर्चा और मेहनत चाहते हैं।' उन्होंने विपक्ष के सवाल पूछे जाने व नारेबाजी को 'ड्रामे' की संज्ञा दी, जो बतलाता है कि मोदी ऐसी संसद चाहते हैं जो उनसे प्रश्न न करे। मोदी उसी भाजपा से आते हैं जिसने लम्बे समय तक विपक्ष की भूमिका निभाई है।

हमेशा की तरह मोदी की कथनी और करनी का अंतर साफ दिखा कि स्वयं मोदी पिछली दो सरकारों में चचाओं से न केवल परहेज करते रहे हैं बल्कि सरकार से पूछे जाने वाले सवालों को अवरूद्ध करते रहे हैं। किसी भी विवादास्पद विषय पर उन्होंने न तो सिलसिलेवार जवाब दिये और न ही तथ्यात्मक जानकारी संसद के अंदर प्रस्तुत की। इतना ही नहीं, मणिपुर की घटना हो या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन अथवा इलेक्टोरल बॉंडस का मुद्दा, इनमें से किसी पर भी पर मोदी ने कभी संसद में विपक्ष के पूछे सवालों के जवाब नहीं दिये। उल्टे, इस बाबत हुई चचाओं में विपक्षी नेताओं के वक्तव्यों के बड़े हिस्सों को विलोपित किया गया था। अक्सर मोदी विरोधियों के सवालों के उत्तर सदन के बाहर रैलियों व अन्य मंचों से दिये जाने वाले भाषणों में देते रहे। इसलिये उनका प्रतिपक्ष को चर्चा का आह्वान अपने आप में किसी बड़े लतीफे से कम नहीं है। 50 वर्ष पुरानी इमरजेंसी की तो वे याद दिला रहे हैं लेकिन वे खुद पिछले दस साल अघोषित तानाशाह के रूप में कार्य करते रहे हैं।' खरगे के अनुसार 'मोदी की निरंकुशता के खिलाफ जनादेश है, फिर भी अगर वे प्रधानमंत्री बने हैं तो उन्हें काम करना चाहिये।' बहरहाल, नयी लोकसभा के पहले दिन ही मोदी ने जो भाषण दिया है वह स्पष्ट इंगित करता है।

एक नाटक कंपनी जिसने देश का 16 साल तक स्वस्थ मनोरंजन किया

सिनेमा

अजय कुमार शर्मा

आज के समय में यह विश्वास करना मुश्किल होगा कि कोई व्यक्ति अकेले एक ऐसी नाटक कंपनी चला रहा था जिसमें लगभग 100 लोगों का सवेतन स्टॉफ था और नाटक या उसके किसी शो के असफल होने पर भी सबके वेतन समय पर दिए जाते थे। इस कंपनी ने 16 साल तक पूरे देश के 130 छोटे- बड़े शहरों में घूम-घूम कर नाटकों के 2662 शो किए। शो का यह सिलसिला 1945 से 1960 तक चला।

हम बात कर रहे हैं पृथ्वीराज कपूर द्वारा निर्मित पृथ्वी थिएटर की। अपने समय के लोकप्रिय फिल्म अभिनेता पृथ्वीराज कपूर ने 16 जनवरी 1944 को पृथ्वी थिएटर की नींव अचानक ही रखी। हुआ यह कि पारसी थियेटर के मशहूर लेखक पंडित नारायण प्रसाद 'बेताब' जो कि उनके गहरे मित्र थे, उन्होंने शकुंतला नाम का एक नाटक हिंदुस्तानी भाषा में किसी के लिए लिखा था लेकिन अंत में उसने उसे लेने से मना कर दिया। बेताब जी को उस समय पैसों की सख्त जरूरत थी। ऐसे समय में दोस्त की मदद करने के लिए पृथ्वीराज जी ने वह नाटक उनसे 1001रुपये देकर खरीद लिया। जब नाटक पास आ गया तो फिर उसके मंचन की तैयारी शुरू हुई। इस तरह अभिनेता, अभिनेत्री, डांसर संगीतकार, गायक, मेकअप वाले, दर्जी, बढ़ई सब आ-आकर पृथ्वी थिएटर से जुड़ने लगे। पृथ्वी जी क्योंकि कभी किसी को माना नहीं कर पाते थे और बड़े रहम दिल थे तो उस समय जो आया वह पृथ्वी थिएटर का ही होकर रह गया। देखते-देखते पृथ्वीराज जी के पास 60 लोगों का एक बड़ा स्टॉफ हो गया। नाटक की रिहर्सल शुरू हो गई हालांकि अब तक नाटक की नायिका का कुछ अता-पता नहीं था। करीब 6 महीने बाद पृथ्वी जी इप्टा से जुड़े ख्वाजा अहमद अब्बास द्वारा निर्देशित नाटक जुबैदा देखने गए और इसकी नायिका उजरा मुमताज को अपने नाटक की हीरोइन शकुंतला का रोल दे आए। शकुंतला का पहला शो 9 मार्च 1945 को रॉयल ओपेरा हाऊस, बॉम्बे में हुआ। इस शो में पापाजी (पृथ्वीराज कपूर को सभी इसी नाम से पुकारते थे) को एक लाख रुपये का नुकसान हुआ। फिर भी पूरे स्टॉफ को वेतन दिया गया। पृथ्वी थिएटर का अगला नाटक दीवार था जिसका पहला शो 9 अगस्त 1945 को हुआ जो बेहद सफल रहा। इसके बाद नाटकों के प्रदर्शन के लिए देशभर के दौरे शुरू हुए। फिर तो इस काफिले में तरह-तरह के लोग जुड़ते गए कवि, लेखक, केवल देखने वाले यहां तक कि सजायाफ्ता मुजरिम भी। इस तरह पूरी कंपनी में 100 से ज्यादा लोगों का स्टॉफ हो गया। यह सभी तीसरे दर्जे में सफर करते थे। इसके लिए रेल की कई बोगियाँ बुक की जाती थीं। जिस शहर में शो होते वहां किराए पर घर लेकर पूरी टीम रहती। टीम में खानसामे और बर्तन से लेकर बच्चे तक शामिल होते। पूरा मजमा एक सर्कस की तरह होता था जिसमें रहना-खाना मुफ्त.. और तो और जो बच्चे छुट्टियों में टूर के साथ होते तो उन्हें भी एक रुपए महावार दिया जाता। नाटकों के शो से पहले अगर समय होता तो पूरी कंपनी को मुफ्त में आसपास के इलाकों में घूमाने भी ले जाया जाता था। शकुंतला और दीवार के बाद पृथ्वी थिएटर ने छह नाटकों, पठान (1947), गद्दार ((1948), आहुति (1949), कलाकार (1951), पैसा (1953) और किसान (1956) जोकि पृथ्वी थिएटर का अंतिम नाटक था, उसके पूरे देश में 2662 शो किए जो अपने आप में एक विश्व रिकार्ड है।

पृथ्वी थिएटर ने जहां नाटकों को पारसी थिएटर के प्रभाव से मुक्त किया वहीं इसको आम लोगों और उनकी परेशानियों से जोड़ा। उस समय देश में आजादी और बदलाव का दौर था। इसीलिए उनके नाटक आपसी भाईचारे, देशभक्ति, बदलाव, तरक्की और इंसानियत का पैगाम देने वाले थे।

इसके अभिनेताओं में स्वयं पृथ्वीराज कपूर, प्रेमनाथ, वी एम व्यास, कृष्ण धवन, सुरेश, सत्यनारायण, कमल कपूर, श्रीराम शास्त्री, राजकपूर, शम्मी कपूर, शशि कपूर, मंसाराम और विश्व मेहरा आदि थे। अभिनेत्रियों में उजरा बट, दमयंती साहनी, जोहरा सहगल, इंदुमती लेले, पुष्पा, हेमावती, कुमुदनी लेले आदि थीं। संगीत निर्देशक राम गांगुली, शंकर जयकिशन , लेखक रामानंद सागर, लालचंद बिस्मिल और शील जैसी नेक ऐसी प्रतिभाएं थीं जिन्होंने बाद में भी खूब नाम कमाया।

लेकिन थिएटर की कामयाबी और मशहूरी के बावजूद इसके संस्थापक-निर्देशक पृथ्वीराज जी को इसे लगातार चलाए रखना बहुत ही मुश्किल काम था।

स्पीड न्यूज

विस चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जायें झामुमो कार्यकर्ता : बेदिया

भुरकुंडा (रामगढ़)। सौदा बस्ती मदनाटांड़ में बूथ कमेटी गठन को लेकर सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता राम अवध प्रसाद एवं संचालन लालमोहन करमाली ने किया। बैठक में झामुमो के केंद्रीय सचिव सह झारखंड परिवहन प्राधिकार सदस्य संजीव कुमार बेदिया ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ होते हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो में सबों सभी वर्गों के हितों का ख्याल रखते हुए सभी को एक समान मान-सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जाएं कार्यकर्ता। श्री बेदिया ने कहा कि विधानसभा चुनाव में एनडीए को उखाड़ फेंकते हुए झारखंड में झामुमो पूर्ण बहुमत की सरकार बनायेगी।

नशे की लत घातक : डॉ. एके झा

भुरकुंडा (रामगढ़)। जुबिली कॉलेज में झारखंड सरकार एवं विनोबा भावे विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार एनएसएस ईकाई 1 और 2 के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को नशा उन्मूलन जागरूकता को लेकर सेमिनार हुआ। इसकी अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरूण कुमार सिंह झा एवं संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अर्जुन कुमार मिश्रा एवं कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. बी रविदास ने किया। प्राचार्य डॉ. एकेएस झा ने कहा हमसबो का यह दायित्व है कि आज के युवाओ को नशीले पदार्थो के सेवन से होनेवाले दुष्प्रभाव से सचेत करें। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को ही बर्बाद नहीं करता, बल्कि पूरे घर-परिवार को नर्क की ओर धकेलने का काम करता है। प्राचार्य श्री झा ने बच्चों को नशामुक्त समाज के लिए जागरूकता अभियान चलाने की बात कही।

नवनिर्माण मोर्चा का हस्ताक्षर अभियान

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा नवनिर्माण मोर्चा ने भुरकुंडा के समग्र विकास को लेकर मंगलवार को बिरसा चौक भुरकुंडा और रिभर साईड दुंदुआ में हस्ताक्षर अभियान चलाया। अभियान के दौरान मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि भुरकुंडा के समग्र विकास के लिए निर्णायक आंदोलन किया जाएगा। हस्ताक्षर अभियान के दौरान मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि भुरकुंडा के समग्र विकास के लिए निर्णायक आंदोलन किया जाएगा। हस्ताक्षर अभियान के उपरांत हजारों जनता का हस्ताक्षर युक्त पत्र उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को सौंपा जायेगा। शैलेश कुशवाहा के नेतृत्व में बिरसा चौक भुरकुंडा और रुस्तम कुमार के नेतृत्व में रिवर साइड दोतल्ला पंचायत दूंदूआ में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

आमनारी में वज्रपात से मवेशी की मौत

टाटीझरिया। टाटीझरिया प्रखंड के भराजो पंचायत अंतर्गत अमनारी गांव में व्रजपात से गुंजवा देवी पति दामोदर तुरी के मवेशी की मौत हो गयी। गुंजवा देवी ने बताया कि मवेशी को मचान में बांध कर रखे थे अचानक व्रजपात होने से मौत हो गया जिसका सूचना मुखिया प्रतिनिधि उपेंद्र पांडेय को दी। मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि मैं विभाग से मुवावजा दिलवाने का प्रयास करूंगा।

विनय ढांढानिया बने बेस्ट प्रसिडेंट

भुरकुंडा । जमशेदपुर के होटल द क्रूज में आयोजित रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 के 2023-24 के अवार्ड फंक्शन में रोटरी मंडल के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो एसपी बगड़िया द्वारा रोटरी रांची के अध्यक्ष विनय ढांढानिया को बेस्ट प्रेसिडेंट का अवार्ड प्रदान किया गया। क्लब सचिव ललित त्रिपाठी ने बताया कि वर्ष 2023-24 में रोटरी रांची को विभिन्न सेवा क्षेत्रों में कुल 29 अवार्ड प्राप्त हुए हैं, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। सम्मान समारोह में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 के झारखण्ड और बिहार के 112 क्लबों के रोटरी पदाधिकारी मौजूद रहे।

आनंद साईं दरबार में भंडारा आज

रामगढ़ । राधा कृष्ण कॉलोनी स्थित आनंद साईं दरबार के के 14 वें स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन मंगलवार को पूजा एवं हवन हुआ । पुजारी राजेश पांडे कि देखरेख में यजमान नंदकिशोर गुप्ता सपत्नीक एवं शैलेन्द्र ठाकुर सपत्नीक ने विधिवत रूप से पूजन एवं हवन सम्पन्न किया । साथ ही क्षेत्र की खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की । पूजा और हवन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया । आनंद साईं दरबार के स्थापना दिवस समारोह के तीसरे दिन 26 जून को मंदिर परिसर में भंडारा होगा। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे और महाप्रसाद ग्रहण करेंगे ।

स्वप्निल को आइआइटी में मिली सफलता

भुरकुंडा (रामगढ़) । ए ला एंग्लाइज सीनियर सेकेंडरी विद्यालय के 12वीं का छात्र स्वप्निल कुमार ने पहली बार में जेइई एडवांस परीक्षा में सफलता अर्जित माता-पिता व स्कूल का नाम रोशन किया है। स्वप्निल के पिता प्रयाग साहु विदेश में कार्यरत हैं। विद्यालय के प्राचार्य विजयंत कुमार ने बताया की स्वप्निल सत्र 2022-24 में 12वीं का छात्र था। जिन्होंने बिना किसी कोचिंग के जेइई एडवांस की परीक्षा में सफलता प्राप्त किया है।

चौपारण में रथयात्रा की तैयारी जोरों पर

खबर मंत्र संवाददाता

समाजसेवी हरिश्चन्द्र सिंह बने आयोजन समिति के अध्यक्ष

चौपारण। रथयात्रा की तैयारी जोरों पर है। आयोजकों ने रथ की मरम्मति शुरू किया। सियरकोनी में समाजसेवी हरिश्चन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें प्रखंड वार पदमा, बरही, चंदवारा, इटखोरी में प्रबुद्ध जनों संग बैठक कर आमजनों से यात्रा में शामिल होकर आयोजन को ऐतिहासिक बनाने का प्रयास करने पर निर्णय हुआ।

समाजसेवी हरिश्चन्द्र सिंह को आयोजन समिति का अध्यक्ष बनाया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि रथयात्रा भगवान की यात्रा है। आयोजन को हर साल करना है। इस बार ऐतिहासिक भीड़ होगी। बैठक में संजय सिंह, रामचंद्र सिंह, राकेश रंजन, राकेश पांडेय, सुमन सिंह, दयानंद केशरी, मुखिया बिनोद सिंह, प्रताप सिंह, रोहित जैन, कैलाश सिंह, अभिषेक सिंह, राजु सिंह, मुनेश्वर गुप्ता समेत अन्य मौजूद थे। पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी चौपारण प्रखंड में आगामी 7 जुलाई को जगन्नाथ रथ यात्रा निकालने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। रविवार को जगन्नाथ रथ यात्रा चौपारण समिति का बरही में आगमन हुआ। जिसके साथ सनातन प्रेमियों की बरही धनबाद रोड स्थित होटल हाइवे इन में एक बैठक हुई। बैठक में रथ यात्रा चौपारण समिति ने बरही प्रखंड के सभी सनातन प्रेमियों से रथ यात्रा में सहयोग की अपील की। जिसे लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के त्रिवेणी साव व सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र रजक की संयुक्त अध्यक्षता में जगरनाथ रथ यात्रा बरही कमिटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से गुरुदेव गुप्ता को अध्यक्ष बनाया गया। वहीं कमिटी में सामाजिक कार्यकर्ता रमेश ठाकुर, गुरुदेव गुप्ता, सुरेंद्र रजक, नंदकिशोर कुमार, राजकुमार केशरी, दयानंद चौरसिया, कैलाश ठाकुर, बलराम केशरी, डॉ संजय कुमार बर्नवाल, प्रदीप चंद्रवंशी, पिंटू केशरी, राहुल राणा, राजकुमार यादव, मोतीलाल चौधरी, सुनील दत्ता, सुजीत कुमार, पप्पू केशरी, नितेश कुमार, निरंजन केशरी, पप्पू राणा, शिवा निषाद, मुखिया संघ के अध्यक्ष विजय कुमार यादव, युगल यादव को दायित्व सौंपा गया। वही बरही प्रखंड के सभी 20 पंचायतों के लिए पंचायत संयोजक व सह संयोजक भी बनाया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि रथयात्रा चौपारण में 7 जुलाई को निकाला जाएगा। रथयात्रा को भव्यता प्रदान करने के लिए बरही प्रखंड के अधिक से अधिक लोग बढ़ चढ़कर भाग लेंगे और तन मन धन से सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। बैठक में चौपारण से संजय सिंह, राजदेव यादव, शशि शेखर, रामचंद्र सिंह, सुमन सिंह, राकेश पांडे, राकेश रंजन, विकास कुमार सिंह, दिलीप सिंह, बरही से भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, त्रिवेणी साव, सुरेंद्र रजक, विहिप जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, प्रो संजय बर्नवाल, डॉ सुनील दत्ता, बलराम केशरी, मुखिया मोतीलाल चौधरी, पप्पू केशरी, नंदकिशोर कुमार, राजकुमार यादव, पिंटू केशरी, प्रदीप चंद्रवंशी, इंद्रदेव यादव, सुजीत कुमार, रितेश गुप्ता, नितेश कुमार, राजकुमार केशरी, राहुल कुमार राणा, बिनोद केशरी, निरंजन केशरी आदि उपस्थित थे।

दनुआ घाटी में कई वाहनों में टक्कर, दो लोगों की मौत

चौपारण । दनुवा घाटी में मंगलवार दोपहर बड़ा हादसा हुआ। जिसमें गाड़ी संख्या आरजे 14 जी जीरो 5481, डब्लू बी 25 के 8573, आरजे 19 जीएफ 3634, यूपी 22 टी 8425, आरजे 01 जीबी 6223 के बीच हुए टक्कर में दो निर्दोष लोगों की जान चली गई। मिल रही जानकारी के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे दनुवा घाटी में हथिया बाबा के समीप एक ही दिशा में बिहार कि ओर जा रही तीन गाड़ियों में भयंकर टक्कर के पश्चात पलट गई। इसी बीच एक बाइक सवार और एक ट्रक का चालक गाड़ी को रोक कर घायलों को देखने के लिए रुका। पर दुर्भाग्यवश पीछे से तेजी से आ रहा एक ट्रेलर ने आगे चल रही ट्रेलर को पीछे से जोरदार धक्का मार कर बाइक सवार और नीचे खड़े चालक को अपने चपेट में ले लिया।

जिससे बाइक सवार जसविंदर सिंह पिता हरभजन सिंह सोनापटी राधा कॉम्प्लेक्स ,झुमरीतिलैया और नीचे खड़े ट्रक चालक छोटू राम गुर्जर पिता रघुनाथ ,बिड़काचियावास अजमेर,राजस्थान का मौके पर ही मौत हो गया। जानकारी के मुताबिक बाइक सवार खालसा होटल , दनुवा का संचालक था जो तिलैया से अपना होटल जा रहा था। वहीं दुर्घटना में 2 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिसे आपदा एंबुलेंस चालक शक्ति कुमार,एनएचएआई एंबुलेंस सहयोगी प्रकाश रजक,चालक उपेंद्र कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान विजय यादव तिलैया,हरिनाथ प्रजापति यूपी, कंटेन्टर चालक यूपी के रूप में हुई। लोगों का माने तो डीजल चोरी करने के ख्याल से अधिकांश चालक घाटी में 7 किमी तक डाउन मार देते हैं,इसी के दौरान इनका अचानक ब्रेक फेल हो जाता है और दुर्घटना का शिकार हो जाते है।

अडाणी समूह ने हजारीबाग में लगाया रक्तदान शिविर

हजारीबाग। अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी के 62वें जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अडाणी फाउंडेशन ने रक्तदान शिविर लगाया। शिविर में अधिकारियों, कर्मियों और ग्रामीणों ने उत्साह से भाग लिया और 41 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। चिकित्सा कर्मियों ने बताया कि कई लोग रक्तदान करने से कतराते हैं, जबकि इससे कोई हानि नहीं होती, बल्कि कई प्रकार के लाभ होते हैं। मौके पर डॉक्टरों ने कहा कि यह पुण्य का काम है और एक स्वस्थ व्यक्ति को हमेशा रक्तदान करते रहना चाहिए। इसके साथ ही रक्तदान करने से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित रहता है। सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गोंदुलपारा खनन परियोजना प्रमुख संजय कुमार, डीजीएम कुमार विवेक, एसके सिंह,पुंडरीक मिश्रा,एचआर आशीष कुमार,एडमिन प्रबंधक भीखम सिंह,राहुल राज समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बिजली कटौती से लोग परेशान

बरही। क्षेत्र में इन दिनों बिजली की समस्या गहराती जा रही है। लोगों को भीषण गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल है और रात की नींद हराम है। वहीं अघोषित बिजली कटौती ने लोगों की समस्याओं को और भी बढ़ा दिया है। बरही में कुछ दिन से ऐसी कटौती हो रही है कि दिन में न सुकून मिल रहा है और न ही रात में सही से नींद आ रही है। वहीं पसीने से तर बतर होने के साथ ही लोग जागकर रात गुजारने को विवश हो रहे हैं। वहीं जिम्मेदार सब कुछ जानकर चुप्पी साधे हुए हैं।

बरही अनुमंडल अस्पताल में फिर पोस्टमार्टम शुरू

बरही। अनुमंडलअस्पताल बरही में पोस्टमार्टम भवन बनकर पिछले कई माह से पड़ा था। मंगलवार को अनुमंडल चिकित्सीय उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि मंगलवार को चौपारण थाना क्षेत्र के चोरदाहा में हुई सड़क दुर्घटना में दो मौत हुई, दोनों शव का पोस्टमार्टम शुरू कर दिया गया। अनुमंडल अस्पताल में पोस्टमार्टम नहीं होने से अनुमंडल के विभिन्न थाना क्षेत्र के लोगों को पोस्टमार्टम कराने के लिए कम से कम 90 से 100 किमी की दूरी तय कर हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज का चक्कर काटना पड़ता था। खासकर सड़क दुर्घटना, अस्वाभाविक मौत व अन्य कारणों से किसी गरीब परिवार की मौत हो जाए तो वह अपने स्वजनों के निधन से परेशान रहते थे। डॉ ज्ञानी ने बताया कि स्थानीय लोगों की परेशानी को देखते हुए सहयोगी चिकित्सक को प्रशिक्षण दिलाने के बाद यह निर्णय लिया गया कि अब पोस्टमार्टम हाउस की शुरूआत सम्भव है, तब जाकर इसकी शुरूआत हो पाई है।

नशा रोकने के लिए जागरूकता जरूरी : शैलेश कुमार

खबर मंत्र संवाददाता

बरही। बरही थाना और आईलेक्स पब्लिक स्कूल के द्वारा संयुक्त रूप से 26 जून को अंतराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए आईलेक्स पब्लिक स्कूल के निदेशक शैलेश कुमार ने बताया कि आजकल समाज में नशा का चलन काफी बढ़ गया है। आज के युवा भी शराब, बीड़ी, सिगरेट, पान मसाला, गुटखा, पान, खैनी जैसे नशे के गिरफ्त में फँसते हीं जा रहे हैं। इसी के तहत आईलेक्स पब्लिक स्कूल के द्वारा कल एक जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। यह अभियान आईलेक्स के सभी ब्रांच, पंचमाधव, गोरिया करमा, बड़कागांव, गाड़िकला, बरकठा, पाण्डेबारा में एक साथ चलाया जायेगा। इस जागरूकता अभियान की तैयारी में सभी शिक्षक और बच्चे कई दिनों से लगे हुए हैं। वहीं बरही थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार ने कहा कि आज के बदलते परिवेश को देखते हुए यह अतिआवश्यक है कि समय-समय पर इस तरह के जागरूकता

अभियान चलाया जाए। वरीय पदाधिकारियों का निर्देश है कि मादक पदार्थ के दुरुपयोग को रोकने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाना है। इसी निमित यह अभियान चलाया जा रहा है। विद्यालय के निदेशक शैलेश कुमार ने कहा कि शिक्षक होने के नाते हमारा यह मौलिक कर्तव्य है कि हम समाज में बढ़ते नशे के लत को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाएं और इसके लिए पहले लोगों को जागरूक करना अति आवश्यक है।

आरएनवाईएम कॉलेज बरही में जागरूकता अभियान

बरही। मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने हेतु रामनारायण यादव मेमोरियल कॉलेज बरही द्वारा एक जागरूकता अभियान के तहत महाविद्यालय में कार्यक्रम एनएसएस एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में कराया गया। मंच संचालन एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. अरुणा रानी के द्वारा कराया गया। कार्यक्रम के रामनारायण यादव मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य डॉ विमल किशोर मौजूद थे। राष्ट्रीय कैडेट कोर के अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ अजय कुमार रंजन ने शपथ दिलाया गया।प्राचार्य डॉ विमल किशोर ने मादक पदार्थ से विद्यार्थियों को दूर रहने की सलाह दी। साथ ही अपने मित्रों और आस पास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया की कैसे नशा आपका भविष्य खराब कर रहा है। नशा से सामाजिक आर्थिक हर तरह का नुकसान है। नशे के कुचक्र से निकलना बहुत जरुरी है, तभी हम सुंदर समाज की परिकल्पना कर सकते है और इसके लिए हर वर्ग की सहभागिता जरुरी है, तब ही इसे दूर किया जा सकता है। डॉ संजय बरनवाल ने कहा कि युवाओं को मादक पदार्थों से दूर रहने के लिए जागरूक करना होगा। मादक पदार्थों की चपेट में आने से सिर्फ सेहत ही नहीं खराब होती, बल्कि उनका भविष्य, समाज और देश का भविष्य भी इससे प्रभावित होता है।

प्रपत्र VI 'क'
समाहर्त्ता या समुचित सरकार
उपायुक्त का कार्यालय, चतरा (भू-अर्जन शाखा)

प्रारंभिक अधिसूचना (अधिनियम–30/2013 की धारा–11(1) के अधीन)

ज्ञापांक:–653/भू0अ0 **दिनांक:–19.06.2024**

चूंकि समाहर्त्ता, चतरा को यह प्रतीत होता है कि ग्राम– मुरवे, थाना नं0– 145 थाना– सिमरिया, अंचल– सिमरिया, जिला– चतरा में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना कठौतिया–शिवपुर न्यू बी0 जी0 रेलवे लाईन हेतु अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रुप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम– मुरवे, थाना– सिमरिया, थाना नं0– 145, अंचल– सिमरिया, जिला– चतरा में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश 3.85 एकड़ यानि 1.55807 हेक्टेयर मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है,

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा संरचना उ0	द0	पू0	प0
1	35	232	रैयती	टांड II	0.28	बहोरी सिंह पिता–स्व0 भागवत सिंह	प्लॉट सं0 233	प्लॉट सं0 231	नीज	प्लॉट सं0 232
2	26	233	रैयती	टांड II	0.05	अवधेश प्रसाद सिंह वो राजकुमार सिंह वो जयचन्द प्रसाद सिंह वो गौतम प्रसाद सिंह, जालेश्वर प्रसाद सिंह पिता–स्व0 रूदो सिंह उर्फ रूद्रनारायण सिंह	प्लॉट सं0 233	प्लॉट सं0 232	प्लॉट सं0 240	प्लॉट सं0 233
3	26	233	रैयती	टांड II	0.05	ब्रजेश सिंह वगैरह पिता–स्व0 कामेश्वर सिंह	प्लॉट सं0 233	प्लॉट सं0 232	प्लॉट सं0 240	प्लॉट सं0 233
4	25	741	रैयती	टांड II	0.02	ब्रजेश सिंह वगैरह पिता–स्व0 कामेश्वर सिंह	प्लॉट सं0 738	प्लॉट सं0 742	प्लॉट सं0 741 का शेष	प्लॉट सं0 741 का शेष
5	26	757	रैयती	टांड II	0.02	अवधेश प्रसाद सिंह वो राजकुमार सिंह वो जयचन्द प्रसाद सिंह वो गौतम प्रसाद सिंह, जालेश्वर प्रसाद सिंह पिता–स्व0 रूदो सिंह उर्फ रूद्रनारायण सिंह	प्लॉट सं0 745	प्लॉट सं0 756	रास्ता	प्लॉट सं0 757 का शेष
6	25	741	रैयती	टांड II	0.02	अवधेश प्रसाद सिंह वो राजकुमार सिंह वो जयचन्द प्रसाद सिंह वो गौतम प्रसाद सिंह, जालेश्वर प्रसाद सिंह पिता–स्व0 रूदो सिंह उर्फ रूद्रनारायण सिंह	प्लॉट सं0 738	प्लॉट सं0 742	प्लॉट सं0 741 का शेष	प्लॉट सं0 741
7	26	757	रैयती	टांड II	0.02	ब्रजेश सिंह वगैरह पिता–स्व0 कामेश्वर सिंह एवं अन्य।	प्लॉट सं0 745	प्लॉट सं0 756	प्लॉट सं0 755	प्लॉट सं0 757 का शेष
8	31	899	रैयती	टांड II	0.04	बहोरी सिंह पिता–स्व0 भागवत सिंह	प्लॉट सं0 901	प्लॉट सं0 992	प्लॉट सं0 907	प्लॉट सं0 899
9	21	914	रैयती	टांड II	0.01	बिन्ती देवी पति–स्व0 प्रेम सागर सिंह, प्रतिमा देवी पति–उगदेव सिंह	प्लॉट सं0 912	प्लॉट सं0 913	प्लॉट सं0 914	प्लॉट सं0 813
10	31	992	रैयती	धान I	0.30	बहोरी सिंह पिता–स्व0 भागवत सिंह	प्लॉट सं0 908	प्लॉट सं0 990	प्लॉट सं0 913	प्लॉट सं0 898
11	31	992	रैयती	धान I	0.30	मानी देवी पति–स्व0 लाखो सिंह	प्लॉट सं0 908	प्लॉट सं0 990	प्लॉट सं0 913	प्लॉट सं0 898
12	31	994	रैयती	धान I	0.04	सितवा देवी उर्फ सिता देवी पति–स्व0 दुखी महतो	प्लॉट सं0 994	प्लॉट सं0 995	प्लॉट सं0 989	प्लॉट सं0 237
13	39	1019	रैयती	धान I	0.10	बहोरी सिंह पिता–स्व0 भागवत सिंह	प्लॉट सं0 1035	प्लॉट सं0 1020	प्लॉट सं0 1035	प्लॉट सं0 1019
14	33	1004	रैयती	टांड II	0.02	कौलेश्वरी उरांव वगैरह पिता–स्व0 रामधनी उरांव एवं अन्य।	प्लॉट सं0 1003	प्लॉट सं0 1009	प्लॉट सं0 1004 का शेष	प्लॉट सं0 1009
15	33	1025	रैयती	टांड II	0.59	कौलेश्वरी उरांव वगैरह पिता–स्व0 रामधनी उरांव एवं अन्य।	प्लॉट सं0 1024	प्लॉट सं0 1026	प्लॉट सं0 1025	प्लॉट सं0 1025
16	05	1026	रैयती	टांड II	0.05	कौलेश्वरी उरांव वगैरह पिता–स्व0 रामधनी उरांव एवं अन्य।	प्लॉट सं0 1025	प्लॉट सं0 1030	प्लॉट सं0 1026	प्लॉट सं0 1027
17	05	1016	रैयती	टांड II	0.01	कामख्या सिंह वगैरह पिता–स्व0 बनवारी सिंह	प्लॉट सं0 1014	प्लॉट सं0 1017	प्लॉट सं0 1014	प्लॉट सं0 1016
18	21	1031	रैयती	टांड II	0.12	विगन महतो वो धरम महतो वो शिया महतो पिता–स्व0 चुल्हन महतो वो जदु महतो वो आतो महतो वो इन्दर महतो वो नागेश्वर महतो पिता–स्व0 झमन महतो वो रिना देवी पति–स्व0 दशरथ महतो	प्लॉट सं0 1032	प्लॉट सं0 1031	प्लॉट सं0 1031	प्लॉट सं0 1030
19	08	1035	रैयती	टांड I	0.10	जमुनी देवी पति–बालेश्वर साव, ग्राम–सोहर कला, टोला डेला बागी।	प्लॉट सं0 1013	प्लॉट सं0 1019	प्लॉट सं0 1035	प्लॉट सं0 1019
20	08	1035	रैयती	टांड I	0.10	सीता देवी पति–कामेश्वर साव	प्लॉट सं0 1013	प्लॉट सं0 1019	प्लॉट सं0 1035	प्लॉट सं0 1019
21	08	1035	रैयती	टांड I	0.10	मुकेश कुमार पिता–भुगन रविदास	प्लॉट सं0 1013	प्लॉट सं0 1019	प्लॉट सं0 1035	प्लॉट सं0 1019
22	08	1035	रैयती	टांड I	0.435	जदु महतो वो आतो महतो वो इन्दर महतो वो नागेश्वर महतो पिता–स्व0 झमन महतो वो मसोमात रिना देवी पति–स्व0 दशरथ महतो, ग्राम–डाड़ी	प्लॉट सं0 1013	प्लॉट सं0 1019	प्लॉट सं0 1035	प्लॉट सं0 1019
23	08	1035	रैयती	टांड I	0.5375	धनी महतो पिता–स्व0 अन्दी महतो, ग्राम–डाड़ी	प्लॉट सं0 1013	प्लॉट सं0 1019	प्लॉट सं0 1035	प्लॉट सं0 1019
24	08	1035	रैयती	टांड I	0.5375	प्रयाग महतो वो रितलाल महतो वो अनिल कुमार पिता–चिम्मामन महतो, ग्राम–डाड़ी।	प्लॉट सं0 1013	प्लॉट सं0 1019	प्लॉट सं0 1035	प्लॉट सं0 1019
			Total		3.85					

संरचना का विवरण

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	संरचना	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा संरचना उ0	द0	पू0	प0
25	35	737	रैयती	मकान मिट्टी 20' X 38'	नेपुर देवी पति–दीना सिंह	–	–	–	–
26	18	935	रैयती	मकान ईंट एस्बेस्टस सीट 22.5' X 22.5' शौचालय चौ0 X लं0 4' X 5' X 7' एस्बेस्टस सीट	शैलेन्द्र कुमार सिंह पिता–राजकुमार सिंह	–	–	–	–
27	08	1009	रैयती	मकान लं0 X चौ0 14' X 7' X 8' बाउड्री 75' लं0 उं0 8' चौ0 10" 64' 11' उ0 पानी का हौज 7.5' X 9.5' X 5'	मसो0 निमीया देवी पति–स्व0 किसुन साव वो छक्कन साव पिता–स्व0 फकिर साव वो खिरू साव पिता–स्व0 फकिर साव	–	–	–	–

वृक्ष का विवरण

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	वृक्ष	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा संरचना उ0	द0	पू0	प0
28	31	994	रैयती	करंज पेड़ 01	सितवा देवी उर्फ सिता देवी पति–स्व0 दुखी महतो	–	–	–	–
29	33	1004	रैयती	बर पेड़ 01	कौलेश्वरी उरांव वगैरह पिता–स्व0 रामधनी उरांव एवं अन्य	–	–	–	–
30	05	1026	रैयती	पीपल पेड़ 01 आम पेड़ 01 सखुआ पेड़ 01 महुआ पेड़ 01	कौलेश्वरी उरांव वगैरह पिता–स्व0 रामधनी उरांव एवं अन्य	–	–	–	–
31	08	1035	रैयती	बर पेड़ 01	नागेश्वर महतो पिता–स्व0 झमन महतो	–	–	–	–
32	18	935	रैयती	महुआ 01 आम 01 बैर 02	शैलेन्द्र कुमार सिंह पिता–राजकुमार सिंह	–	–	–	–
33	4	1022	रैयती	महुआ 01	महेश उरांव पिता–स्व0 इन्दरू उरांव	–	–	–	–
34	48	1024	रैयती	बर पेड़ 02 महुआ 01	अशोक उरांव पिता–स्व0 रामचन्दर उरांव	–	–	–	–
35	03	234	रैयती	महुआ 01	बुटा उरांव वगै0 पिता–स्व0 मालो गोप	–	–	–	–
36	35	1011	रैयती	महुआ 03	बहोरी सिंह पिता–स्व0 भागवत सिंह	–	–	–	–

बोरिंग का विवरण

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	बोरिंग	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा संरचना उ0	द0	पू0	प0
37	08	1035	रैयती	चापाकल 01	जदु महतो वो आतो महतो वो इन्दर महतो वो नागेश्वर महतो पिता–स्व0 झमन महतो वो मसोमात रिना देवी पति–स्व0 दशरथ महतो, ग्राम–डाड़ी	–	–	–	–
38	08	1009	रैयती	चापाकल 01	मसो0 निमीया देवी पति–स्व0 किसुन साव वो छक्कन साव पिता–स्व0 फकिर साव वो खिरू साव पिता–स्व0 फकिर साव	–	–	–	–

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकरी, चतरा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस की कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथाउपबंधित एवं यथाविनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु

अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए, अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यो के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, चतरा और उनके कर्मचारी कानूनगो/अमीन/संबंधित को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11(4) के अधीन कोई जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथाउपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिनों के अंतर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की अपत्तियां हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, चतरा के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

PR.NO.327571 Land Reforms(24-25):D

उपायुक्त, चतरा।

स्पीड न्यूज

कुरमी टोला में अज्ञात अपराधियों ने दिनदहाड़े की फायरिंग

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के ठाकुरगांव कुरमी टोला में मंगलवार की दोपहर लगभग 3 बजे दो बाइक में आये छह अज्ञात अपराधियों ने दिनदहाड़े फायरिंग किया। जानकारी के अनुसार अपराधियों ने तीन फायर किया। जानकारी के अनुसार रांची के एक दुकानदार द्वारा कुरमी टोला में जमीन खरीदकर बाउंड्री करायी जा रही है। अपराधियों ने काम कर रहे मजदूरों को उक्त जमीन में काम नहीं करने की धमकी भी दिया। ठाकुरगांव में दिनदहाड़े अज्ञात अपराधियों द्वारा गोलीबारी करने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार फायरिंग करने के बाद अपराधी बाड़े गांव की ओर भाग निकले। वहीं कुछ ग्रामीणों के अनुसार उक्त घटना को टीपीसी के उग्रवादियों ने अंजाम दिया है। वहीं मामले पर थाना प्रभारी ने कहा कि अभी तक थाना में आवेदन नहीं मिला है लेकिन पुलिस मामले की जांच कर रही है। विदित हो कि इससे पूर्व भी थाना क्षेत्र के हिसरी व चापाटोली में जमीन के बाउंड्री कार्य में भी फायरिंग की घटना हो चुकी है।

ट्रक-बाइक की टक्कर में बालबाल बचा सीसीएल कर्मी

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के केडीएच परियोजना के समीप एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्करएबाल बाल बचे बाइक सवार सीसीएल कर्मी। घटना लगभग दोपहर 2 की बतायी जाती है। जानकारी के अनुसार एनके एरिया के केडीएच परियोजना के पास एक मोटरसाइकिल सवार सीसीएल कर्मी जगजीवन सतनामी केडीएच परियोजना से ड्यूटी पर जा रहे थे। इस दौरान विपरित दिशा से आ रही एक ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया। मोटरसाइकिल सवार ने बताया कि सामने से आ रही ट्रक को देख कूद कर अपनी जान बचा पाया। इस दुर्घटना के बाद ट्रेड यूनियन से जुड़े सभी नेताओं ने घटनास्थल पर पहुंचकर ट्रक मालिक से नई मोटरसाइकिल देने की मांग कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर इस घटना के बाद लगभग चार घंटे तक केडीएच ट्रांसपोर्टिंग रोड पूरी तरह बाधित रहा। ट्रक मालिक ने बाइक सवार सीसीएल कर्मी को 70 हजार देने की सहमति पर शाम छह बजे जाम हटाया गया।

मांडर : सड़क हादसे में दो युवक घायल

मांडर। मांडर टांगरबसली मुख्य पथ पर बुढ़ाखुखरा बिसाही मोड़ के निकट हुए सड़क हादसे में दो लोग घायल हो गए। घटना मंगलवार दोपहर की है। इस हादसे में चुन्द निवासी तेम्बा उरांव 21 वर्ष और रातू थाना क्षेत्र के रितेश कच्छप 28 वर्षए घायल हुए हैं। दोनों को मांडर रेफरल में प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रेफर किया गया है। बताया जाता है कि ये दोनों टांगरबसली से स्कूटी में मांडर की ओर जा रहे थे कि बिसाही मोड़ के निकट तेज गति के कारण खुद ही असंतुलित होकर सड़क पर गिरने से घायल हो गये। वहां मौजूद लोगों ने 108 एम्बुलेंस को बुलाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

रातू में लोक अदालत शिविर आयोजित

रातू। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से मंगलवार को प्रखंड सभगार में भू-राजस्व संबंधी लोक अदालत शिविर का आयोजन किया गया। इसमें लोगों की राजस्व संबंधी दर्जनों मामले निपटाये गये। मा। डालसा के अधिवक्ता रविशंकर प्रसाद तथा पीएलवी पुष्पलता देवी ने कहा कि लोक अदालत का उद्देश्य लोगों को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में जागरूक बनाना है। ताकिए राजस्व के छोटे.मोटे कार्यों के लिये ग्रामीणों को कोर्ट-कचहरी का चक्कर न लगाना पड़े।

हेंठबालू गांव में चला नशामुक्ति अभियान

पिठोरिया। कांके प्रखंड के कोकदोरो पंचायत के हेंठबालू गांव में मुखिया, प्रधान, वार्ड सदस्य एवं सैकड़ों की संख्या में उपस्थित ग्रामीणों के साथ जेंडर सीआरपी एसडी रुक्मिणी देवी द्वारा नशामुक्ति अभियान चलाया गया और नशा के खिलाफ शपथ दिलायी गयी।

50 वर्ष पहले हुई थी संविधान की हत्या, 21 माह तक देश ने झेला दमनकारी शासन

भाजपा ने मनाई आपातकाल की 50वीं बरसी

काला दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। आरटीसी कालेज सभागार में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो के नेतृत्व में आपातकाल पर एक कार्यक्रम आयोजित कर काला दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व 20 सूत्री प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा आपतकाल को याद कते हुए कहा आज के ही दिन 25 जून 1975 को तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देष में संविधान की हत्या कर आपातकाल लगाया गया था। लगभग 21 माह तक देश ने दमनकारी शासन देखा है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह एक काला अध्याय के रूप जाना जाता है। वहीं उपस्थित पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, पूर्व जिला अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार, पूर्व भाजयुमो जिला अध्यक्ष सह पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, डॉ बिरसा उरांव, रणधीर चौधरी, अमरनाथ चौधरी व सत्यदेव मुंडा सहित कई लोगों ने आपातकाल पर अपने विचार रखे और कहा आज जिस कांग्रेस पार्टी द्वारा संविधान पर खतरा बता कर सवाल उठाए जाते हैं। उन्हे इंदिरा गांधी द्वारा देश में की गई संविधान की हत्या को भी याद करना चाहिए। बाद में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा काला बिला लगाकर मौन यात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम में शामिल भाजपा कार्यकर्ता।

मौन यात्रा में ये लोग थे शामिल

कार्यक्रम में प्रभारी मनोज चैधरी, प्रमोद सिंह, रामवतार केरकेटा, दिलीप मेहता, मुखिया सुनील उरांव, बालक पाहन, नरेंद्र कुमार, प्रभुदयाल बड़ाइक, सुधाकर चौबे, संजीत सिंह, रामकुमार दुबे, संजीत तिवारी, भीम मुंडा, रामसाय मुंडा, संजय नायक सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता शामिल थे।

रातू : टीएसपीसी उग्रवादियों ने टिम्बर व्यापारी से मांगी सात लाख की रंगदारी

परहेपाट की है घटना, पुलिस कर रही जांच

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के परहेपाट स्थित होचर पतराटोली में पिछले 12 साल से संचालित आरा मील (टिम्बर) के पार्टनर सुल्तान अहमद से प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी की ओर से 22 जून की शाम बंद लिफाफे में पत्र भेज सर काटने की धमकी देने और सात लाख रुपये की रंगदारी मांगे जाने की बात सामने आयी है। इसे लेकर श्री अहमद ने मंगलवार को रातू थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। घटना के बाद मील मालिक आफताब आलम, उनके रिश्तेदार और वहां कार्यरत कर्मचारी भयभीत हैं। सूचना मिलते ही थानेदार शशिभूषण चौधरी टिंबर गये और लोगों से पूछताछ की। इधर देर शाम डीएसपी अरविंद कुमार थाने पहुंचे और श्री चौधरी से घटना की जानकारी ली। पुलिस जांच में जुट गयी है। कॉल डिटेल्स खंगाले जा रहे हैं। ताकि आरोपियों तक पकड़ बनायी जा सके। पीड़ित परिवार ने डीआईजीए सीनियर एसपी और ग्रामीण एसपी से सुरक्षा की मांग की है।

जानें क्या है मामला

मील कांके होली डे होम के समीप रहने वाले मो आफताब आलम की है। वह कैंसर से पीड़ित हैं। फिलहाल इसका संचालन बतौर पार्टनरशिप उनके दो रिश्तेदार लेक भ्यु हॉस्पिटल, बरियातू के सुल्तान अहमद व कांके के इमरान खान उर्फ बबलू कर रहे हैं। 22 जून की शाम 5 बजे एक अज्ञात युवक उन्हें बंद लिफाफा थमा कर चला गया। इसके अगले दिन शाम 7 बजे सुल्तान के मोबाइल नंबर- 9279216710 पर 8084213807 से कॉल आया। उसने टीएसपीसी से होने का हवाला दिया और सात लाख रुपये सहयोग राशि की मांग करते हुये सर काटने की भी धमकी दी। 24 जून को लिफाफा खोलने पर उसमें टीएसपीसी की जगह टीपीसी लिखा था। लेवी के अलावा जान मारने की भी धमकी दी गयी है। चिट्ठी संगठन के लेटर हेड की बजाय सादे कागज में लाल स्याही से लिखी गयी है। इससे स्पष्ट है कि किसी स्थानीय ने यह हरकत की है।

महिला से 35 हजार रिश्वत लेते एसीबी ने दारोगा को दबोचा

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कार्रवाई से पुलिस विभाग में सनसनी फैल गयी है। थाने में पदस्थापित दारोगा सत्येंद्र सिंह को एसीबी ने मंगलवार की दोपहर काठीटांड़ सरयू नगर निवासी विजय सिंह की पत्नी बबिता सिंह से 35 हजार रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। उन पर डायरी मैनेज करने के लिये रुपये लेने का आरोप है। विजय और उसकी पत्नी घूस देने को तैयार नहीं थे, लेकिन श्री सिंह पैसे के लिये दबाव और उन्हें बर्बाद कर देने की धमकी दे रहे थे। इससे विवश होकर वह एसीबी कार्यालय पहुंच अर्जी दी। एसीबी के अधिकारियों ने पूरे मामले का सत्यापन कराया। योजनाबद्ध तरीके से रुपये देने के लिये महिला को छोटानागपुर राज उच्च विद्यालय भेजा गया। सत्येंद्र सिंह परीक्षा ड्यूटी थे। जैसे ही बबिता ने रुपये दिये टीम ने उन्हें दबोचा लिया।

डायरी मैनेज के लिये मांगे थे रुपये

एसएसपी ने किया निलंबित

मामले को लेकर सीनियर एसपी चंदन सिन्हा ने गंभीरता दिखायी। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुये दारोगा सत्येंद्र सिंह को निलंबित कर दिया है। इससे थाने के अन्य पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों में हड़कंप है। इधर सूत्रों की मानें तो प्रखंड-अंचल कार्यालय व थाने के कई पदाधिकारी, अभियंता व कर्मचारी एसीबी की रडार में हैं। किसी भी वक्त उनकी गिरफ्तारी हो सकती है।

जानें क्या है मामला

विजय सिंह पर मुहल्ले के सुभाष कुमार प्रियदर्शी ने 25 मई को मारपीट और इसके अगले दिन अखिलेश वर्मा ने जान मारने की नीयत से फायरिंग करने को लेकर क्रमशः कांड संख्या 175/24 व 176/24 दर्ज कराया है। सत्येंद्र सिंह दोनों ही केस के आईओ हैं। उसकी पत्नी केस को कमजोर कराने के लिये लगातार उनके संपर्क में थी। डायरी मैनेज करने के एवज में श्री सिंह ने 35 हजार रुपये बतौर रिश्वत मांग की थी। पुलिस की ओर से 26 की रात घटनास्थल से दो खोखे और घर की तलाशी के दौरान 15 लाख नकद बरामद किये गये थे।

बिजली मिस्त्री के घर का ताला तोड़ बाइक की चोरी

बेड़ो। सोमवार की रात थाना क्षेत्र के हरिहरपुर जामटोली गांव निवासी बिजली मिस्त्री बासुदेव उरांव पिता बिरसा उरांव की बाइक चोरी हो गई। इस बाबत बिजली मिस्त्री ने थाना में आवेदन दिया है। आवेदन के माध्यम से बताया कि वे अपने घर रात्रि लगभग 10.00 बजे आए। उसके बाद हर रोज की तरह घर के अंदर में अपनी स्पेलडर बाइक नंबर जेएच 01एक्यू- 4478 को खड़ा कर खाना खाकर घर में सो गए। जब सुबह उठे तो देखा तो बाइक वहां नही थी। साथ ही दरवाजा खुला है उसमें लगा ताला टूटा पड़ा है। उन्होंने कहा कि काफी देर तक आस पास बाइक की खोज बीन कियाए लेकिन कहीं बाइक का पता नही चल पाया।

कई जगह है आरा मील

आफताब आलम का पतराटोली, कांके, बिजुलिया और चितरकोटा बड़काटोली में भी आरा मील है। उनके भाई, भगिना व साला समेत परिवार के अन्य सदस्य इसकी देखरेख कर रहे हैं। मौजा पतराटोली में जहां टिम्बर है। वह जमीन परहेपाट निवासी तैयब अंसारी की बतायी जा रही है। श्री आलम ने उनसे 20 साल के लिये लीज पर ली है।

होनहार बच्चों को गिरफ्त में ले रहे नशे के सौदागर, कार्रवाई की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्रों व उसके आसपास के एरिया में बड़े पैमाने पर नशा का कारोबार फैल रहा है। इन नशा का करोबार में नशे के सौदागरों की अच्छी खासी कमाई लगातर दिन दुगना रात चौगुनी हो रही है। लेकिन सौदागरों ने अपने आंख बंद करके सिर्फ पैसों के लिए नावनिहाल होनहार बच्चों को अपने चुंगुल में फसा कर सौदा कर रहे है। क्षेत्र के डकराएधमधमियां और खलारी के स्कूल.पंचायत भवनोंएसमुदायक भवनएसुनसान खंडहर घरों में बड़ी मात्रा में व्हाइटनर और रबर चिपकाने वाले डेंड्राइटएव्हाइटनर के खाली ट्यूब इन जगहों पर पड़ा हुआ मिलता है। वही आज कल गर्मी के मौषम में शाम होते ही खेल के मैदान व गांव के खेतों अड्डा बन हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार युवा अधिकतर नशा में गांजा का प्रयोग करते है। गांजा जैसे मादक पदार्थों में जकड़े 13.14 वर्षो के बच्चों से लेकर 25.30 साल की उम्र के युवा भी हैं। सूत्रों के अनुसार बताया जाता है कि खलारी पहाड़ी मंदिर डेम के पास गुरुद्वारा चौक के पासएडकरा दुर्गा मंडप भूतनागर फील्ड के आसपास सुभाष नगर चौकएराय चौक के पासएधमधमियाँ चौक के पास बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ बेचा जाता है। युवा पढ़ने.लिखने की उम्र में क्षेत्र के युवा विभिन्न तरह के नशे की लत का शिकार होकर डिप्रेशन एवं अन्य कई तरह की मानसिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

प्रखंड कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ ज्ञापन

खबर मन्त्र संवाददाता

राहे। आजसू पार्टी राहे प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय में फैले भ्रष्टाचार, अनियमितता और जनहित के मुद्दे को लेकर बीडीओ सह सीओ मनोज कुमार महथा को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल के मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय सचिव सह प्रखंड प्रभारी संजय सिद्धार्थ ने ज्ञापन देकर बिंदु बार उल्लेख करते हुए समय पर समाधान की मांग की। बीडीओ एवं सीओ ने सभी 12 सूत्री मांगों का क्रमबद्ध रूप से जबाब देते हुए आश्वस्त किया कि ज्ञापन के अनुरूप कार्य होगा। दिए गए ज्ञापन में आजसू ने लंबित दाखिल खारिज का निष्पादन, पंजी 2 सुधार के लंबित मामले का समाधान,

अबुआ आवास चयन में पारदर्शिता लाया जाए तथा जरूरतमंद एवं गरीबों को इसका समुचित लाभ मिले। जाति, आय, आवासीय, मृत्यु एवं जन्म प्रमाणपत्र निर्गत करने में शीघ्रता लाया जाए, आंचल एवं प्रखंड कार्याल में पदस्थापित सभी कर्मियों की उपस्थिति सरकारी नियम अनुसार सुनिश्चित किया जाएए जंगली हाथियों के द्वारा ग्रामीणों के किए गए नुकसान का आकलन कर समय पर मुआवजे का भुगतान का अविलंब निराकरण, सभी प्रकार के पेंशन का भुगतान नियमित रूप से किया जाए, किसानों को खाद एवं बीज की आपूर्ति समय पर किया जाएए मनरेगा अंतर्गत संचालित सिंचाई कूप एवं अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन एवं भुगतान तथा शीघ्र किया जाए ताकि वर्षा से पहले कार्य पूर्ण किया जा सके। सरकारी योजनाओं में झारखंड आंदोलनकारियों एवं उनके परिवार के आश्रितों को प्राथमिकता दिया जाए।

एक नजर में

अज्ञात वाहन से कुचल कर युवक की मौत

लापुंग। लापुंग प्रखंड के ककरिया से बेड़ो जाने वाली मुख्य सड़क पर जौनी टोली से कुछ दुर आगे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से चंपाडिह चापाटोली निवासी 17 वर्षीय गुलाब टोप्पो उर्फ गुल्लू नामक युवक की दर्दनाक मौत हो गई है। घटना में युवक का सिर बुरी तरह से कुचल गया। सुबह में मॉर्निंग वॉक पर निकले युवकों ने सड़क किनारे उसका शव देखा। इसके बाद घटना की जानकारी लापुंग थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटना की जानकारी पाकर घटनास्थल से शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार युवक शादी समारोह में शामिल होने कोयसारा गांव गया था। जिसके बाद वहां से अपने दोस्त के साथ नदी टोली गांव जाने के लिए निकला था। संभावना जताई जा रही है की इसी दौरान हादसा हो गई होगी।

सड़क हादसे में किशोर की मौत, दो घायल

अनगड़ा। थाना क्षेत्र के रांची पुरुलिया सड़क पर चमघटी के निकट मंगलवार को दिन के लगभग एक बजे हुए एक सड़क हादसा में एक किशोर की मौके पर हीं मौत हो गयी । जबकि दो अन्य जख्मी हो गए मृतक की पहचान ग्राम गौतम धारा निवासी कलेश लोहरा ;15 वर्ष द्ध पिता सुकरा लोहरा के रूप मे हुयी है। बताया गया कि सुकरा लोहरा एक स्कूटी में अन्य दो लोगों मनु महतो एवं कलेश लोहरा को बिठा कर अपने घर से शादी का कार्ड बाँटने के लिए अनगड़ा की ओर जा रहे थे स इसी बीच चमघटी मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रही एक अज्ञात मैक्स पीकप वाहन ने स्कूटी को सीधी टक्कर मार दिया स इससे स्कुटी पर सवार तीनों सड़क पर गिर पड़े स जोरदार धक्का लगने से मौके पर ही स्कुटी चला रहे कलेश लोहरा की मौत हो गई । जबकि दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी अनगड़ा ले जाया गया स पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस घटना स्थल पर पहूँच कर कलेश लोहरा के शव को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम हेतू रिम्स राँची भेज दिया।

ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को मिला मुआवजा

चान्हो। ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के बीच मंगलवार को विधायक शिल्पी नेहा तिर्की द्वारा डमी चेक का वितरण किया गया। प्रखंड के 387 किसानों के लिए करीब 18 लाख 14 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत हुआ है जिसका भुगतान उनके बैंक खातों में डीवीटी के माध्यम से किया जाएगा। इस दौरान न्यूनतम 1700 व अधिकतम 13 हजार रुपये के क्षतिपूर्ति राशि किसानों को मिलेगी। बताया गया कि पांच माह पूर्व फरवरी महीने में ओलावृष्टि से किसानों की फसलें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। मौके पर सीओ संजीव कुमार बीडीओ अशोक कुमार कृषि पदाधिकारी उपेन्द्र सिंह प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मो इशितयाक दिलीप सिंहए मुखिया महादेव उरांव समाजसेवी अजीत सिंह आदि मौजूद थे।

बच्चियों के बीच बांटी जाएगी साइकिल

धनबाद। पाठशाला जो विगत कई वर्षो से शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रही है, ने बच्चियों के स्वावलंबन और बाधामुक्त पढ़ाई के लिए मिशन बेटियों की उड़ान प्रारंभ की है। इस मिशन के अंतर्गत कक्षा 5 से 12वीं तक की बच्चियों को नि:शुल्क साइकिल वितरण की योजना है। इस मिशन का प्रारंभ पाठशाला एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक देव कुमार वर्मा की माताजी मधु देवी द्वारा आज भागाबस्ती शाखा में कक्षा 5 की नित्या और नैना को साइकिल और नए कपड़े देकर प्रारंभ किया गया। बताते चलें कि पाठशाला पिछले 10 वर्षो में अब तक लगभग 1500 से ज्यादा बच्चों को कक्षा एक से लेकर इंजीनियरिंग तक की पढ़ाई का खर्चा वहन कर चुकी है। पाठशाला के कई बच्चों ने दसवीं के सीबीएसई और 12वीं के सीबीएसई परीक्षा में परचम लहराया है। पाठशाला के जिन बच्चों ने 10वीं और 12वीं में अच्छे अंक लाए हैं, उनमें ओमआदित्य,अनिकेत,आशीष, श्रुति, रिया आदि शामिल हैं। पाठशाला के प्रधानाचार्य नीलकंठ महतो ने बताया कि 10 दिनों के अंदर 50 बच्चियों को साइकिल वितरण करने की योजना है।

बेड़ो : उर्वरक प्रबंधन का मिला प्रशिक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के कटहल टोली व पुरियो गांव में सीएफएलडी खरीफ तिलहन मूंगफली के अंतर्गत खरपतवार एवं उर्वरक प्रबंधन के साथ मूंगफली उत्पादन तकनीक पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम डॉ मनोज कुमार सिंह एफसल वैज्ञानिक केवीके रांची व रामकृष्ण मिशन आश्रम मोराबादी रांची के बैनर तले आयोजित किया गया। साथ ही साथ रांची जिले के रातू प्रखंड में तिगरा नयाटोली गांव के 20 एकड़ में 714 किलोग्राम मूंगफली और 5 एकड़ में तिल तथा कटहल टोली व पुरियो गांव में किसानों के बीच 20 एकड़ में 714 किलोग्राम में मूंगफली बीज नई किस्म के 1812 तथा 10 एकड़ में तिल की नई प्रभेद गुजरात तिल 6 इनपुट का वितरण किया गया। यह बीज मूंगफली का 112 से 115 दिन में पक कर तैयार हो जाता है। इसमें तेल 50-51 प्रतिशत है। मौके पर कई किसान मौजूद थे।

चौकीदार संघ ने अनगड़ा में मनायी स्व वीपी सिंह की 96वीं जयंती

अनगड़ा। झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत शाखा सदर अनुमंडल कमेटी राँची द्वारा अननगड़ा पंचायत सचिवालय सभागार में पूर्व प्रधान मंत्री वीपी सिंह की 96वीं जयन्ति समारोह धूम धाम से मनाया गया । समारोह की अध्यक्षता रंजीत करमाली ने किया समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत के राज्य अध्यक्ष श्री कृष्ण दयाल सिंह और विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष एतवा उराँव मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर चौकीदार दफादार संघ ने मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त रांची को एक ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में सेवा विमुक्त और चौकीदारों के रिक्त पदों पर जिन.जिन जिलों में विज्ञापन निकाला गया है उसको तत्काल रद करने, अन्य जिलों में विज्ञापन निकालने पर तत्काल रोक लगाने का ओदश देने, सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में योगदान करने हेतु उपायुक्तों को निर्देश देने 1990 के पूर्व और बाद में सेवानिवृत चौकीदारों दफादारों के आश्रितों की नियुक्ति की मांग की है।

ओरमांझी में भूमि सुधार के लिये लगा लोक अदालत

- ऑनलाइन के नाम पर सरकारी स्तर पर हुई है गड़बड़ी
- अंचल का चक्कर लगाते पिता की हो गई मौत, अब चक्कर काट रहा है बेटा

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। उपायुक्त रांची के निर्देष पर मंगलवार को प्रखंड अंचल कार्यालय सभागार में भुमि सुधार संबंधित विशेष लोक अदालत लगाया गया। विषेष लोक अदालत लगने पर प्रखंड क्षेत्र के भुमि सुधार व दाखिल खारिज को लेकर परेषान काफी संख्या लोग लोक अदालत में पहुंचे थें। सभी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन देकर जल्द समाधान करने की गुहार लगा रहे थें। उन्ही में एक आवेदन प्रखंड क्षेत्र के बुंडु के सुरेंद्र मुंडा का भी आया था। जिप सदस्य कमिष्नर मुंडा ने बताया कि सुरेंद्र मुंडा के पिता छेदी मुंडा की अपनी भुमि संबंधित समस्या को लेकर अंचल का चक्कर लगाते-लगाते निधन हो गया, और अब उसका बेटा अंचल का चक्कर लगा रहा है। इसके अलावे प्रखंड मुख्यालय स्थित शास्त्री चैक चैराहे पर अतिक्रमण से संबंधित आवेदन दिया गया। जिसमें बताया गया कि ओरमांझी से सिकिदिरी व कुच्चू जाने वाले मार्ग के सड़क किनारे की जमीन अतिक्रमण कर झुगी झोपड़ी व दुकान खोल लिया गया है। जिस सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं आम लोगों के साथ स्कूल कालेज जाने-आने वाले छात्र-छात्राओं को काफी परेषानी का समामना करना पडता है। वहीं जिप सदस्य सरिता देवी ने कहा ग्रामीण के पास उसकी जमीन का पेपर होते हुए अंचल के रिकार्ड से गायब है। ज्यादातर लोगों की भुमि की गड़बड़ी सरकार व अंचलाधिकारी स्तर से ही हुई है। आनलाइन में त्रुटि हुई है। जमीन की समस्या से लोग वर्षो से जुझते रहते हैं। खतियान व रजिस्टर-2 से प्लाट गायब होने से जनता परेषान है। सीओ उज्जवल सोरेन ने कहा सभी आवेदनों व समस्याओं का निदान किया जाएगा। जो समस्या का समाधान जिला स्तर से होना है उसे तत्काल जिला भेजा जाएगा।

जनता की समस्या को सुनते सीओ उज्जवल सोरेन।

कार्यक्रम में ये लोग थे मौजूद

कार्यक्रम में सीओ के अलावे बीडीओ विजय कुमार, सीआई अशोक बड़ाइक, जिप सदस्य सरिता देवी, कमिष्नर मुंडा, राज्यसभा सदस्य प्रतिनिधि मानकी राजेंद्र शाही, विधायक प्रतिनिधि प्रेमनाथ मुंडा, मुखिया सुनील उरांव, रामधान बेदिया, सिकंदर महतो, लक्ष्मण उरांव, चतुर साहू, जंगल महतो रशीद अंसारी, अंचल कर्मी जिला टीम उपस्थित थे।

बांग्लादेश को हराकर अफगानिस्तान सेमीफाइनल में

एजेंसी

किंग्सटाउन। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसी के साथ आस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्व कप से बाहर हो गई है। आस्ट्रेलिया की उम्मीदें बांग्लादेश की टीम पर टिकी थीं। कम स्कोर वाले इस मैच में एक वक्त ऐसा लग रहा था कि बांग्लादेश की टीम खुद तो नहीं क्वालिफाई करेगी, अफगानिस्तान को भी बाहर कर देगी। इसका फायदा आस्ट्रेलिया को होता, लेकिन अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी करते हुए विकेट हासिल किए और जीत हासिल की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 115 रन बनाए थे। बारिश की वजह से बांग्लादेश की इनिंग का एक ओवर काटा गया, जिसके चलते बांग्लादेश को 19 ओवर में 114 रन का लक्ष्य मिला। अफगानिस्तान ने एक बार फिर अपनी कमाल की गेंदबाजी से मैच जीत लिया। उन्होंने बांग्लादेश को 105 रन पर ही ऑल आउट कर दिया था। इसके बाद जब बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए आई तो कई बार बारिश ने

खलल डाला। बांग्लादेश को सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करने के लिए 12.1 ओवर में 116 रन बनाने थे। हालांकि, अफगानिस्तान ने नियमित अंतराल पर विकेट लिए। तंजीद हसन (0), कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (5) और शाकिब अल हसन (0) कुछ खास नहीं कर सके। इसके बाद राशिद खान का जलवा देखने को मिला। उन्होंने सौम्य सरकार, तौहिद हृदोय, महमूदुल्लाह और रिशाद हुसैन को पवेलियन भेजा। हालांकि, लिटन दास एक छोर से टिके रहे। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 11वां अर्धशतक लगाया। बीच में बारिश की वजह से मैच रुका और अंपायर्स ने एक ओवर घटा दिया। डकवर्थ लुईस नियम के तहत बांग्लादेश को 19 ओवर में 114 रन का लक्ष्य मिला। 80 रन पर बांग्लादेश ने सात विकेट गंवा दिए थे। जैसे ही गुलबदीन नईब ने तंजीम हसन शाकिब को पवेलियन भेजा, मैच और रोमांचक हो गया। लिटन दास और तस्कीन अहमद क्रीज पर थे। लगा कि लिटन मैच जिता ले जाएंगे। आखिरी 12 गेंद में बांग्लादेश को 12 रन की जरूरत थी। नवीन उल हक गेंदबाजी के लिए आए और उन्होंने लगातार दो गेंद पर तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान को पवेलियन भेज अफगानिस्तान को जीत दिलाई और सेमीफाइनल में पहुंचाया। अफगानिस्तान की टीम किसी भी आइसीसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहली बार पहुंची है।

जीत के बाद अफगानी फैंस हुए बेकाबू

दिग्गजों ने दी अफगानिस्तान को बधाई

वैंपियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा, अफगानिस्तान का सेमीफाइनल में पहुंचना अतुलनीय है। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराया। यह जीत आपकी प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की देन है। आपकी प्रगति पर गर्व है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला टॉम मूडी ने टीम को बधाई देते हुए कहा,ह्यक्या शानदार मैच था। अफगानिस्तान टीम को बधाई। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, क्या शानदार जीत। न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचना। इसे ही तरक्की कहते हैं। बधाई हो। युवराज सिंह ने लिखा, शानदार नजारा। जबर्दस्त जीत। रोमांचक मैच। जज्बातों का सैलाब। पठान पहली बार सेमीफाइनल में। नवीन उल हक का मैच विनिंग प्रदर्शन। बेजोड़ क्रिकेट। बता दें कि अब सेमीफाइनल में अफगानिस्तान का सामना 27 जून को साउथ अफ्रीका से होने वाला है, जो अब तक इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारे हैं।

यह पहली बार है जब अफगानिस्तान किसी आइसीसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। वेस्टइंडीज में मिली इस जीत का जश्न अफगानिस्तान में भी जमकर मनाया गया। अफगानी फैंस ने घरों से बाहर सड़कों पर खूब जश्न मनाया। जिसके बाद सड़कों से लेकर चौराहो तक काफी भीड़ जमा हो गई और सड़के जाम हो गई। अफगानी फैंस के जश्न और जुनून का आलम यह था कि उनको हटाने के लिए वाटर ब्रिगेड को बुलाया गया और पानी की बौछारों से फैंस को तितर बितर कर सड़कों को खुलवाने की कोशिश की गई।

जीत के बाद कोच और कप्तान हुए भावुक

अफगानिस्तान की जीत के बाद कप्तान राशिद खान भावुक हो गए। उन्होंने अपने खिलाड़ियों और कोच जोनाथन ट्रोट को भावुक होकर गले लगाया। जोनाथन ट्रॉट का जीत के बाद सेलिब्रेशन भी वायरल हो गया जब उन्होंने काफी आक्रमक अंदाज में सेलिब्रेशन किया। बल्लेबाजी कोच जोनाछन ट्रॉट ने इमोशनल होकर राशिद खान को गर्मजोशी से गले लगाया।

वार्नर ने क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

सेंट लूसिया। आस्ट्रेलिया क्रिकेट के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वॉर्नर ने अफगानिस्तान द्वारा बांग्लादेश को आठ रन कर सेमीफाइनल में प्रवेश करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विश्वकप 2024 से बाहर होने के साथ संन्यास की घोषणा की है। इसी के साथ ही वॉर्नर डेविड का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त हो गया है। उन्होंने एकदिवसीय विश्वकप 2023 में अपना आखिरी मैच और इसके बाद जनवरी 2024 में पाकिस्तान के साथ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था। उन्होंने भारत के खिलाफ टी-20 विश्वकप 2024 में अपने टी-20 करियर का अंतिम मैच खेला है। उन्होंने आस्ट्रेलिया के लिए वर्ष 2009 में टी-20 प्रारूप से ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया था। उन्होंने 11 जनवरी 2009 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी-20 मैच खेला था। इस वर्ष 18 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका खिलाफ एकदिवसीय मैच में पर्दापण किया। उन्होंने 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिसबेन में टेस्ट मैच में पर्दापण किया था।

एक बार फिर भारत का पाकिस्तान से होगा सामना

महिला एशिया कप 2024

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच मुकाबले का दोनों देशों के क्रिकेट प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। अब दोनों देशों की महिला टीमों का सामना होने जा रहा है। महिला एशिया कप कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और गत चैंपियन भारत टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरूआत 19 जुलाई को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन श्रीलंका में होगा। यह टूर्नामेंट 19 से 28 जुलाई तक खेला जाएगा जिसमें महाद्वीप की आठ टीमें हिस्सा लेंगी। पिछली बार के विपरीत इस साल आठ टीमों को दो

ग्रुप में बांटा गया है। भारत, पाकिस्तान, यूएई और नेपाल को ग्रुप ए में जगह मिली है, जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड और मलेशिया ग्रुप बी में हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा जारी अपडेट कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के बाद भारत 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से भिड़ेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी जो 26 जुलाई को खेले जाएंगे। फाइनल 28 जुलाई को होगा। टूर्नामेंट में एक बार फिर मैच अधिकारी की भूमिका में सभी महिला अधिकारी होंगी। भारत सात खिताब के साथ एशिया कप की सबसे सफल टीम है। यह टूर्नामेंट 2012 से टी20 प्रारूप में खेला जा रहा है।

भारत क्रिकेट चलाता है, उनसे कोई बात नहीं कर सकता : क्रिस गेल का तीखा जवाब

एजेंसी

नयी दिल्ली। क्रिकेट आइकन क्रिस गेल का कहना है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड क्रिकेट जगत में सर्वोच्च है और इसकी सत्ता को चुनौती देने वाला कोई भी दावेदार नहीं है। गेल ने मौके पर फ्रेंचाइजी टूर्नामेंटों के लिए एक अलग समय सीमा लागू करने का सुझाव दिया, जो अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के शेड्यूल से अलग हो। गेल से यह सवाल इसलिए पूछा गया था कि क्योंकि आइपीएल खत्म होने से पहले इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने चली गई थी। गेल ने कहा कि जब आइपीएल चल रहा होता है, तो आप ऐसे खिलाड़ियों को देखते हैं जिन्हें अपने देश के लिए खेलने के लिए टूर्नामेंट छोड़ना पड़ता है। यदि आपके पास एक आइपीएल विंडो है तो उस विंडो में सिर्फ आइपीएल होना चाहिए। आपको उस समय सीमा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए, क्योंकि केवल एक ही टीम है जिसे लाभ होने वाला है और वह भारत है। यह अनुचित है। आपके पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं हो सकती। गेल ने कहा कि अगर इस समय विश्व कप की विंडो है, तो बस यही होनी चाहिए और कुछ नहीं। इतिहास की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी आइपीएल में खेलें तो आपको उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की तरह हस्तक्षेप के बिना उस विशेष विंडो में खेलने की अनुमति देनी होगी।

साई सुदर्शन ने पकड़ी काउंटी की राह

लंदन। भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन मौजूदा काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए कुछ मैच खेलने के लिए इंग्लैंड लौटेंगे। क्लब ने मंगलवार को यह घोषणा की। यह 22 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी पिछले सत्र में सरे से जुड़ा था और उन्होंने दो काउंटी चैंपियनशिप मैच खेले थे। सुदर्शन ने एक बयान में कहा कि मैं फिर से सरे का प्रतिनिधित्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के प्रतिनिधि के रूप में अनुष अग्रवाल को चुना

नयी दिल्ली। भारतीय घुड़सवारी महासंघ ने आगामी पेरिस खेलों में ड्रेसेज स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए अनुष अग्रवाल को चुना है, क्योंकि उन्होंने प्रतियोगियों के हालिया प्रदर्शन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने के बाद बेहतर औसत के आधार पर करीबी प्रतियोगी श्रुति वोरा को पछाड़ दिया है।

ब्राजील-कोस्टा रिका के बीच मुकाबला रहा गोल रहित ड्रॉ

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। सोफी स्टेडियम में मंगलवार को ब्राजीलियन फैंस काफी निराश हुए, जब नौ बार के कोपा अमेरिका चैंपियन ब्राजील को कोस्टा रिका के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलना पड़ा। कोपा अमेरिका में ब्राजील का निराशाजनक प्रदर्शन देखकर उनके फैंस काफी निराश हुए। एक रोमांचक मुकाबले में कोस्टा रिका ने ब्राजील को कड़ी टक्कर दी। दोनों टीमों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी लेकिन गोल करने में सफल नहीं रहे। कई बार मौका बनाने और गोल पर शॉट्स की बौछार करने के बावजूद ब्राजील के सभी प्रयास फेल हुए। विनिसियस जूनियर और रोड्रिगो के पास एक भी शॉट टारगेट पर नहीं था, लेकिन किसी और ने भी उनकी कमी को पूरा करने के लिए कुछ नहीं किया। कोस्टा रिका के गोलकीपर पैट्रिक सेक्वेरा अपनी टीम के हीरो रहे। उन्होंने कई

महत्वपूर्ण बचाव किए और अपनी टीम के लिए क्लीन शीट बनाए रखी। हालांकि, कुछ निर्णय ब्राजील के पक्ष में नहीं गए, जिसमें रिव्यू के बाद मामूली अंतर से कुछ संदिग्ध फैसले शामिल हैं। टूर्नामेंट में टीम की काफी आलोचना हुई और इस ड्रॉ ने ब्राजील के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। टीम अपने दबदबे को गोल में बदलने के लिए संघर्ष करती रही। रेफरी के फैसलों ने भी निराशा को और बढ़ा दिया। पूरे मैच में ब्राजील के खिलाफ कई संदिग्ध फैसले लिए गए। हालांकि, कोस्टा रिका को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए। टूर्नामेंट में ज्यादा अनुभव नहीं रखने वाली इस टीम ने ब्राजील को कड़ी चुनौती दी। ब्राजील ग्रुप डी में पिछड़ता हुआ दिख रहा है। कोलंबिया वर्तमान में पैराग्वे पर 2-0 की जीत के बाद आगे है। कोच डोरिवल जूनियर के सामने कई चुनौतियां हैं। उनका लक्ष्य आगामी मैचों में अपनी टीम को पूरी ताकत से आगे बढ़ाना है। फिलहाल, ब्राजील के लिए दसवें कोपा अमेरिका खिताब की तलाश की शुरूआत मुश्किलों से भरी हुई लग रही है।

टी20 में कीर्तिमान रचने से एक कदम दूर रोहित

एजेंसी

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत के साथ ही रोहित ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की बराबरी कर ली है। टी20 में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले अब रोहित बाबर की बराबरी पर आ गए हैं। बाबर ने 85 मैचों में कप्तानी की है और 48 मैच जीते हैं, जबकि रोहित ने 60 टी20 मैचों में भारतीय टीम की कमान संभाली है और उन्होंने भी 48 मैच जीते हैं जिसमें सुपर ओवर में मिली जीत भी शामिल है। अगर भारतीय टीम सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराने में सफल रही तो रोहित टी20 में सबसे सफल कप्तान बन जाएंगे। वहीं, अगर रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम इस टूर्नामेंट को जीतने में सफल रही तो रोहित कप्तान के तौर पर 50वां मैच जीतेंगे।

टी20 में कप्तान के तौर पर सर्वाधिक जीत

कप्तान	जीत	मैच
रोहित शर्मा	48	60
बाबर आजम	48	85
ब्रायन मसाबा	45	60
इयोन मोर्गन	44	72

भारत का इंग्लैंड से होगा सामना

भारत का सेमीफाइनल में सामना गत चैंपियन इंग्लैंड से होगा। इससे पहले भी 2022 में दोनों टीमों का सामना अंतिम चार में हुआ था जहां इंग्लैंड की टीम जीत दर्ज करने में सफल रही थी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 27 जून को गुयाना में खेला जाएगा। भारतीय टीम के पास अब गत चैंपियन टीम से पिछली हार का बदला चुकता करने का मौका रहेगा।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का किया ऐलान

नयी दिल्ली। सीनियर राष्ट्रीय फाइनलिस्ट तन्वी शर्मा और उभरते युवाओं के एक समूह की अगुआई में भारतीय जूनियर बैडमिंटन टीम 28 जून से इंडोनेशिया के योग्याकार्टा में खेले जाने वाले बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप 2024 में पोडियम फिनिश के लिए चुनौती पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा अखिल भारतीय रैंकिंग टूर्नामेंट से पहले गहन चयन ट्रायल के बाद चुनी गई 18 सदस्यीय भारतीय टीम ने मंगलवार को इंडोनेशिया के लिए रवाना होने से पहले गुवाहाटी में नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तैयारी शिविर लगाया.भारत को मिश्रित टीम चैंपियनशिप के ग्रुप सी में मेजबान इंडोनेशिया, वियतनाम और फिलीपींस के साथ रखा गया है और वह अनुकूल नॉक-आउट ड्रॉ पर नजर रखते हुए ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने का लक्ष्य रखेगा।

इटली और स्पेन अंतिम 16 में बनाई जगह, क्रोएशिया बाहर

एजेंसी

बर्लिन। क्रोएशिया के खिलाफ मटिया जाकाग्नि के अंतिम क्षणों के गोल ने 1-1 की बराबरी से मौजूदा चैंपियन इटली को यूरो 2024 के ग्रुप चरण में पहुंचा दिया, जबकि स्पेन ने अंतिम दौर में अल्बानिया पर 1-0 की जीत के साथ ग्रुप बी में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। क्रोएशिया ने आक्रामक शुरूआत की। उसे पता था कि यहां से केवल जीत ही टीम को अंतिम 16 के दौर में पहुंचा सकती है। जानकारी के अनुसार, लुका सुसिक ने 20 मीटर से एक जोरदार शॉट लगाकर पांच मिनट पहले क्लियर कट मौका बनाया, जिससे इटली के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा को इसे रोकने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, इटली को मैच में पैर जमाने के लिए थोड़ा समय लगा। लेकिन 20वें मिनट में उसने भी मौका बनाया जब मैटिओ रेटेगुई ने रिकार्डो कैलाफियोरी के क्रॉस को गोल की ओर हेड किया। लुसियानो स्पैलेटी की टीम को हाफ टाइम से पहले ही बढ़त बना लेनी चाहिए थी, लेकिन न तो एलेसेंड्रो बस्टोनी और न ही लोरेंजो पेलेग्रिनी क्रोएशिया के गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविक को मात दे पाए। ब्रेक के बाद क्रोएशिया ने बढ़त हासिल की और लुका मोड्रिक ने 55वें मिनट में टीम के लिए पहला गोल दागा। इसके बाद इटली ने क्रोएशिया के गोल क्षेत्र पर हमला तेज कर दिया। एक समय आया जब बस्तोनी हेडर से गोल करने के करीब पहुंच गए, लेकिन क्रोएशिया की अच्छी तरह से तैनात डिफेंस ने इटली को स्कोर शीट से दूर रखा। ऐसा लग रहा था कि क्रोएशिया मामूली जीत के साथ आगे बढ़ जाएगा, लेकिन अंतिम क्षणों में इटली ने क्रोएशिया को चौंका दिया। मैटिया ने (90+8') इटली के लिए गोल दागा और मैच का नतीजा 1-1 से बराबरी पर खत्म किया। ग्रुप बी के दूसरे मुकाबले में, अग्रणी स्पेन ने फेरान टोरेस के एकमात्र गोल से अल्बानिया को 1-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला तीन मैच तक बढ़ाया। इन परिणामों के साथ, स्पेन ने 9 अंकों के साथ एक बेहतरीन ग्रुप चरण पूरा किया। उसके बाद ग्रुप-बी में इटली (4 अंक), क्रोएशिया (2 अंक) और अल्बानिया (1 अंक) का स्थान रहा। छह समूहों में से प्रत्येक में शीर्ष दो और सर्वश्रेष्ठ चार तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम राउंड-ऑफ-16 नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगे।

स्पेन के फेरान टोरेस गोल करने के खुशी मनाते हुए।

क्रोएशिया के लुका मॉद्रिच टूर्नामेंट में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज प्लेयर बने।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

पूर्व उपमुख्यमंत्री सुधीर महतो की जयंती मनी

चांडिल। मंगलवार को चांडिल गोलचक्कर में झारखंड राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं ईचागढ़ के पूर्व विधायक स्वर्ग सुधीर महतो का 68 वां जन्म जयंती केक काटकर व तस्वीर पर माल्यार्पण कर मनाया गया। मौके पर धर्मु गोप, मोहन लोहार, सुदामा हेम्ब्रम, वैधनाथ टुडू, दीनबंधु महतो, राजु किस्कु, मोती सोरेन सहित कई लोग उपस्थित थे।

अंचल कार्यालय में भू-माफिया गिरोह सक्रिय

गम्हरिया। गम्हरिया प्रखंड और अंचल कार्यालय में भूमाफिया और बिचौलिया गिरोह सक्रिय है। ये सक्रिय बिचौलिये अंचलकर्मियों का मनोबल गिराने और राज्य में महागठबंधन सरकार को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। यह बातें युवा राजद जिलाध्यक्ष उदित यादव ने एक बयान जारी कर कही। उन्होंने कहा कि राजद, झामुमो और कांग्रेस गठबंधन वाली राज्य सरकार चंपाई सोरेन के नेतृत्व में योजनाओं पर बेहतरीन कार्य कर रही है। इससे घबरा कर भाजपाई मानसिकता के लोग सरकार और सरकार की योजनाओं को कार्यान्वित करने वाले ईमानदार अधिकारियों पर मनगढ़ंत एवं झूठे लगा कर उन्हें बदनाम कर रहे हैं। इससे महागठबंधन की सरकार घबराने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूरी मजबूती से गरीबों और जरूरतमंदों का काम करती रहेगी। दूसरी ओर, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रदेश सचिव मनोज पासवान ने भी डीसी से प्रखंड सह अंचल कार्यालय में सक्रिय विचौलियों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग किया है। उन्होंने कहा है कि ये विचौलिए आम जनता को अधिकारियों तक पहुंचने नहीं देते हैं और भोली भाली जनता का दोहन करते हैं।

अंचल कार्यालय में मेगा लीगल कैंप 30 को

गम्हरिया। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में डालसा के तत्वावधान में आगामी 30 जून को मेगा लीगल कैंप का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए बीडीओ प्रवीण कुमार ने बताया गया कि उक्त कैंप में लोग अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं। कैंप में कई न्यायिक दंडाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस मौके पर लोग किसी भी प्रकार के कानूनी मामले की मुफ्त सलाह भी ले सकते हैं। इस दौरान कई लाभुकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्राप्त होगा। उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के लोगों से इस शिविर का लाभ उठाने की अपील किया है।

एफ टी एस युवा का प्लांट्स ऑन व्हील शुरू

जमशेदपुर। तुलसी भवन में मंगलवार को एफ टी एस युवा द्वारा पौधा वितरण कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिसके तहत 150 फलदार वृक्ष के पौधे जमशेदपुर प्रखंड के विभिन्न स्कूलों के लिए रवाना किये गये। अध्यक्ष रश्मि गर्ग ने बताया की विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एफ टी एस युवा जमशेदपुर ने अबतक दो कार्यक्रम किए हैं! पहला 100 पौधे लगाना, एवं पुधरोपन पर कार्यशाला लगाना। इसी कड़ी में आज प्लांट्स ऑन व्हील्स कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। जिसके तहत इस हफ्ते विभिन्न एकल विद्यालयों के प्रमुखों के बीच 150 फलदार पौधे बांटे जायेंगे। ये पौधे मुख्य रूप से मुसाबनी, घाटशिला, डुमरिया, पोटका एवं पटमदा के एकल विद्यालयों में लगाये जायेंगे। सचिव पीयूष चौधरी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच पेड़ लगाने को लेकर जागरूकता फैलाना है। इसके साथ ही फलदार वृक्ष कालांतर में विद्यालयों के लिए कमाई का एक जरिया भी बन सकते हैं। आज के कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गयी।

भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय है आपातकाल : अमर बाउरी

- भाजपा ने आपातकाल के विरोध में मनाया काला दिवस
- शहर के लोकतंत्र सेनानियों को किया सम्मानित, संगोष्ठी में शामिल हुए नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लागू आपातकाल के विरोध में भाजपा जमशेदपुर महानगर ने मंगलवार को काला दिवस मनाया। मानगो स्थित बड़ा हनुमान मंदिर सभागार में महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में 'लोकतंत्र की रक्षा-हमारा संकल्प' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में आपातकाल को भारतीय इतिहास का सबसे काला अध्याय बताते हुए लोकतंत्र की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले लोकतंत्र सेनानियों को स्मरण कर नमन किया गया। इस दौरान झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, कार्यक्रम के प्रभारी गुरविंदर सिंह सेठी, पूर्व विधायक मेनका सरदार, प्रदेश मंत्री नंदजी समेत अन्य नेतागण विशेष रूप से मौजूद रहे।

इससे पहले, भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल से गांधी मैदान तक पदयात्रा कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि 25 जून, 1975 की मध्यरात्रि में लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे कलंकित अध्याय है। 25 जून 1975 की मध्य रात्रि को भारत के इतिहास में एक ऐसा काला अध्याय लिखा दिया गया था जिसका आभास शायद ही किसी को रहा होगा। उस रात की कालिमा ने भारतीय लोकतंत्र पर 21 महीने तक ग्रहण लगा दिया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सह नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी।

उन्होंने कहा कि 49 वर्ष पूर्व आज ही के दिन भ्रष्टाचार, शिक्षा में गिरावट और अपनी सत्ता को बचाये रखने के लिए देश पर आपातकाल थोप दिया गया था। आपातकाल की घोषणा के साथ ही देश को गैर-लोकतांत्रिक मोड में धकेल दिया। लोगों की स्वतंत्रता पर रोक लगा दी थी। कुछ ही मिनटों में तत्कालीन कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने भारतीय संविधान का लगभग अपहरण ही कर लिया था। इसमें श्रद्धेय अटल बिहारी, लाल कृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई और लोकनायक जयप्रकाश नारायण समेत देश के विपक्षी नेताओं, आरएसएस व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को जेल में भर दिया गया और नागरिकों के मौलिक अधिकारों सहित सभी संवैधानिक अधिकारों को जबरन हटा दिया।

अमर बाउरी ने कहा कि जिस संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी सत्ता में आसीन हुई थी, उस सिहांसन को बचाये रखने के लिए उसी संविधान पर ताला लगा दिया। प्रेस को झुकाया गया, उसपर सेंसरशिप लगायी गयी। मीसा और डीआईआर के तहत देश में एक लाख से ज्यादा लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। उस समय इंदिरा गांधी के सबसे बड़े सलाहकार संजय गांधी के गलत निर्णय के कारण देशभर में लोगों को जबरदस्ती पकड़कर नसबंदी कार्यक्रम को चलाया गया, जिसमें हजारों लोगों की जान चली गयी।

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि आज कई राजनीतिक पार्टी यह प्रचारित करने में लगी रहती हैं कि लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में है। ऐसा कहने वालों को आपातकाल का वो काला दौर याद करना चाहिए कि सत्ता के लालच में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश को क्रूरतापूर्वक इमरजेंसी की बेड़ियों में कैद कर दिया था।

अमर बाउरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पंच निष्ठा में एक निष्ठा मजबूत लोकतंत्र भी है। इसी लोकतंत्र की भावना को भारत रत्न डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के आदर्शों के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 10 साल के शासनकाल में सफल नीतियों और योजनाओं से चरितार्थ किया है। हमें ऐसे राजनीतिक दल और वंशवादी पार्टियों से भी सावधान रहना होगा, जो सत्ता सुख के लिए लोकतंत्र और संविधान को एक झटके में खत्म कर देते हैं।

वहीं, कार्यक्रम के प्रभारी गुरविंद्र सिंह सेठी ने कहा कि आपातकाल दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय था।

जीएसटी घोटाले में जमशेदपुर के व्यवसायी बबलू जायसवाल अरेस्ट

- दिसंबर 2023 से अब तक जीएसटी इंटेलीजेंस के हत्थे चढ़ चुके हैं 5 कारोबारी

विशेष संवाददाता

जमशेदपुर। जीएसटी इंटेलिजेंस ने करीब 4000 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले में प्याज के छिलके की तरह परत दर परत उघाड़ना शुरु कर दिया है। इस घोटाले के मामले में जमशेदपुर से एक और गिरफ्तारी की है। मंगलवार को इस मामले में व्यावसायिक ज्ञानचंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल को जीएसटी इंटेलिजेंस ने गिरफ्तार कर आज जेल भेज दिया। जीएसटी विभाग के अधिकारियों के अनुसार गुप्ता बंधुओ ने अपनी सेल कंपनियों के जरिए बड़े व्यापारियों से करोड़ों रुपए का लेनदेन दिखाया है इसमें से एक कंपनी जमशेदपुर के नामी उद्योगपति ज्ञानचंद जायसवाल की शारदा एंडेवर है जिससे पूरे घोटाले के कर्ताधर्ता गुप्ता बंधुओ ने 25 करोड रुपए का लेनदेन दिखाया है।

बबलू जायसवाल को गत सोमवार की देर शाम को पहले जीएसटी के साक्षी स्थित इंटेलिजेंस विभाग के कार्यालय में बुलाया गया उनसे कई दौर में बातचीत की गई इसके बाद उनको हिरासत में ले लिया गया। हिरासत में लेने के बाद मंगलवार की दोपहर 12 बजे एमजीएम अस्पताल में स्वास्थ्य जांच करने के बाद जमशेदपुर कोर्ट में पेश किया गया और वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बबलू जायसवाल को जेल भेजने से पूर्व एमजीएम अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के लिए ले जाते।

बता दे इस मामले में पहले सबसे पहले जमशेदपुर से विक्की भालोठिया नामक व्यापारी को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद मुंबई के श्री शिवकुमार देवड़ा और उसके बाद कोलकाता साल्ट लेक से अमित गुप्ता और सुमित गुप्ता नाम के दो कारोबारी भाइयों को गिरफ्तार किया गया। अब पांचवीं गिरफ्तारी बबलू जायसवाल की हुई है ।

जीएसटी इंटेलिजेंस के सूत्रों के अनुसार जमशेदपुर में ऐसी दर्जनों कंपनियां है जिसमें फर्जी तरीके से लेनदेन किया जा रहा है। जांच में पाया गया की 100 से ज्यादा कंपनियां ऐसी है जिसमें फर्जी तरीके से लेनदेन हो रहा है। अब तक इन कंपनियों में 3000 से ज्यादा के लेनदेन सामने आये हैं।

जमशेदपुर में ही 150 करोड रुपये से ज्यादा का जीएसटी घोटाला सामने आया है इस घोटाले के बाद एक टीम का गठन किया गया जिसमें सीनियर इंटेलिजेंस ऑफीसर रोशन कुमार मिश्रा, इंटेलिजेंस ऑफीसर दिनेश कुमार, राजीव रंजन और राजेश कुमार शामिल थे। सबसे पहले इसी महीने में कई और गिरफ्तारियां की जा चुकी है सबसे पहले गिरफ्तार विकी भालोटिया और शिव कुमार देवड़ा को अदालत से जमानत मिल गयी है।

एक नजर में

गरुड़बासा का विधायक मंगल कालिंदी ने किया दौरा, लोगों की समस्याओं से हुए अवगत

जमशेदपुर। जमशेदपुर प्रखंड हुरलुंग पंचायत अंतर्गत गरुड़बासा में पहाड़ पर स्थित शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण करने और सीढ़ी बनाने हेतु मांग काफी दिनों से स्थानीय लोग कर रहे थे जिसको संज्ञान में लेकर आज जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी गरुड़बासा पहुंचे और क्षेत्र का दौरा किया और पहाड़ पर स्थित शिव मंदिर पहुंचकर दर्शन भी किये। विधायक ने क्षेत्र वासियों को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द मंदिर में सौंदर्यीकरण और सीढ़ी का निर्माण करवाया जाएगा ताकि स्थानीय लोगों को मंदिर में दर्शन करने पर कठिनाइयां ना हो। मौके पर क्षेत्र में नाली और अन्य समस्या से भी स्थानीय लोगों ने विधायक को अवगत कराया उसका भी जल्द से जल्द समाधान करवाने का विधायक ने आश्वासन दिया। मौके पर रमेश लोहार, आशा देवी, भरत चौधरी, अरुण सिंह, सुनील लोहार, शिवचरण सिंह आदि स्थानीय लोग उपस्थित थे।

सूर्य मंदिर परिसर में चल रहे रुद्र महायज्ञ में शामिल हुए भाजपा नेता अमर बाउरी

जमशेदपुर। सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर में सूर्य मंदिर समिति के 11 दिवसीय रुद्र महायज्ञ में झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सह चंदनकियारी के विधायक अमर बाउरी शामिल हुए। इस दौरान संध्या आरती में सम्मिलित होकर उन्होंने क्षेत्र के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। अमर बाउरी ने सूर्य मंदिर समिति के सदस्यों के संग मंदिर परिसर का भी भ्रमण किया। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता गुरविंदर सिंह सेठी, सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, रामबाबू तिवारी, दिनेश कुमार, गुंजन यादव, अमरजीत सिंह राजा, शैलेश गुप्ता, रूबी झा, कंचन दत्ता, प्रेम झा, संतोष ठाकुर, अभिमन्यु सिंह, काजू शांडिल, साकेत कुमार, पुष्पेंद्र मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

करीम सिटी कॉलेज में उर्दू कविता प्रतियोगिता 'बैत बाजी' का आयोजन

जमशेदपुर। मंगलवार को करीम सिटी कॉलेज के ऑडिटोरियम में सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ आर्ट एंड कल्चर (स्पार्क) के द्वारा बैत बाजी (उर्दू कविता प्रतियोगिता) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कथाकार और लेखक डॉ अख्तर आजाद थे। कार्यक्रम के निर्णायक सैयद बद्र अहमद और अनवर अदीब थे। कार्यक्रम का आगाज कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ मोहम्मद रेयाज द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। आज की बैत बाजी में 7 टीमों ने भाग लिया। गौहर अजीज (प्रोफेसर, उर्दू विभाग) ने प्रतियोगिता का संचालन किया। बैत बाजी के विजेता का खिताब इंजमाम अजीज और सदफ अत्तारिया की टीम टीम दाग ने और उपविजेता का खिताब सफदर हारून और नाफिया निशात की टीम टीम फैज ने जीता। उत्कृष्ट प्रदर्शन का पुरस्कार इंजमाम अजीज को दिया गया। मंच का संचालन सना वकील ने किया। पुरस्कार वितरण डॉ एस एम याहिया इब्राहीम द्वारा किया गया। कॉलेज के सचिव डॉ मोहम्मद जकारिया ने मुख्य अतिथि को मोमेंटो और धन्यवाद पत्र भेंट किया। आज का यह कार्यक्रम बहुत रोचक रहा।

पुल और सड़क निर्माण को लेकर विभागीय मंत्री से मिलीं विधायक सविता महतो

चांडिल। ईचागढ़ विधायक सविता महतो सोमवार को जल संसाधन, पथ निर्माण व भवन निर्माण विभाग के मंत्री बसंत सोरेन से रांची स्थित उनके आवास पर मुलाकत कर ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में कैनाल पुल व सड़क निर्माण को लेकर विभागीय मंत्री को मांग पत्र सौपा। मांग पत्र में विधायक ने चांडिल प्रखंड के हुमिद करमगोड़ा गांव के समीप जर्जर कैनाल पुल का निर्माण, चैनपुर गांव के समीप जर्जर कैनाल पुल निर्माण मांग किया। साथ ही उन्होंने आदरडीह मिलन चौक रोड एन एच 32 आदरडीह से लेकर मिलनचौक तक 32 किमी सड़क का निर्माण आईआरक्यूपी के तहत कराने, एन एच 33 चौका से पातकुम पुल ईचागढ़ तक 9 किमी सड़क का निर्माण आईआरक्यूपी के तहत कराने व चांडिल से मानिककुई होते हुए गिदीबेड़ा टोल ब्रिज तक लगभग 7 किमी सड़क निर्माण का मांग किया। साथ ही विधायक सविता महतो ने घोड़ालिंग मौजा के ग्रामीणों के अभ्यावेदन पर कारवाई की भी मांग की। इस दौरान विभागीय मंत्री बसंत सोरेन ने विधायक को आश्वासन दिया कि जल्द ही जर्जर पुल व सड़को का निर्माण जल्द किया जाएगा। किया इस अवसर पर विधायक के साथ झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, समीर महतो, अमीन कुमार महतो, कमल महतो, बृहस्पति टुडू, दीपक महतो आदि उपस्थित थे।

आनंदमार्गी-संन्यासियों ने इमरजेंसी के खिलाफ कर लिया था आत्मदाह

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। 25 जून आपातकाल को काले दिन के रूप में याद करते हुए आनंदमार्गियों ने आपातकाल के दौरान आनंदमार्गियों पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध गुरु श्री श्री आनंदमूर्ति जी पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध में सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए देश-विदेश में अपने आराध्य के कष्ट को शहर ना करते हुए आत्मदाह कर दिया। एक दर्जन से भी ज्यादा साधु संन्यासियों ने आपातकाल के दौरान अत्याचार के विरुद्ध में आत्मदाह किया। उन दिवंगत त्यागी सन्यासियों एवं सन्यासिनियों को ईश्वरप्रणिधान के बाद श्रद्धा सुमन अर्पित किया। जमशेदपुर के सभी यूनिटों में यह कार्यक्रम हुआ।

इस अवसर पर कुछ आनंदमार्गियों ने ब्लड सेंटर में रक्तदान कर उन दिवंगत आत्माओं को रक्तदान कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। 25 जून 1975 को लगाये गये आपातकाल के विरोध में काला दिवस के रूप में मनाते हैं। आनंद मार्ग प्रचारक संघ के जनसंपर्क सचिव सुनील आनंद ने कहा कि 25 जून 1975 को पूरे भारतवर्ष में इमरजेंसी लगा दिया गया। आनंद मार्ग के लगभग एक सौ से भी ज्यादा संगठनों को बैन कर दिया गया, अनुयायियों को जेल भेजा गया एवं उन पर सबसे ज्यादा अत्याचार किया गया।

इंदिरा गांधी ने आपात काल लगा कर भारतीय संविधान को कलंकित किया : डॉ जटाशंकर

खबर मन्त्र ब्यूरो

कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ जटाशंकर पांडेय।

चाईबासा/जमशेदपुर। मंगलवार को चाईबासा स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष संजय पांडे की अध्यक्षता में आपातकाल के खिलाफ एक प्रतिवाद सभा का आयोजन किया गया जिसे भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य डा जटाशंकर पांडेय ने विशेष रुप से संबोधित किया। डॉ जटाशंकर पांडेय ने कहा कि 25 जून काला दिन है। इसी दिन 1975 को भारत देश के अहंकारी कांग्रेस पार्टी के प्रधानमान्त्री इंदिरा गांधी ने 25 जून को पूरे देश मे अलोकतांत्रिक तरीके से आपातकाल लगा कर देश के संविधान को कलंकित किया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इंदिरा गांधी को भ्रट्राचार में लिप्त होने पर उन्हें दोषी करार दिया था, जिस कारण उनका निर्वाचन रद्द हो गया और अगले 6 साल के लिए उन्हें किसी भी चुनाव लड़ने से रोक लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने केवल उन्हें प्रधानमंत्री बने रहने का राहत दिया, जिस पर विचलित होकर इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को अलोकतांत्रिक तरीके से भारत देश मे आपातकाल लगा दिया जो आजाद भारत के इतिहास में एक काला इतिहास बन गया।

डॉ पांडेय ने कहा कि आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी की तानाशाही रवैये इतनी उग्र हो गई कि देश की जनता त्राहिमाम त्राहिमाम करने पर विवश हो गयी। जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी बाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जार्ज फेर्नांडिश जैसे दिग्गज नेताओं को रातों रात बंदी बना लिया गया। पूरे देश मे लाखों नेताओं को जेल में डाल दिया गया।

क्षेत्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता 2024 के जूनियर वर्ग में 26 स्कूलों ने लिया भाग

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। आर वी एस अकादमी, डिमना रोड, मानगो, जमशेदपुर ने 25 जून, 2024 को जूनियर वर्ग के लिए ए एस आई एस सी क्षेत्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। वाद-विवाद का विषय था, क्या ऑनलाइन शिक्षा पारंपरिक शिक्षा जितनी प्रभावी है, इस विषय पर प्रतिभागियों ने गहन तर्क दिये।

इस कार्यक्रम में सी आई एस सी ई से संबद्ध 26 विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में आरवीएस अकादमी के चेयरमैन बिंदा सिंह, कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, कार्यकारी समिति के सदस्य शक्ति सिंह, प्राचार्य वीशा मोहिंद्रा, उप प्राचार्य अनीता तिवारी सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों और छात्रों सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। जुस्को स्कूल कदमा की प्राचार्य झुमझुमी नंदी ने वाद-विवाद की मॉडरेटर के रूप में कार्य किया।

घर-घर जाकर मतदाता सूची का पुनरीक्षण करेंगे : अनन्य मित्तल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई । बैठक में मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों से सहयोग की अपील की गयी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार 25 जून से 24 जुलाई तक मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत बीएलओ घर-घर जा कर मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य करेंगे। इसी क्रम में राजनीतिक दलों से अपेक्षा है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करें।

एसडी सिंह की स्मृति में 375 यूनिट रक्त संग्रह, रक्तदाता सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते दिवाकर सिंह और प्रभाकर सिंह और एसडी सिंह की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि देते मेजबान और मेहमान।

जमशेदपुर। एसडीएसएम. स्कूल फॉर एक्सीलेंस में सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्वर्गीय एसडी सिंह जी की 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रातः 9 बजे से संध्या 4 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन विद्यालय प्रेक्षागृह में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं शिक्षाविद् एसडी. सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित की गई। तत्पश्चात् अध्यक्ष दिवाकर सिंह, प्राचार्या मौसमी दास, प्रभाकर सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप-प्रज्ज्वलित एवं मंत्रोच्चारण कर किया गया।

पूर्वी जमशेदपुर के विधायक सरयू राय ने रक्तदाताओं को डोनर सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ सुधाकर सिंह, चन्द्रगुप्त सिंह, शिव शंकर सिंह, विजय खां, भाजपा नेता विनोद सिंह, रामाश्रय प्रसाद, संजय सिंह, वाईपी सिंह, सेंट्रल गुरूद्वारा प्रबंधक कमिटि के चेयरमैन शैलेन्द्र सिंह ने भी रक्तदाताओं को सम्मानित किया।

रक्तदान महादान है जो किसी भी व्यक्ति के जीवन को सुरक्षित रखने में अपनी अहम् भूमिका निभाता है। इसी सामाजिक दायित्व के निर्वहन के क्रम में विद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष जनकल्याण हेतु रक्तदान षिविर का आयोजन रेड क्रॉस सोसाईटी एवं जमषेदपुर ब्लड बैंक सेंटर के सहयोग से किया जाता है।

कुल 375 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। यह शिविर एसडी सिंह मेमोरियल एडुकेशनल फाउंडेशन (ट्रस्ट) के बैनर तले विद्यालय अध्यक्ष श्री दिवाकर सिंह के देख-रेख में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मौके पर दिवाकर सिंह ने रेडक्रॉस के सचिव विजय कुमार सिंह के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।

नीट प्रश्न-पत्र लीक मामले में सीबीआई ने विशेष अदालत को सौंपी अपनी एफआइआर

एजेंसी

पटना। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 के प्रश्न-पत्र लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपनी दर्ज की गई प्राथमिकी आज पटना स्थित विशेष अदालत को सौंप दी। सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी पटना स्थित ब्यूरो की विशेष अदालत को सौंपी है। सीबीआई ने यह प्राथमिकी पटना के शास्त्री नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर दर्ज की है, जिसमें उक्त प्राथमिकी में दर्ज अभियुक्तों के अलावा अन्य

को भी अभियुक्त बनाया है। सीबीआई ने विशेष अदालत में आज दो आवेदन भी दाखिल किए हैं। एक आवेदन इस मामले के जेल में बंद अभियुक्तों की इस मामले में पेशी के लिए और दूसरा आवेदन जेल में बंद अभियुक्तों से पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड के लिए दिया है। दोनों आवेदन पर सुनवाई 26 जून 2024 को होगी। इस बीच इस मामले के जेल में बंद अभियुक्तों की पटना के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र कुमार सिन्हा की अदालत में लंबित आठ जमानत याचिकाओं में से दो अभियुक्तों की जमानत याचिका आज वापस ले ली गई है। बाकी बचे छह अभियुक्तों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 02 जुलाई 2024 की तिथि निश्चित की गई है। दूसरी ओर इस मामले में अभियुक्त बनाए गए संजीव कुमार की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 15 जुलाई 2024 की तिथि पूर्व से निश्चित है। इसी अदालत ने इस अभियुक्त का नाम प्राथमिकी में नहीं होने के करण केस डायरी और आपराधिक इतिहास पेश किए जाने तक उसके खिलाफ कार्रवाई किए जाने पर रोक लगा दी थी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के आदेश के बाद सीबीआई ने इस मामले में पटना के शास्त्रीनगर थाना में दर्ज प्राथमिकी संख्या 358/2024 के आधार पर 23 जून 2024 को अपनी प्राथमिकी आरसी 224/2024 भारतीय दंड विधान की धारा 120 बी, 406, 407, 408 और 409 के तहत दर्ज की है और मामले का अनुसंधान अपने हाथ में ले लिया है।

महागठबंधन सरकार में जारी 826 करोड़ के 350 टेंडर रद्द

पटना। बिहार की नीतीश सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग में हुए 826 करोड़ के 350 टेंडर में धांधली होने के चलते रद्द कर दिया है। ये सभी टेंडर महागठबंधन सरकार के कार्यकाल में जारी हुए थे। जिन्हें अब रद्द कर दिया गया है। पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार बबलू ने बताया कि महागठबंधन सरकार के कार्यकाल के दौरान लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) में हुए 826 करोड़ रुपये के 350 टेंडर रद्द कर दिए गए हैं। ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था के लिए टेंडर हुए थे। अब नए सिरे से टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान प्रक्रिया में अनियमितता पाए जाने के चलते टेंडर रद्द किए गए हैं। अभी जांच चल ही रही है। मुख्यमंत्री के हर घर नल का जल के संकल्प को पूरा करने के लिए जल्द ही नए सिरे से टेंडर किए जाएंगे। आपको बता दें कि 17 महीने के कार्यकाल के दौरान महागठबंधन सरकार ने 4600 करोड़ रुपये के 1160 टेंडर किए थे। उस समय विभाग के मंत्री ललित यादव थे। एनडीए सरकार के गठन के बाद ही इन टेंडर में गड़बड़ी की शिकायत मिल रही थी। अब इस मामले में कार्रवाई शुरू हो गई है। नल-जल योजना नीतीश सरकार के महत्वाकांक्षी सात निश्चय में से एक है। ये टेंडर उस वक्त के हैं, जब ललित यादव के पीएचईडी मंत्री रहते हुए स्वीकृत किए गए थे।

पेज एक का शेष

सत्तापक्ष और विपक्ष में ...

वहीं भाजपा ने अपने सभी लोक सभा सदस्यों को 26 जून को सदन में उपस्थित रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है।

सरकार की नीयत साफ नहीं , राहुल का आरोप : इंडिया समूह ने आरोप लगाया है कि पीएम मोदी ने पहले उपाध्यक्ष पद देने का वादा कर सबके सहयोग से सरकार चलाने की बात की थी, बाद में सहमति नहीं दी। राहुल गांधी ने इस मामले में पीएम मोदी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा नरेंद्र मोदी कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। ये इनकी रणनीति है लेकिन इन्हें इसे बदलना ही पड़ेगा। पूरा देश जानता है कि मोदी के शब्दों का कोई मतलब नहीं है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने लगाया है कि वह सबके साथ चलकर सहमति की बात करते हैं लेकिन उनके काम इसके ठीक विपरीत होते हैं। उन्होंने कहा, सोमवार को कल राजनाथ सिंह जी ने कहा कि आप हमारे स्पीकर पद के उम्मीदवार का समर्थन कीजिए। हम स्पीकर का समर्थन करने को तैयार हैं लेकिन संसदीय परंपरा के अनुसार उपसभापति विपक्ष का होना चाहिए। राजनाथ सिंह जी ने कहा कि वह दोबारा फोन करेंगे लेकिन अभी तक फोन नहीं आया। वहीं के सी वेणुगोपाल ने सरकार पर उप स्पीकर का पद विपक्ष को देने में आनाकानी करने का आरोप लगाया। सीपीआई (एम) नेता वृंदा करात ने सरकार के इनकार पर नाराजगी जाहिर की।

लेनदेन की शर्त निराशाजनक : एनडीए : संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को कहा कि अध्यक्ष किसी पार्टी के लिए नहीं होता, यह सदन के कामकाज के लिए होता है, और यह निराशाजनक है कि कांग्रेस ने किसी को नामित किया है। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदों का यह लेन-देन सही नहीं है। कांग्रेस ने यह शर्त रखी, यदि उन्हें उपाध्यक्ष का पद मिलता है, तो वे अध्यक्ष पद के लिए हमारे उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। रिजिजू ने कहा कि हमने अध्यक्ष पद के बारे में विपक्ष के सभी फ्लोर नेताओं से बातचीत की। अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से होता है। अध्यक्ष पद के लिए कभी कोई चुनाव नहीं हुआ है।

विपक्ष डील कर रहा : शिवसेना : शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि सभी गठबंधन सहयोगियों ने स्पीकर पद के लिए ओम बिड़ला का नाम सुझाया था। उन्होंने बहुत बढ़िया काम किया है। हालांकि, विपक्ष ने डिप्टी स्पीकर पद के लिए तुरंत नाम घोषित करने के लिए एक डील पेश की है, मुझे नहीं लगता कि लोकतंत्र शर्तों पर चलता है। वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा- अगर चुनाव होंगे भी तो यह तय है कि ओम बिड़ला जीतेंगे। यह किसी पार्टी का नहीं अध्यक्ष का चुनाव सदन का चुनाव है। मुझे याद नहीं पड़ता कि आजादी के बाद अध्यक्ष पद के लिए कोई चुनाव हुआ हो। विपक्ष जिस तरह से शर्तें लेकर आया है कि उन्हें उपसभापति का पद चाहिए, वह ठीक नहीं है। अगर चुनाव होंगे भी तो यह तय है कि वह (ओम बिड़ला) जीतेंगे।

सेना में अलग ...

टेरिटोरियल आर्मी के प्रस्ताव पर सरकार सहयोग देगी : लेफ्टिनेंट जनरल तिवारी ने झारखंड में भी पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन का प्रस्ताव रखा। इसपर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में सेना द्वारा प्रस्ताव मिलने पर सरकार पूरा सहयोग करेगी। ज्ञातव्य है कि सेना के इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी में भूतपूर्व सैनिक होते हैं, जो पर्यावरण के लिए कार्य करते हैं। झारखंड में इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में सेना भी बड़े स्तर पर अपना योगदान कर सकेगी। खासकर इस राज्य के भौगोलिक परिवेश को देखते हुये जंगलों और खनन क्षेत्र में वृक्षारोपण और अन्य माध्यमों से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार का आभार जताया : लेफ्टिनेंट जनरल तिवारी ने डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सहयोग के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने बताया कि डुरंड कप एशिया की सबसे पुरानी और विश्व की दूसरी सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता है। इस बार जमशेदपुर की मेजबानी में इस प्रतियोगिता का आयोजन होना है। इसमें राज्य सरकार हर स्तर पर सहयोग कर रही है। मौके पर सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, लेफ्टिनेंट जनरल राजेंद्र पुरी, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, कर्नल वीएस आडकर और मेजर जनरल एमपी सिंह मौजूद थे।

नक्सली के शक में...

तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी इस घटना को संज्ञान में लेते हुए ट्वीट कर पुलिस अधिकारियों को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। प्रार्थी का यह भी कहना था कि जिस थाना में उसने रंजीत कुमार यादव के खिलाफ मामला दर्ज है, उसके वे थाना प्रभारी थे। ऐसे में उस थाने में मामले की जांच की निष्पक्षता पर भी सवाल उठेगा। इसलिए मामले को सीआईडी या किसी स्वतंत्र एजेंसी को दिया जाए।

दरअसल, लातेहार के छिपादोहर थाना क्षेत्र निवासी अनिल कुमार सिंह को 22 फरवरी 2022 को गारू थाना पुलिस ने उठाया था। उसे गारू थाना में ले जाकर थाना प्रभारी रंजीत कुमार यादव ने 2 दिनों तक उसके साथ काफी बर्बरता की थी। बाद में पुलिस ने कहा कि पहचानने में गलती हुई है, गलती से उसे उठाया गया है।

सीबीआइ ने विशेष...

रिमांड पर आज सुनवाई : सीबीआइ ने विशेष पटना की अदालत में मंगलवार दो आवेदन भी दाखिल किये हैं। एक आवेदन इस मामले में जेल में बंद अभियुक्तों की पेशी के लिए और दूसरा आवेदन जेल में बंद अभियुक्तों से पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड के लिए दिया है। दोनों आवेदन पर सुनवाई 26 जून 2024 को होगी। 5 मई को पूरे देश में एक साथ आयोजित की गयी थी। इसी दौरान पटना के शास्त्री नगर थानाध्यक्ष अमर कुमार ने उक्त परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के आरोप में एक प्राथमिकी तहत शास्त्री नगर थाना में स्व लिखित बयान के आधार पर दर्ज करायी थी।

दो जमानत याचिका वापस : इस मामले के जेल में बंद अभियुक्तों की पटना के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र कुमार सिन्हा की अदालत में लंबित आठ जमानत याचिकाओं में से दो अभियुक्तों की जमानत याचिका मंगलवार वापस ले ली गयी है। बाकी बचे छह अभियुक्तों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 2 जुलाई की तिथि तय की गयी है। इस मामले में अभियुक्त बनाये गये संजीव कुमार की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तिथि तय है।

हाईलेबल कमेटी की पहली बैठक : इस मामले की जांच करने को गठित विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति की पहली बैठक में मजबूत परीक्षा प्रणाली विकसित करने पर चर्चा हुई। पैनल की पहली प्राथमिकता अभिभावकों और छात्रों से उनकी चिंताओं और सुझावों को जानना होगा। पैनल दो महीने के भीतर शिक्षा मंत्रालय को अपनी सिफारिशें सौंपेगा। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सिफारिशें करने के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञों की सात सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति, पूर्व इसरो अध्यक्ष के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में गठित की गयी है।

दिल्ली से आकर ...

लेकिन इस बार भाकपा माले को भी जगह दिया जाना है। लिहाजा, इस विषय पर भी चर्चा हुई है। लोकसभा चुनाव खत्म होते ही झारखंड में सभी पार्टियां विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गयी हैं। भाजपा ने तो केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को चुनाव प्रभारी और असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को सह चुनाव प्रभारी बनाकर रणनीति की कमान तक सौंप दी है। सूत्रों ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्री आलगमीर आलम ने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद एक मंत्री का पद खाली हुआ है। विधायक दल के नेता का पद भी खाली है। ऐसे में नये मंत्री को लेकर भी बातचीत हुई। दूसरी ओर, बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के बाद की परिस्थितियों पर चर्चा के लिए कल्पना और गुलाम ने हेमंत सोरेन से जेल में मुलाकात की। इससे पहले इसी महीने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने होटवार जेल में हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी।

स्पीड न्यूज

केतार पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

जब्त वाहन।

केतार। केतार पुलिस ने मंगलवार को दोपहर में थाना गेट के समीप दो पहिया वाहन जांच अभियान चलाकर सात बाईक को बिना हेलमेट का चलाते हुए पकड़ कर चालान किया है। इसकी जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने बताया कि वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अगले आदेश तक लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी दो पहिया वाहन चालक हेलमेट पहन कर वाहन चलाए, अपने साथ वाहन का कागजात साथ रखें, वाहन चलाते समय नशा पान नहीं करें अन्यथा पकड़े जाने पर कार्रवाई की जाएगी। वाहन जांच अभियान में एएसआई वेंकेटेश वर्मा सहित थाना के शस्त्र बल शामिल थे।

शिकायत के बाद पंचायत सचिव का स्थानांतरण

भवनाथपुर। प्रखंड के भवनाथपुर पंचायत के लाभुकों के द्वारा बीडीओ से लिखित शिकायत के बाद पंचायत सचिव विष्णु प्रसाद को भवनाथपुर पंचायत से हटाते हुए चपरी पंचायत में स्थानांतरण किया गया है। जबकि भवनाथपुर में नवनीत कुमार को प्रभार दिया गया। बताते चलें कि भवनाथपुर के एक दर्जन लाभुको ने पंचायत सचिव विष्णु प्रसाद पर आचरण के विरुद्ध कार्य करने को लेकर लिखित आवेदन देकर पंचायत से अविलंब हटाने की मांग किया था। दिए आवेदन में लाभुक शिव शंकर राम, सुरेश कुमार, अमृत कुमार, रामशंकर मेहता, नागवंत मेहता, अजित यादव, अमित कुमार, विजय राउत, रघुनाथ राम, राम जन्म राम, जनक राउत सहित अन्य दर्जनों लाभुकों ने उल्लेख किया था कि पंचायत सेवक विष्णु प्रसाद का लाभुकों के साथ व्यवहार अच्छा नहीं है। लाभुकों को अनावश्यक परेषान करना इनका प्रतिदिन का कार्य है।

जमुई में वज्रपात से सात साल के बच्चे की मौत, दो झुलसे

जमुइ। बिहार में जमुई जिले के सिमुलतल्ला थाना क्षेत्र में मंगलवार की दोपहर वज्रपात से सात वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी, तथा दो अन्य झुलस गये। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि कनौदी गांव के पिपराडीह टोला के कुछ बच्चे जामुन पेड़ के नीचे जामुन चुन रहे थे,तभी वज्रपात हुआ। इस घटना में कुर्बान अंसारी के पुत्र फैजान अंसारी (07) की मौत हो गयी, जबकि दो अन्य बच्चे शाहिद अंसारी और महबूब अंसारी झुलस गया।

लुटेरा गिरोह के सरगना को पुलिस ने किया गिरफ्तार, गांजा बरामद

गया। बिहार में गया जिला पुलिस ने एक लुटेरा गिरोह के सरगना अमरजीत कुमार को गिरफ्तार कर गांजा समेत अन्य सामान बरामद किया है। वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती ने आज बताया कि गिरफ्तार अपराधी लुटेरा गिरोह का सरगना है। कई लूट कांड में पुलिस को इसकी तलाश थी। गुप्त सूचना के आधार पर शेरघाटी थानाक्षेत्र के सगाही से अमरजीत को गिरफ्तार किया गया है जो बस के माध्यम से फरार होने के फिराक में था।

ट्रक की चपेट में आने से स्कूल के कर्मचारी की मौत

भागलपुर। बिहार में भागलपुर जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह ट्रक की चपेट में आने से स्कूल के कर्मचारी की मौत हो गयी। कहलगांव के प्रभारी अनुमंडल पदाधिकारी मोहम्मद सरफराज नवाज ने यहां बताया कि कहलगांव शहर में सुबह गिट्टी लदे ट्रक की चपेट में आने से स्कूल के कर्मचारी जय शंकर झा (58) की मौत हो गयी। मृतक स्कूल कर्मचारी अनादीपुर गांव का निवासी था। वह स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में काम करता था। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक का चालक और खलासी वाहन छोड़कर फरार हो गया है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसे में पिता-पुत्र समेत तीन की मौत

एजेंसी

सारण। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बोलेरो और कार की टक्कर में सारण जिले के तरैया क्षेत्र अंतर्गत भटोरा गांव निवासी एक ही परिवार के पिता और पुत्र सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि अन्य तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए है। हादसे का शिकार परिवार फरीदाबाद से बेटी की अस्थियां लेकर अपने गांव सारण के तरैया आ रहा था।

मृतकों में 45 वर्षीय सत्येंद्र सिंह, जबकि उनके 25 वर्षीय पुत्र अनूप कुमार सिंह और 25 वर्षीय कार चालक मदन सिंह उर्फ साहेब कुमार शामिल हैं। कार चालक मदन सिंह, सत्येन्द्र सिंह के साला का बेटा बताया जाता है। वहीं घायलों में सत्येन्द्र सिंह की पत्नी सुमन देवी और भतीजा सुबोध सिंह शामिल हैं। सत्येंद्र सिंह फरीदाबाद से मारुति सुजुकी कार से घर आ रहे थे। जबकि बोलेरो इटावा से आगरा आ रही थी। पुलिस के मुताबिक दोनों गाड़ियों में कुल 7 लोग सवार थे। इनमें से चार लोगों को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज चल रहा है। वहीं तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस ने घायलों से पूछताछ कर उनके परिजनों को सूचित कर दिया है। सभी मृतक सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र अंतर्गत भटौरा गांव के एक ही परिवार के तीन लोग बताए जाते हैं। जिनकी मौत सड़क दुर्घटना में आगरा में हो गई है। जबकि दो लोगो की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस द्वारा परिजनो को मिली तो घटना की सूचना पाकर परिवार के अन्य सदस्य बेसुध अवस्था में आगरा के लिए रवाना हो गए है। इस घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा छाया हुआ है। वही एक साथ परिवार के तीन सदस्यों की मौत के बाद गांव का माहौल गमगीन बना हुआ है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

आठ सूत्री मांगों को लेकर आमरण अनशन शुरू

खबर मन्त्र संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड में अबुआ आवास में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं गड़बड़ी को लेकर भवनाथपुर पंचायत समिति सदस्य सह पंचायत समिति सदस्य संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष चन्दन कुमार ठाकुर ने आठ सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में आमरण अनशन शुरू कर दिया। पंसस चन्दन ठाकुर ने बताया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही अबुआ आवास योजना में पारदर्शिता नहीं रहने के कारण योग्य एवं जरूरत मंद लोगों को आवास का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आवास का जियो टैग करने का काम सरकार द्वारा चुने गए स्वयंसेवक का है लेकिन स्वयंसेवक से कार्य नहीं कराया जा रहा है। अबुआ आवास के प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन सभी पंचायत सचिवालय में दीवार लेखन कर नहीं

अनशन पर बैठे लोग।

कराने से उपरोक्त योजना में भ्रटाचार हावी है। जिसके चलते गरीब, गृह विहीन, दिव्यांग, आवास विहीन लोगों को अबुआ आवास का लाभ नहीं मिल रहा है। सभी पंचायतों में मनरेगा योजना में पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड सदस्य के जानकारी के बिना योजना का संचालन हो रहा है। उपरोक्त जनप्रतिनिधियों के जानकारी के बिना योजना का कार्य होने से मनरेगा में भ्रटाचार हावी है। पंसस ने बताया कि उपरोक्त मुद्दों को लेकर कई बार अधिकारियों को आवेदन दिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए में बाध्य होकर ग्रामीणों के साथ आमरण अनशन पर बैठे है। यह अनशन मांगे पूरी होने तक चलते रहेगा। मौके पर मनोज पहाड़िया, अरसली दक्षिणी पंसस शकील अहमद, सुरेश गुप्ता, दयानन्द यादव, ब्रह्मदेव चंद्रवंशी, वार्ड सदस्य मनोज बैठा, घनश्याम शुक्ला, दयानंद प्रजापति, महेंद्र बैठा, विनोद पासवान, सुरेश प्रजापति, उर्मिला देवी, सरिता देवी, रीना देवी, प्रभादेवी, लक्ष्मी देवी, गुड्डी देवी, प्रतिमा देवी आदि मौजूद थे।

सरकारी दर पर मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना

भागलपुर। विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय किसान महासभा के द्वारा मंगलवार को भागलपुर के समाहरणालय परिसर में धरना दिया। धरना दे रहे लोगों की मांग है कि कदवा दियारा में सड़क निर्माण को लेकर सरकार के द्वारा जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है। लेकिन सरकारी रेट पर मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव ने कहा कि भूमि अधिग्रहण के लिए 2013 में भूमि अधिकरण कानून लागू हुआ था। जिसके तहत 96 हजार रुपया प्रति डिसमिल सरकारी रेट था। लेकिन किसानों को सरकार के द्वारा 72000 हजार रुपया प्रति डिसमिल ही दिया जा रहा है। इसका हम लोग विरोध करते हैं। यदि हम लोगों की मांग यहां पर पूरा नहीं होता तो हम लोग ऊपर तक जाएंगे।

बीडीओ के प्रभार से विकास रुका : भाजपा

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते भाजपाई।

केतार। प्रखंड के भाजपा कार्यालय में मंडल अध्यक्ष कन्हाई प्रसाद एवं विधायक प्रतिनिधि ज्वाला प्रसाद ने संयुक्त प्रेस कॉफ्रेंस कर कहा कि प्रखंड कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। उन्होंने कहा कि जब से केतार में बीडीओ अपना प्रभार लिए हैं तब से प्रखंड में विकास की गति रुक गई है। साथ ही भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। जैसे मोटेशन, खाद्य आपूर्ति, मनरेगा, अबुआ आवास, सिंचाई कूप एवं अन्य योजनाओं की स्थिती काफी लचर हो चुकी है। यहां तक कि वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवारिक लाभ सहित अन्य योजनाओं का विकास कार्य बाधित हैं। यदि इस तरह की व्यवस्था और भाषा पर रोक नहीं लगती है तो हम सभी लोग धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। मौके पर उक्त सहित कई अन्य उपस्थित थे।

युवक की गोली मारकर हत्या, परिजनों ने किया एनएच जाम

अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर भेजा जाएगा जेल : एसपी

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा थाना क्षेत्र के पचपड़वा गांव में अपराधियों ने महुलिया गांव निवासी तैयब अंसारी 25 वर्ष की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच 343 करीब 2 घंटे तक जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण गढ़वा से अंबिकापुर जाने वाले यात्री काफी परेशान रहे। जाम लगने के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। आक्रोशित परिजन अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी व मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने की मांग पर अड़े हुए थे। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने समझा बूझाकर जाम समाप्त कराया गया। जानकारी के

सड़क जाम करते लोग।

अनुसार दो दिन पूर्व तैयब का पुत्र जन्म लिया था। सोमवार की संध्या तैयब घर का कुछ सामान लेने तथा बेटे की जन्म पर दोस्तों को पार्टी देने पचपड़वा पहुंचा था। इस बीच उसके साथ आए एक दोस्त के साथ पचपड़वा में वाहन से साइड लेने के क्रम में अपराधियों से विवाद हो गया। इस संबंध में एसपी दीपक कुमार पांडेय ने बताया कि पचपड़वा गांव में तैयब अंसारी की हत्या हुई है। घटना वाहन से साइड लेने के क्रम में विवाद के कारण घटी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद तैयब से नहीं हुई थी। उसके साथ आए हुए कुछ साथियों के साथ विवाद हुआ था। लेकिन अपराधियों ने गोली चला दी। जो तैयब के माथे में जा लगी। उक्त मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है।

सदर अस्पताल में लापरवाही का आलम झामुमो ने की डीसी से कार्रवाई की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा सदर अस्पताल में लापरवाही का जबरदस्त आलम बना हुआ है। यहां आए दिन लागातर मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में झामुमो के प्रतिनिधि मंडल ने डीसी शेखर जमुआर को आवेदन सौंप कर अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही की शिकायत करते हुए प्रबंधन के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। डीसी को सौंपे गए आवेदन में कहा गया है कि सदर अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों द्वारा लगातार लापरवाही की जा रही है। गत सोमवार की संध्या

डीसी को मांग पत्र सौपते झामुमो प्रतिनिधि मंडल के लोग।

पचपड़वा में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके शव को सदर हॉस्पिटल लाया गया। इस दौरान यहां कोई भी कर्मी, प्रबंधक या चिकित्सक सहयोग के लिए मौजूद नहीं थे। वास्तविक जानकारी के लिए रात्रि नौ बजे से 11 बजे का तक सीसीटीवी की जांच कराई जा सकती है। आवेदन में कहा गया है कि हत्या जैसे गंभीर अपराध में जहां एक ओर पुलिस प्रशासन तथा जिला प्रशासन सक्रियता के साथ सजग होकर काम कर रही थी। वहीं दूसरी और अस्पताल प्रबंधन का लापरवाह रवैया सोच से परे था। ऐसी हरकतों से स्थानीय जन प्रतिनिधि की बदनामी हो रही है। झामुमो नेताओं ने कहा है कि इस मामले की जांच कर लापरवाह कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। यदि भविष्य में पुनः ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो जनहित में ऐसे भ्रष्ट, असंवेदनशील एवं लापरवाह अधिकारियों का झामुमो लोकतंत्रिक रूप से विरोध करेगी। आवेदन सौंपने वालों में झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर आदि का नाम शामिल है।

स्पीड न्यूज

पेपर लीक करने पर उम्रकैद, एक करोड़ जुर्माना

यूपी में परीक्षाओं को पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए योगी कैबिनेट का अहम फैसला

एजेंसी

▸▸ परीक्षा प्रभावित होने पर खर्च की भरपाई साल्वर गैंग से की जाएगी और संस्था होगा ब्लैकलिस्टेड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में परीक्षाओं को पारदर्शी और शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए योगी सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक की रोकथाम के लिए अध्यादेश को मंजूरी प्रदान की गई है। इस अध्यादेश के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सजा के कड़े प्राविधान सम्मिलित किए गए हैं, जिनमें दो साल से लेकर आजीवन कारावास तक का दंड और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने को शामिल किया गया है।

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पहले भी पेपर लीक जैसे मामलों पर कड़े कदम उठा चुकी है और अब इस अध्यादेश को इसी क्रम में एक और बड़ा कदम माना जा रहा है। लोकभवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने मंजूर किए गए प्रस्तावों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट के समक्ष कुल 44 प्रस्ताव रखे गए थे, जिसमें 43 को कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान की है। अनुमोदित प्रस्तावों में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक रोकथाम अध्यादेश 2024 भी शामिल रहा।

वित्त मंत्री ने बताया कि पेपर लीक के संबंध में मंत्रिपरिषद के द्वारा अध्यादेश के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया है, जिसमें यदि कोई संस्था या उससे जुड़े लोग पकड़े जाएंगे तो उन्हें 2 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास की सजा और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्राविधान किया गया है। उन्होंने बताया कि अध्यादेश के तहत लोकसेवा आयोग, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड, उत्तर प्रदेश बोर्ड, विश्वविद्यालय, प्राधिकरण या निकाय या उनके द्वारा नामित संस्था भी इसमें सम्मिलित हैं। यह अध्यादेश किसी प्रकार की भर्ती परीक्षाओं, नियमितीकरण या पदोन्नती करने वाली परीक्षाएं, डिग्री-डिप्लोमा, प्रमाण पत्रों या शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाओं पर भी लागू होगा। इसके अंतर्गत फर्जी प्रश्नपत्र बांटना, फर्जी सेवायोजन वेबसाइट बनाना इत्यादि दंडनीय अपराध बनाए गए हैं। अधिनियम के प्राविधानों के उल्लंघन पर अध्यादेश के अंतर्गत दोषियों को 2 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा, जबकि एक करोड़ रुपए के जुमार्ने का प्राविधान किया गया है। उन्होंने बताया कि यदि परीक्षा प्रभावित होती है तो उस पर आने वाले वित्तीय भार को सॉल्वर गिरोह से वसूलने तथा परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली संस्था तथा सेवा प्रदाताओं को सदैव के लिए ब्लैक लिस्ट करने का भी प्राविधान किया गया है। अधिनियम में अपराध की दशा में संपत्ति की कुर्की भी प्राविधानित की गई है। इसके तहत समस्त अपराध संज्ञेय, गैर जमानती एवं सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय एवं अशमनीय बनाए गए हैं। जमानत के संबंध में भी कठोर प्राविधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विधानसभा का सत्र न होने के कारण बिल के स्थान पर अध्यादेश का प्रस्ताव किया गया है। मंत्रिपरिषद के द्वारा प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद अध्यादेश की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा

अयोध्या में बनेगा विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय

कैबिनेट ने दी मंजूरी

▸▸ टाटा संस ने सीएसआर फंड से 650 करोड़ की लागत से संग्रहालय के निर्माण का किया था पेशकश

▸▸ जमीन पर्यटन विभाग एक रुपये की लीज पर 90 साल के लिए उपलब्ध कराएगी

लखनऊ। राम नगरी अयोध्या में विश्वस्तरीय भारतीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण के प्रस्ताव को उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को हरी झंडी दे दी। इसके लिये पर्यटन विभाग 90 साल के लिये पट्टे पर जमीन देगा। प्रदेश के पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि टाटा संस कंपनी ने केन्द्र सरकार के जरिये एक प्रस्ताव राज्य को दिया था जिसमें कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कोष (सीएसआर फंड) से 650 करोड़ रुपए की लागत से अयोध्या में एक विश्व स्तरीय भारतीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण की पेशकश की गई थी। सिंह ने कहा कि इसके अलावा अन्य विकास कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपए देने का प्रस्ताव किया गया था। उनके अनुसार इन प्रस्तावों को मंत्रिमंडल ने मंगलवार को स्वीकृति दी। उन्होंने बताया कि इस मंदिर संग्रहालय के निर्माण के लिये जमीन पर्यटन विभाग एक रुपये की लीज पर 90 साल के लिए उपलब्ध कराएगी। मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये एक अन्य फैसले के बारे में पर्यटन मंत्री ने बताया कि प्रदेश में विमान संपर्क बढ़ाने के मद्देनजर लखनऊ, प्रयागराज और कपिलवस्तु (सिद्धार्थ नगर) में निजी सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी) के तहत हेलीपैड बनाकर हेलीकाप्टर सेवाएं चालू करने के प्रस्ताव पर भी मंत्रिमण्डल ने मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने पूरे प्रदेश में अनुप्रयुक्त धरोहर इमारतों को पीपीपी मोड पर पर्यटन इकाइयों के रूप में विकसित किए जाने का निर्णय लिया है जिससे पर्यटन क्षेत्र के सेवा प्रदाताओं और आम लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इनमें से ऐसी तीन इमारतों कोठी रोशनुद्दौला लखनऊ, बरसाना जल महल मथुरा और शुक्ला तालाब कानपुर को चुना गया है। उनके मुताबिक इनके लिये तकनीकी निविदा, तकनीकी प्रस्तुतीकरण एवं वित्तीय निविदा को मंत्रिमण्डल ने अनुमोदन दे दिया है। सिंह ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं के बेहतर इस्तेमाल के लिए पर्यटन नीति 2022 लागू की गयी थी। उन्होंने कहा कि उसका लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिल सके।

दो अगस्त को रिलीज होगी फिल्म 'उलझ'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म उलझ, 02 अगस्त को रिलीज होगी। जाह्नवी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म उलझ का मोशन पोस्टर शेयर किया है। जाह्नवी ने कैप्शन में लिखा है कि जल्द ही पॉपकॉर्न के साथ मिलते हैं। उलझ में जाह्नवी कपूर इंडियन फारेस्ट ऑफिसर का किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म की कहानी देशभक्ति पर आधारित होगी। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर के साथ गुलशन देवैया, राजेश तैलंग, रोशन मैथ्यू, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी समेत कई स्टार्स दिखाई देने वाले हैं।

ब्रिटिश जेल से रिहा हुए विकीलीक्स संस्थापक

वाशिंगटन। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को ब्रिटिश जेल से रिहा कर दिया गया है। ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार विकीलीक्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें श्री असांजे वह सोमवार शाम को लंदन के स्टैनस्टेड हवाई पर विमान में सवार होते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह घोषणा उस खबर के तुरंत बाद की गई, जिसमें बताया गया था कि श्री असांजे इस सप्ताह के अंत में अमेरिका के जासूसी कानून का उल्लंघन करने के लिए दोषी होने की दलील देने वाले हैं। इस समझौते के तहत वह अपने गृह देश ऑस्ट्रेलिया वापस लौट सकेंगे।

अमेरिका ने यूट्यूब के साथ शुरू की साझेदारी

वाशिंगटन। अमेरिका ने अपने ग्लोबल म्यूजिक डिप्लोमेसी इनिटिएटिव के समर्थन को लेकर वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब के साथ साझेदारी की शुरूआत कर रहा है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन और यूट्यूब म्यूजिक के ग्लोबल प्रमुख लियोर कोहेन ने सोमवार को इस साझेदारी की घोषणा की। यह साझेदारी अमेरिका के व्यापक विदेश नीति लक्ष्यों के समर्थन में शांति और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए संगीत को एक राजनयिक मंच के रूप में ऊपर उठाने का एक विश्वव्यापी प्रयास है।

हूती के पूर्व नेता को 35 साल की सजा

वाशिंगटन। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने 400 मावोजो के नाम से कुख्यात हूती गिरोह के पूर्व नेता को हथियारों की तस्करी करने और अमेरिकी बंधकों की फिरौती से एकत्र धन को सफेद करने के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद 35 साल जेल की सजा सुनाई है। अमेरिका के न्याय विभाग ने सोमवार को कहा कि क्रोक्स-डेस-बौकेट्स हूती के 31 वर्षीय जोली जर्मिन को आज 420 महीने जेल की सजा सुनाई गई।

इजरायली हमले में 26 फिलिस्तीनी मरे

गाजा। इजरायल ने मंगलवार को गाजा सिटी के दो घरों, शहर के पूर्व और पश्चिम में विस्थापित लोगों के रहने वाले दो स्कूलों और एक सभा को निशाना बनाकर किये गये हवाई हमले में कम से कम 26 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो गयी। इजरायल के नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने एक बयान में कहा कि इजरायली सुरक्षा बलों ने गाजा शहर के पूर्व में अल-दारराज क्षेत्र में एक स्कूल और शहर के पश्चिम में अल शाती शिविर में एक अन्य स्कूल और अल-शुजाइया के पड़ोस में अल-जमीली परिवार के घर को निशाना बनाकर तीन हवाई हमले किये।

कई सांसदों ने ली शपथ, लगाये नारे

एजेंसी

▸▸ औवेसी ने जय फिलिस्तीन का लगाया नारा, राहुल बोले जय हिन्द और जय संविधान

▸▸ हेमा मीलिनी ने जय श्री कृष्ण, जय श्री राधारमण व भारत माता नारा लगाया

▸▸ रविकिशन ने गुरु गोरक्षनाथ महाराज की जय और हर-हर महादेव के नारे लगाए

▸▸ अरूण गोविल ने संस्कृत में शपथ ली और जयश्रीराम व जय भारत के नारे लगाए

नयी दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को कई सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। शपथ लेने के दौरान सदस्यों के अलग-अलग अंदाज और बयान भी दिखाई दिए। हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन औवेसी ने जय फिलिस्तीन का नारा लगा दिया जिस पर कई सदस्यों ने आपत्ति जताई। औवेसी ने शपथ के बाद जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन के नारे लगाए। इस पर कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई। इस पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि शपथ ग्रहण में दूसरे देश के नारे लगाने के विषय में विचार किया जाएगा और विचार किया जाएगा की सही है या नहीं। राहुल गांधी ने भी लोक सभा सदस्य की शपथ ली। उन्होंने अपनी शपथ के दौरान हाथ में संविधान पकड़ा हुआ था। अंत में उन्होंने जय हिन्द और जय संविधान का नारा लगाया।

प्रोटेम स्पीकर भर्तुहरि महताब ने इस बात को स्पष्ट किया कि शपथ के अलावा सदस्यों की कही कोई बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के नारे लगाने से बचना चाहिए।

भाजपा नेत्री एवं अभिनेत्री हेमा मीलिनी ने अपनी शपथ की शुरूआत राधे-राधे से की और अंत में जय श्री कृष्ण, जय श्री राधारमण, जय भारत माता का नारा लगाया। फतेहपुर सिकरी से सांसद राजकुमार चाहर ने गिरिराज महाराज की जय कहा। फिरोजाबाद से अक्षय यादव और अन्य सपा नेताओं ने नेता जी अमर रहें और जय समाजवाद, जय भीम कहा। समाजवादी पार्टी से ही डिम्पल यादव ने जय हिन्द, जय संविधान, जय समाजवाद कहा। सपा सांसद आनंद भदौरिया ने अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाए। छत्रपाल सिंह गंगवार बरेली से भाजपा सांसद ने जय हिन्दू राष्ट्र और जय भारत का नारा लगाया। गोरखपुर से सांसद रविकिशन ने गुरु गोरक्षनाथ महाराज की जय, ॐ नमः पार्वती पतये, हर-हर महादेव के नारे लगाए और कहा जय भोजपुरी। मेरठ से सांसद अरूण गोविल ने संस्कृत में शपथ ली और अंत में जयश्रीराम और जय भारत के नारे लगाए। गाजियाबाद से सांसद अतुल गर्ग ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिंदाबाद, दीनदयाल उपाध्याय जिंदाबाद, अटल बिहारी वाजपेयी, नरेन्द्र मोदी और डॉ. हेडगेवार जिंदाबाद का नारा लगाया।

जम्मू से वैष्णो देवी मंदिर तक हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

▸▸ एक तरफ का किराया 2,100 रुपये प्रति व्यक्ति

▸▸ यात्रियों के पास दो पैकेज होंगे ,उसी दिन वापसी के लिए प्रति यात्री 35,000 और अगले दिन वापसी के लिए प्रति व्यक्ति 60,000 रुपये

एजेंसी

कटरा/जम्मू। जम्मू से माता वैष्णो देवी मंदिर तक मंगलवार को सीधी हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गई जिससे समय की कमी के कारण एक दिन के भीतर ही इस पवित्र मंदिर में दर्शन की इच्छा रखने वाले तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा होगी। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। यह हेलीकॉप्टर सेवा रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित प्रसिद्ध मंदिर में जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आधार शिविर और मंदिर के पास सांझी छत के बीच पहले से ही उपलब्ध हेलीकॉप्टर सेवा के अतिरिक्त है, जिनका एक तरफ का किराया 2,100 रुपये प्रति व्यक्ति है। जम्मू से इस सेवा का विकल्प चुनने वाले तीर्थयात्रियों के पास दो पैकेज के विकल्प उपलब्ध होंगे। इसमें उसी दिन वापसी के लिए प्रति यात्री 35,000 रुपये और अगले दिन वापसी के लिए प्रति व्यक्ति 60,000 रुपये लगेंगे। अधिकारियों ने बताया कि नई सेवा की शुरूआत के अवसर पर तीर्थयात्रियों को लेकर पहला हेलीकॉप्टर सुबह करीब 11 बजे जम्मू हवाई अड्डे से रवाना हुआ और मंदिर के नए मार्ग पर पंछी हेलीपैड पर उतरा। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने उद्घाटन के बाद कटरा में संवाददाताओं से कहा कि यह सेवा मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। बोर्ड के सीईओ ने कहा कि निजी सेवा को प्रायोगिक आधार पर दो उड़ानों के साथ शुरू किया गया है। इसकी लागत 35,000 रुपये प्रति यात्री है, जिसमें पंछी से भवन तक बैटरी कार सेवा, दर्शन और भैरव मंदिर तक रोपवे टिकट शामिल है। गर्ग ने कहा कि दूसरा पैकेज अगले दिन वापसी की सुविधा देता है और इसका शुल्क 60,000 रुपये प्रति व्यक्ति है। इस सेवा में विशेष प्रार्थना में भाग लेना भी शामिल है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे राहुल गांधी

इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक में लिया गया यह निर्णय

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया है। इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक में यह निर्णय लिया गया। यह जानकारी पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दी। रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे। इस बाबत कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने प्रोटेम स्पीकर को पत्र लिखकर ये जानकारी दी। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में बीते दिनों सर्वसम्मति से राहुल को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने की मांग उठी थी* बैठक में कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्यों ने प्रस्ताव पारित किया कि राहुल गांधी को लोकसभा में पार्टी का नेता नियुक्त किया जाना चाहिए. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के लिए अपने नाम का प्रस्ताव पारित होने पर राहुल गांधी ने इस बारे में सोचने के लिए कमेटी के सदस्यों से कुछ समय मांगा था। गौरतलब है कि विपक्षी गठबंधन का यह कदम स्पीकर चुनाव से कुछ घंटे पहले लिया गया है। बुधवार को । लोकसभा स्पीकर को लेकर चुनाव होना है। एनडीए की तरफ से कोटा सीट से भाजपा सांसद ओम बिरला मैदान में हैं तो दूसरी तरफ केरल से आठ बार सांसद बनकर पहुंचे कांग्रेस सांसद के सुरेश को विपक्ष ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

जहीर ने सोनाक्षी को गिफ्ट की लग्जरी कार

मुंबई। शादी होते ही जहीर इकबाल ने अपनी बेगम सोनाक्षी सिन्हा को 2 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत वाली बीएमडब्ल्यू आई7 इलेक्ट्रिक सेडान कार उपहार में दी। वायरल वीडियो में नवविवाहित जोड़ा मुंबई के लिंकिंग रोड पर स्थित बास्टियन रेस्टोरेंट में रिसेप्शन के लिए एक आलीशान बीएमडब्ल्यू कार में आता हुआ दिखाई दिया। यह रेस्टोरेंट एशियाई व्यंजनों के लिए मशहूर है। इस क्लिप में सोनाक्षी और जहीर हाथ पकड़े हुए कार की पिछली सीट पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जहीर ने अपनी पत्नी को 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की कीमत की बीएमडब्ल्यू आई7 इलेक्ट्रिक सेडान गिफ्ट की है। दोनों ने 23 जून को मुंबई के बांद्रा वेस्ट में सोनाक्षी के नए अपार्टमेंट में रजिस्टर्ड मैरिज की।

केजरीवाल को नहीं मिली राहत हाईकोर्ट में इडी की याचिका मंजूर

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को विशेष अदालत से मिली 20 जून को मिली जमानत निलंबित करने की ईडी की याचिका मंगलवार को स्वीकार कर ली न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन एकल पीठ ने आदेश सुनाते हुए कहा कि ईडी की ओर से दायर आवेदन को स्वीकार किया जाता है, आदेश (विशेष अदालत के जमानत आदेश) पर रोक लगाई जाती है। एकल पीठ ने कहा कि शराब नीति कथित घोटाला मामले में रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री पर उचित रूप से विचार नहीं किया। उच्च न्यायालय ने कहा कि निचली अदालत द्वारा यह टिप्पणी कि बहुत अधिक सामग्री पर विचार नहीं किया जा सकता, पूरी तरह से अनुचित है और यह दशार्ता है कि उसने सामग्री पर अपना दिमाग नहीं लगाया है। पीठ ने यह भी कहा कि अवकाशकालीन न्यायाधीश को इडी के जमानत आवेदन पर बहस करने के लिए पर्याप्त अवसर देना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने 24 जून को इस मामले में सुनवाई की थी और अगली सुनवाई के लिए 26 जून की तारीख मुकर्रर की थी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय के सोमवार को थोड़ा असमान्य करार दिया था।

मप्र में मंत्री भरेंगे अपना इनकम टैक्स खुद

भोपाल। मध्य प्रदेश में सभी मंत्री अपना इनकम टैक्स भरेंगे। अब तक यह वित्तीय भार राज्य सरकार वहन कर रही थी। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया है कि कैबिनेट ने मंगलवार को फैसला लिया है कि राज्य के मंत्री अपने इनकम टैक्स का वहन करेंगे। राज्य शासन से कोई वित्तीय भार नहीं लेंगे। आयकर की दृष्टि से वर्ष 1972 में एक नियम बनाया गया था, जिसके तहत मंत्रियों और संसदीय सचिव स्तर तक का इनकम टैक्स राज्य सरकार भर रही थी। अब मंत्री स्वयं भार का वहन करेंगे। वहीं, कैबिनेट ने फैसला किया है कि जेल, जिन्हें सुधार गृह भी कहा जाता है, वहां पर सुविधा बढ़ाई जाएगी और कैदियों को रोजगार से जोड़ा जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार जल्द ही विधानसभा में विधेयक लाएगी।

बजट की उम्मीद से शेयर बाजार ने भरी नई उड़ान

सेंसेक्स 78 हजार के पार और निफ्टी 23700 के रिकॉर्ड स्तर पहुंचा

एजेंसी

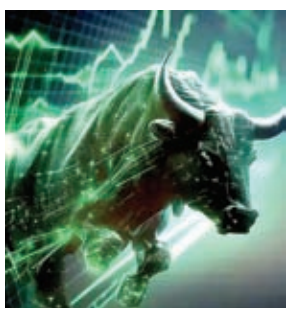

मुंबई। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर नयी सरकार में चालू वित्त वर्ष के लिए पेश होने वाले बजट से सबकी उम्मीदें पूरी होने की आस लगाए निवेशकों की वित्तीय सेवाएं, आईटी, बैंकिंग और टेक समेत सात समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत मंगलवार को शेयर बाजार नये शिखर पर पहुंच गया।

सेंसेक्स 712.44 अंक की छलांग लगाकर पहली बार 78 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 78,053.52 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 183.45 अंक उछलकर 23,721.30 अंक के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का दबाव रहा, इससे मिडकैप 0.26 प्रतिशत गिरकर 46,020.08 और स्मॉलकैप 0.03 प्रतिशत फिसलकर 52,064.12 अंक रह गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4000 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1808 में लिवाली जबकि 2075 में बिकवाली हुई वहीं 117 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 25 कंपनियों में तेजी जबकि 24 में गिरावट रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे। विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू बाजार में आज वित्तीय क्षेत्र की लिवाली से तेजी देखी गई, जिसका नेतृत्व मुख्य रूप से निजी बैंकों ने किया, जिसमें निफ्टी बैंक एक नए उच्च स्तर पर पहुंच गया और सेंसेक्स 78,000 को पार कर गया। हालांकि, रियल्टी, बिजली, धातु और मिडकैप जैसे क्षेत्रों में मुनाफावसूली हुई। आगामी बजट से उम्मीदों के कारण बाजार ऊपर की ओर बढ़ रहा है।

इससे बीएसई के सात समूहों में मजबूत लिवाली हुई और वित्तीय सेवाएं 1.45, हेल्थकेयर 0.08, इंडस्ट्रियल्स 0.12, आईटी 0.53, बैंकिंग 1.87, कैपिटल गुड्स 0.28 और टेक समूह के शेयर 0.43 प्रतिशत चढ़ गए। वहीं, यूटिलिटीज 0.95, धातु 0.84, तेल एवं गैस 0.75, पावर 1.05, रियल्टी 1.82 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.57 प्रतिशत टूट गये।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.15, जर्मनी का डैक्स 0.97 और चीन का शंघाई कंपोज़िट 0.44 प्रतिशत टूट गया जबकि जापान का निक्केई 0.95 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.25 प्रतिशत चढ़ गया। शुरूआती कारोबार सेंसेक्स 188 अंक चढ़कर 77,529.19 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से दोपहर से पहले 77,459.60 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। वहीं, लिवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह 78,164.71 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 77,341.08 अंक के मुकाबले 0.92 प्रतिशत मजबूत होकर 78,053.52 अंक हो गया। निफ्टी 39 अंक बढ़कर 23,577.10 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 23,562.05 अंक के निचले जबकि 23,754.15 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में एक्सिस बैंक 3.40, आईसीआईआई बैंक 2.48, एचडीएफसी बैंक 2.32, टेक महिंद्रा 1.80, एलटी 1.56, एसबीआई 1.10, बजाज फिनसर्व 0.98, इंफोसिस 0.92, रिलायंस 0.88, सन फार्मा 0.69, कोटक बैंक 0.63, अल्ट्रासिमको 0.59, टीसीएस 0.57, एचसीएल टेक 0.40 और इंडसइंड बैंक 0.34 प्रतिशत शामिल रही।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची

Verma's® Today®

शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar II	₹ 120	English Grammar II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!